@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 16 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 155 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

स्टालिन ने की राज्य के लिए अधिक स्वायत्तता की वकालत

चेन्नई, 15 अप्रैल। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने राज्य को अपने फैसले लेने के लिए अधिक स्वायत्तता देने की जोरदार वकालत की। उन्होंने विधानसभा में एक उच्च स्तरीय समिति नियुक्त करने का प्रस्ताव पेश किया। स्टालिन के प्रस्ताव पर तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है, जो राज्य की स्वायत्तता की सिफारिश के साथ ही अधिकारों को पुन: प्राप्त करने का प्रयास करेगी। सीएम स्टालिन ने राज्य को अधिक स्वायत्तता दिए जाने

की बात ऐसे समय में की है, जब राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य विधानसभा में पारित विभिन्न विधेयकों को मंजूरी देने से मना कर दिया। इसके चलते डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार और राज्यपाल के बीच टकराव भी हुआ। सिफारिश के लिए गठित की गई समिति की अध्यक्षता रिटायर्ड जज कुरियन जोसेफ करेंगे। इस समिति में अन्य दो सदस्य रिटायर्ड आईएएस अशोक वर्धन शेट्टी और एमयू नागराजन होंगे। समिति जनवरी 2026 के अंत तक राज्य को एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपेगी और दो साल के भीतर एक पूरी रिपोर्ट पेश करेगी। समिति राज्य और केंद्र सरकार के बीच संबंधों को मजबूत करने पर भी सिफारिशें देगी। मुख्यमंत्री स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, नीट परीक्षा की वजह से हमने कई छात्रों को खो दिया है। हमने नीट परीक्षा का लगातार विरोध किया है। केंद्र सरकार तीन भाषा नीति के नाम पर तमिलनाडु में हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। चूंकि हमने एनईपी को स्वीकार नहीं किया, इसलिए केंद्र सरकार ने राज्य को 2500 करोड़ रुपये जारी नहीं किए हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षा को राज्य सूची में लाया जाना चाहिए। सीएम स्टालिन के संबोधन के दौरान विपक्ष ने विधानसभा से वॉकआउट किया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री दोहरी भाषा बोल रहे हैं। एआईडीएमके विधायक आरबी उदयकुमार ने कहा कि सीएम के 110वें भाषण के बाद भी स्पीकर ने हमें बोलने का मौका नहीं दिया, जो लोकतंत्र के खिलाफ है। विधायक उदयकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री वही बात कह रहे हैं, जो उनके पिता करुणानिधि ने दशकों पहले कही थी। उन्होंने कहा कि जब केंद्र ने शिक्षा को राज्य सूची से हटाकर समवर्ती सूची में स्थानांतरित किया था, तब वे सत्ता में होने के बावजूद भी चुप थे। अब वह अपनी आवाज उठा रहे हैं। भाजपा ने राज्य अधिकारों की रक्षा के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने का भी विरोध किया।

ईमानदारी से सेवा करें, वंचितों के लिए काम करें: राष्ट्रपति मुर्मू

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को 2023 बैच के नव नियुक्त आईएएस अधिकारियों को संबोधित करते हुए उनसे समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए विशेष प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (ड्ढ्रस्) में होना केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज के अनगिनत लोगों के जीवन में बदलाव लाने का एक सुनहरा अवसर है। मुर्मू ने कहा, एक लोक सेवक के कर्तव्य उनकी जिम्मेदारियां हैं और उनके अधिकार उन कर्तव्यों को पूरा करने का साधन हैं। ये अधिकारी वर्तमान में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में कार्यरत हैं। आईएएस अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि वे असाधारण दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत के माध्यम से आईएएस अधिकारी बने हैं। इससे उनके निजी जीवन में तो बदलाव आया ही है, लेकिन अब अनगिनत लोगों के जीवन में परिवर्तनकारी बदलाव लाने का अवसर है। राष्ट्रपति ने उन्हें याद दिलाया कि एक लोकसेवक के कर्तव्य ही उसकी जिम्मेदारियां हैं और उनके अधिकार सिर्फ उन कर्तव्यों को निभाने के साधन हैं। उन्होंने कहा कि आपकी असली पहचान आपके काम से बनेगी, न कि सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या से। उन्होंने यह भी कहा कि आपका असली सामाजिक मूल्य आपके अच्छे कार्यों से तय होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अधिकारियों से कहा कि उनकी पहली पोस्टिंग से ही वे कई नागरिकों के जीवन में सुधार ला सकते हैं, क्योंकि उनका कार्यक्षेत्र और अधिकार बहुत व्यापक होता है। उन्होंने अधिकारियों को सुझाव दिया कि अपनी सेवा यात्रा के दौरान कभी-कभी उन स्थानों पर लौटें जहां उन्होंने काम किया था, ताकि यह देख सकें कि उनके काम का लोगों पर क्या दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा है। राष्ट्रपति ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि हर लोकसेवक को अपने उद्देश्य के प्रति ईमानदार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, हम सभी को पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन साथ ही अनैतिकता और मूल्यों में गिरावट भी एक गंभीर चुनौती है। ऐसे में ईमानदारी, सच्चाई और सादगी जैसे जीवन-मूल्य अपनाने वाले लोग ही वास्तव में खुश रहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आज के डिजिटल युग में लोगों की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं और वे प्रशासन से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं। ऐसे में ड्ढ्रस् अधिकारियों को नागरिकों के साथ संपर्क और संवाद बढ़ाना चाहिए और स्थानीय प्रयासों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए जनहित के मुद्दों का समय पर समाधान करना भी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। अंत में उन्होंने कहा कि स्थानीय और राज्य स्तर पर किया गया विकास और जनकल्याण का कार्य देश के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा।

हरियाणा जमीन सौदे मामले में रॉबर्ट वाड्रा से ईडी ने की पूछताछ

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को हरियाणा भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में काराबारी और वायनाड से कांग्रेस प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ की। हालांकि, वाड्रा ने एजेंसी के समन राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान पहले भी ईडी के साथ घंटों बिताए हैं, हजारों पेज साझा किए हैं, लेकिन फिर भी एजेंसी उनके खिलाफ मामले उठा रही है। मैं न ही किसी दबाव में आने वाला हूं और न ही किसी से डरने वाला हूं। 56 साल के रॉबर्ट वाड्रा मध्य दिल्ली के सुजान सिंह पार्क स्थित अपने आवास से एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर स्थित ईडी मुख्यालय तक दो किलोमीटर पैदल गए। ईडी कार्यालय के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया, यह कुछ और नहीं

बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध है। जब भी मैं अल्पसंख्यकों के लिए बोलता हूं तो वे मुझे रोकने की कोशिश करते हैं, हमें कुचलने की कोशिश करते हैं। उन्होंने संसद में राहुल को भी रोकने की कोशिश की। यह एजेंसियों का दुरुपयोग है और यह राजनीतिक प्रतिशोध है। मैं पहले की तरह उनके साथ सहयोग करूंगा। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा को जमीन सौदा मामले में दूसरी बार तलब किया था। समन के तहत वे मंगलवार सुबह ईडी दफ्तर पहुंचे थे। पहले ईडी ने उन्हें समन कर 8 अप्रैल को पेश होने को कहा था। हालांकि, तब वे पेश नहीं हो पाए थे। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत वाड्रा का बयान दर्ज किया। इससे पहले संघीय जांच एजेंसी ने एक अन्य धन शोधन मामले में वाड्रा से पूछताछ की थी। दरअसल, ईडी ने मंगलवार को हरियाणा के शिकोहपुर भूमि सौदे से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में रॉबर्ट वाड्रा को समन भेजा है। वाड्रा पहले समन पर उपस्थित नहीं हुए थे, जो 8 अप्रैल को जारी किया गया था। उन्हें पूछताछ के लिए ईडी के सामने उपस्थित होने के लिए कहा गया, क्योंकि केंद्रीय जांच एजेंसी उनकी फर्म स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी से संबंधित कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही है। ईडी के मुताबिक, रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी ने फरवरी 2008 में ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से गुड़गांव के शिकोहपुर में 3.5 एकड़ का प्लॉट 7.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। उनकी कंपनी ने इसके बाद जमीन को रियल एस्टेट दिग्गज डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेच दिया। इससे ईडी दफ्तर जाते वक्त रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि सरकार बदले के तहत कारवाई कर रही है। मुझे नहीं पता कि आखिर गलती क्या है। मुझे किसी से भी कुछ भी छिपाने की जरूरत नहीं है। मैं कुछ भी गलत नहीं किया है। मेरे खिलाफ जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है।

सोनिया-राहुल की बढ़ी मुश्किलें, ईडी ने दायर किया आरोपपत्र

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर शिकंजा कसते हुए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपपत्र दायर किया है। जांच एजेंसी की ओर दिल्ली की राउस एवेन्यू कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया गया है। ईडी ने दोनों नेताओं को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया गया है। आरोपपत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा, सुमन दुबे समेत कई नेताओं के नाम भी शामिल हैं। ईडी की ओर से दाखिल किए गए आरोपपत्र पर राउस एवेन्यू कोर्ट में 25 अप्रैल को सुनवाई होगी। ईडी की ओर से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 44 और 45 के तहत धन शोधन के अपराध के लिए अभियोजन शिकायत दर्ज की गई है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़ी संपत्तियों पर कब्जा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र की स्थापना 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने की थी। यह स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक था। इसे असोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड यानी एजेएल द्वारा प्रकाशित किया जाता था। 2008 में वित्तीय संकट के बाद समाचार पत्र बंद हो गया और यहीं से इस विवाद की शुरुआत हुई। 2010 में यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड वाईआईएल नामक कंपनी बनी। इसमें सोनिया और राहुल गांधी की 38-38त्न हिस्सेदारी है। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में आरोप लगाया कि वाईआईएल ने एजेएल की 2000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को मात्र 50 लाख रुपये में हासिल कर लिया और यह धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है।

कानून बनाना अदालत का काम नहीं: सुप्रीम कोर्ट

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दहेज उत्पीड़न और भरण-पोषण से जुड़े कानूनों को लिंग-निरपेक्ष यानी पुरुष और महिलाओं दोनों के लिए समान बनाने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। यह याचिका एनजीओ जनश्रुति द्वारा दाखिल की गई थी, जिसमें दावा किया गया था कि इन कानूनों का अक्सर पतियों और उनके परिवारों को परेशान करने के लिए दुरुपयोग किया जाता है। याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने साफ कहा कि कानून बनाना अदालत का काम नहीं है, ये जिम्मेदारी संसद की है। पीठ ने आगे कहा कि हमें बताइए कौन-सा कानून है जिसका दुरुपयोग नहीं होता? क्या हर कानून को इसी आधार पर खत्म कर देना चाहिए? साथ ही कोर्ट ने ये भी कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए बने प्रावधानों को सिर्फ इसलिए नहीं बदला जा सकता क्योंकि कुछ मामलों में उनका दुरुपयोग हुआ हो। याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने मामले में सुझाव दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को इन कानूनों से परेशानी है, तो उसे सीधे व्यक्तिगत याचिका दाखिल करनी चाहिए, ना कि एनजीओ के जरिए जनहित याचिका।बता दें

कि याचिका में कहा गया था कि विदेशों में पुरुष भी घरेलू हिंसा और भरण-पोषण के लिए केस दर्ज कर सकते हैं, लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। इस पर कोर्ट ने जवाब दिया कि तो क्या हम हर बात में विदेशी कानूनों की नकल करें? भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और अपने संविधान के अनुसार काम करेगा। सुनवाई के दौरान पीठ ने संविधान का जिक्र करते हुए कहा कि अनुच्छेद 15 संसद को महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून बनाने की अनुमति देता है। यह कहना कि कानून का दुरुपयोग हो रहा है, एक सामान्य आरोप है, जिसे हर मामले में अलग-अलग देखा जाना चाहिए। इसके साथ ही पीठ ने याचिकाकर्ता वकील से सवाल पूछे कि क्या आप कह सकते हैं कि कोई भी नवविवाहित महिला दहेज के लिए परेशान नहीं होती? क्या हम सिर कलम करने जैसे अपराधों में भी दुरुपयोग की अवधारणा लागू करें? कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह के मामलों में तेजी लाने के लिए अधिक अदालतें, मजिस्ट्रेट और बुनियादी ढांचे की ज़रूरत है, जो एक प्रशासनिक मुद्दा है। अंत में कोर्ट ने कहा कि याचिका में उठाए गए मुद्दे सामान्य और व्यापक हैं, जिन पर मामला-दर-मामला आधार पर ही गौर किया जा सकता है। देखा जाए तो उच्चतम न्यायालय के द्वारा इस याचिका को खारिज करने के साथ ही ये बात साफ हो गई है कि अदालत 498 और भरण-पोषण जैसे कानूनों को लिंग-निरपेक्ष बनाने की मांग पर अब सीधे हस्तक्षेप नहीं करेगी और इस दिशा में कोई भी बदलाव सिर्फ संसद ही कर सकती है।

अम्बाला छावनी नई अनाज मंडी में किसानों व मजदूरों को 10 रुपये थाली मिलेगा भोजन: अनिल विज

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई अनाज मंडी, 15 अप्रैल। हरियाणा में ऐसी पहली अनाज मंडी, जो जीटी रोड पर हैं और यहां रेस्ट हाउस सुविधा उपलब्ध अनिल विज ने नई अनाज मंडी में किसानों व मजदूरों के लिए अटल किसान मजदूर कैंटीन की शुरुआत की चण्डीगढ़, 15 अप्रैल - हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी में नई अनाज मंडी प्रदेश में ऐसी पहली अनाज मंडी है जोकि जीटी रोड पर स्थित हैं। यहां पर किसानों के लिए रेस्ट हाउस की सुविधा उपलब्ध है। इसी कड़ी में आज किसानों व मजदूरों के लिए अटल किसान मजदूर कैंटीन शुरू की गई हैं जिसमें उन्हें 10 रुपये में भोजन की सुविधा उपलब्ध होगी। श्री विज आज अम्बाला छावनी जीटी रोड स्थित अनाज मंडी में अटल किसान मजदूर कैंटीन का उद्घाटन करने के उपरांत मौजूद किसानों व अन्य लोगों को संबोधित कर रहे थे। श्री अनिल विज ने कहा कि आज खुशी की बात है कि यहां पर अटल किसान मजदूर कैंटीन का श्रीगणेश किया गया हैं। हमारी सरकार हर वर्ग, हर क्षेत्र व हर व्यक्ति का पूरा ध्यान रखती हैं। गेहूं का सीजन आ गया हैं, इसके तहत मंडी में किसानों, मजदूरों व अन्यों को भरपेट भोजन मिल सके, इसके लिए यहां पर अटल किसान मजदूर कैंटीन का शुभारम्भ किया गया हैं। इसके साथ-साथ अन्य मंडियों में भी अटल किसान मजदूर कैंटीन बनाने का काम किया

जा रहा हैं। उन्होंने कहा कैंटीन में 10 रुपये की दर से दोपहर का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा जबकि 15 रूपए प्रति थाली की अदायगी मार्केटिंग कमेटी अम्बाला छावनी सब्सिडी के रूप में कैंटीन संचालक महिला स्वयं सहायता समूह को करेगी। नई अनाज मंडी मेरा सबसे पहला प्रोजेक्ट था, किसानों व लोगों को मिला फायदा परिवहन मंत्री ने कहा कि उनका सबसे पहला प्रोजेक्ट अम्बाला छावनी की इस मंडी को जीटी रोड पर बनाने का था। इससे पहले यह अनाज मंडी अम्बाला छावनी सदर बाजार में होती थी। न तो वहां पर अनाज रखने की सुविधा थी, न ट्रॉली खड़ी करने की और न किसानों के बैठने की व्यवस्था होती थी। सारे बाजार गेहूं की ढेरियों से भरे रहते थे। आ?तियों, किसानों के साथ-साथ बाजार के दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना प?ता था। मैंने लोगों की समस्या को ध्यान में रखते हुए सबसे पहला प्रोजेक्ट नई अनाज मंडी अम्बाला छावनी जीटी रोड मोहा के नजदीक शिफ्ट करवाया। उन्होंने कहा कि अनाज मंडी में किसानों के लिए किसान रेस्ट हाउस की सुविधा के साथ-साथ अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध है। इसी कड़ी में आज यहां पर किसान रेस्ट हाउस के हॉल में अटल किसान मजदूर कैंटीन बनाई गई हैं ताकि यहां पर आने वाले किसान एवं मजदूरों को रियायती दर पर पौष्टिक भोजन मिल सकें। मार्केटिंग बोर्ड द्वारा यहां पर स्थाई रूप से कैंटीन चलाने के लिए जगह चिन्हित कर ली गई हैं और टेंडर प्रक्रिया के होने के बाद जल्द से जल्द यहां पर यहां पर 7 लाख रुपए की लागत से अटल किसान मजदूर कैंटीन बनाने का काम किया जाएगा।

पूर्व आईएएस प्रशिक्षु पूजा खेडकर को राहत

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से संरक्षण देने के अपने अंतरिम आदेश को बढ़ा दिया। पूजा पर 2022 संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा के लिए पात्रता प्राप्त करने के लिए अपने दस्तावेजों में जालसाजी करने का आरोप है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई 21 अप्रैल को तय की। कोर्ट ने कहा कि तब तक उन्हें गिरफ्तारी से दिया गया अंतरिम संरक्षण जारी रहेगा। इस बीच वकील ने पीठ को बताया कि उनकी ओर से एक जवाबी हलफनामा दायर किया गया है, लेकिन यह अदालत के रिकॉर्ड में नहीं दिख रहा है। फिर पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने दिल्ली पुलिस से जांच तेजी से पूरी करने को कहा और पूछा कि जब खेडकर ने खुद हलफनामे में कहा है कि वह सहयोग करने को तैयार हैं, तो वह जांच पूरी क्यों नहीं कर रही है। पीठ ने खेडकर की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तारीख तय की है।

मेहुल चोकसी और कानूनी टीम की चालबाजियां शुरू

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। मेहुल चोकसी की धोखाधड़ी के शिकार पीड़ितों को उम्मीद जगी है कि उसकी गिरफ्तारी से उन्हें न्याय मिलेगा और उनकी फंसी रकम वापस मिल सकेगी। गुजरात के भावनगर में दिव्य निर्माण ज्वेलर्स के मालिक दिग्विजय सिंह जडेजा ने दावा किया कि वह मेहुल की कंपनी में फाइनेंसर थे। उन्होंने उसकी कंपनी में 106 किलो सोने की छड़ें निवेश की थीं। उन्होंने भावनगर, अहमदाबाद, जामनगर, भुज, सूरत, मुंबई और वडोदरा में चोकसी के सभी स्टोर विकसित किए। चोकसी के पास उनकी 106 किलो सोने की छड़ें और 30 करोड़ रुपये हैं, जिनकी आज कीमत 128 करोड़ रुपये है। जडेजा ने कहा कि उन्होंने 2014 में गुजरात राज्य सीआईडी अपराध अर्थव्यवस्था और अपराध शाखा में एफआईआर दर्ज कराई थी। गुजरात पुलिस को उसके खिलाफ सबूत मिले थे। सीआरपीसी 164 के बयान दर्ज होने के बाद भी उसे गिरफ्तार नहीं किया गया। उसे गिरफ्तार करने के लिए डीजीपी स्तर के एक व्यक्ति ने 70 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। उन्होंने कहा कि वह पीड़ित थे। फिर भी उनसे रिश्वत मांगी। उन्हें न्याय नहीं मिला। 2016 में उन्होंने गुजरात हाईकोर्ट में हलफनामा दिया था कि मेहुल पर 9,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज है और उसने देश का पैसा विदेश में जमा कर दिया है। उसे जल्द गिरफ्तार किया जाए, वह भागने वाला है लेकिन किसी ने नहीं सुनी। मेहुल के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में एक और शिकायतकर्ता वैभव खुरानिया ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मेहुल को न्याय के लिए भारत वापस लाया जाएगा। मैं बस उम्मीद करता हूं। मुझे नहीं लगता कि यह काम इतना आसान होगा। सरकार इतने लंबे समय तक विजय माल्या को नहीं पकड़ पाई, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मेहुल को इतनी आसानी से भारत वापस लाया जा सकता है। इसमें बहुत सारी कानूनी जटिलताएं हैं। इस बीच मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी के साथ ही उसकी कानूनी टीम की चालबाजियां भी शुरू हो गई हैं। उसके भारत प्रत्यर्पण को चुनौती देने में जुट गई है। भगोड़े कारोबारी के वकील विजय अग्रवाल ने कहा कि चोकसी के प्रत्यर्पण को दो मुख्य आधारों पर चुनौती दी जाएगी। पहला, यह राजनीतिक मामला

है और दूसरा, उसका स्वास्थ्य और भारतीय जेलों की मानवीय स्थिति अच्छी नहीं होना। वकील ने कहा कि उसे भारत भेजने से उसके मानवाधिकारों पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। वकील ने कहा कि मेहुल फिलहाल जेल में है। बेल्जियम में प्रक्रिया जमानत के लिए आवेदन करने की नहीं, बल्कि अपील दायर करने की है। उस अपील में अनुरोध किया जाता है कि उसे हिरासत में न रखा जाए और उसे हिरासत में न रहते हुए खुद का बचाव करने तथा प्रत्यर्पण अनुरोध का विरोध करने की अनुमति दी जाए। अपील का आधार यह होगा कि मेहुल बहुत बीमार है और कैंसर का इलाज करा रहा है। साथ ही वह भारतीय एजेंसियों के एंटीगुआ से अगवाकर डोमिनिका ले जाने के दुष्परिणामों को झेल रहे हैं। उस समय की यातना के कारण वह क्लॉस्ट्रोफोबिक यानी बंद जगहों में डर महसूस कर रहे थे। उसे स्थायी विकृति हो गई है, वह पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर से भी जूझ रहे हैं। वकील ने दावा किया कि भारतीय कानून के तहत मेहुल को कभी भगोड़ा घोषित नहीं किया गया, क्योंकि वह भारतीय जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करता रहा। यह भारतीय एजेंसियों के प्रत्यर्पण आग्रह को कमजोर कर सकता है। उन्होंने कहा कि मेहुल जांच प्रक्रिया में शामिल होने के लिए तैयार हैं, लेकिन मेडिकल स्थिति के चलते यात्रा नहीं कर सकते। इसलिए हमने शुरू में कहा था कि वह जांच में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हो सकता है। हमने वर्चुअल माध्यम से सहयोग की पेशकश करते हुए कई आवेदन पेश किए हैं।

अब वक्त आ गया है, जम्मू-कश्मीर को जल्द मिलेगा राज्य का दर्जा: सीएम उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 15 अप्रैल। मंगलवार को पुलवामा जिले में एक पुल का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा मिलेगा। कहा कि अब समय आ गया है।

विधानसभा चुनावों को छह महीने हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यहां आए थे और मैंने उनसे एक अच्छी बैठक भी की थी। मैं अभी भी जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस मिलने की उम्मीद करता हूं। वक्फ संशोधन विधेयक पर विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया उमर अब्दुल्ला ने कहा कि संसद में पारित बिल विधानसभा में चर्चा के लिए नहीं था। अंतिम दिन, विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि विपक्ष ने स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जो सिर्फ राज्य सरकार के मामलों पर लागू होता है क्योंकि सरकार को जवाब देना होगा। लेकिन राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं थी, क्योंकि यह बिल केंद्र द्वारा संसद में पारित हुआ था। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष अलग नियमों में प्रस्ताव दे सकता था। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है, जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस सहित कई दलों ने अपनी बात रखी है। अब देखना है कि अदालत क्या कहती है। पुल के उद्घाटन पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पुल बनने में 11 साल लग गए, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। 2014 की बाढ़ में यह पुल बह गया था। 2014 की बाढ़ ने इस पुल को बर्बाद कर दिया, जिसे बनाने में 11 वर्ष लगे। यह पुल चार-ए-शरीफ को दक्षिण कश्मीर से जोड़ता है।

भारत का शाही हीरा 14 मई को जिनेवा में होगा नीलाम

एजेंसी
जिनेवा। भारत की कभी शान रहा शाही हीरा गोलकोंडा ब्लू पहली बार जिनेवा में नीलाम होने जा रहा है। इसकी नीलामी 14 मई को जिनेवा में क्रिस्टीज कंपनी करेगी। इसकी कीमत करीब 36 से 48 मिलियन डालर (300 से 400 करोड़ रुपये) के करीब आंकी जा रही है। क्रिस्टीज कंपनी के प्रवक्ता के मुताबिक यह 23.24 कैरेट का चमकदार नीला नायाब हीरा है। इसे पेरिस के एक डिजाइनर ने अंगूठी में जड़ा है। नीलामी को लेकर जिनेवा में तैयारी की जा रही हैं। यह हीरा पूर्व में भारत के इंदौर और बड़ौता महाराजाओं के पास था। लेकिन कालांतर में किसी तरह जिनेवा जा पहुंचा।

बलूच विद्रोहियों ने ईरान में आठ पाक नागरिकों को गोलियों से भूना

तेहरान। बलूच विद्रोही अब विदेश में भी पाकिस्तान के नागिरकों को मारने से बाज नहीं आ रहे हैं। बलूच विद्रोहियों ने ईरान के सिस्तान प्रांत में पाकिस्तान के आठ नागरिकों की हत्या कर दी। वह सभी ईरान के एक कार वर्कशाप में बतौर मैकेनिक काम करते थे। इस हमले की जिम्मेदारी बलोच नेशनलिस्ट आर्मी नामक संगठन ने ली है। यह संगठन बलूचिस्तान को पाकिस्तान से आजाद कराने की मांग कर रहा है। उधर पाकिस्तान और ईरान ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। ईरान में पाकिस्तान के राजदूत मुदस्सिर टीपू के मुताबिक बीते दिन हुई इस घटना की संयुक्त जांच के लिए दोनों देशों के बीच समन्वय किया जा रहा है। उधर पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोगदाम ने कहा है कि आतंकवाद पूरे क्षेत्र के लिए साझा खतरा है। इससे निपटने के लिए संयुक्त प्रयास जरूरी हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय मुताबिक घटनास्थल पाकिस्तान की सीमा से करीब 230 किलो मीटर दूर है। मारे गए सभी आठों लोग पंजाब के बहावलपुर शहर के निवासी थे। मृतकों की पहचान दिलशाद, उनके बेटे मोहम्मद नईम, जफर, दानिश, नासिर के रूप में हुई है। तीन अन्य के नामों का पता किया जा रहा है।

यूरोपीय संघ को अमेरिका से जासूसी का खतरा, रखेंगे बर्नर फोन

बेल्जियम। यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच संबंधों में दरार की आशंका पैदा हो गई है। इसलिए यूरोपीय संघ के वरिष्ठ अधिकारी जब अमेरिका का दौरा करेंगे तो वह सुरक्षा के लिहाज से बर्नर फोन और साधारण लैपटाप का ही इस्तेमाल करेंगे। यह कदम अमेरिका द्वारा संभावित जासूसी की आशंका को देखते हुए उठाया गया है। अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच खासे अच्छे संबंध रहे हैं। लेकिन जब से डोनाल्ड ट्रम्प दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, तब से कुछ अविश्वास की दरार देखी जा रही है। इसके पीछे अहम वजह ट्रम्प द्वारा नाटो सहयोगियों की आलोचना करना, रूस के प्रति नरम रूख अपनाना और व्यापारिक टैरिफ माने जा रहे हैं। इसके अलावा हाल में ही सिंग्नल मैसेजिंग प्लेट फार्म पर ट्रम्प प्रशासन के उच्च अधिकारियों की बातचीत लीक होने से अविश्वास और गहरा होता दिखाई दे रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यूरोपीय कमीशन ने अपने अधिकारियों को सलाह दी है कि वह अमेरिका जाते समय अपने नियमित मोबाइल फोन और डिवाइस की जगह डिस्पोजेबिल बर्नर फोन व बेसिक लैपटाप का ही प्रयोग करें। डर है कि अमेरिकी प्रशासन उनकी संवेदनशील जानकारी तक पहुंच सकता है। यूरोपीय अधिकारी जब भी बैठकों में शामिल होंगे तो इन फोनों का ही प्रयोग करेंगे। जिससे उनकी जानकारी सुरक्षित रह सके। गौरतलब है कि पहले यह सावधानी चीन और यूक्रेन जैसे देशों की यात्रा के दौरान ही अपनाई जाती थी। दरअसल बर्नर फोन सस्ते और अस्थाई होते हैं। आमतौर पर उनका इस्तेमाल गोपनीयता बनाए रखने के लिए किया जाता है। यह फोन आसानी से बदले या फिर नष्ट किए जा सकते हैं, जिससे डेटा चोरी होने का खतरा काफी कम होता है।

दक्षिण पूर्व एशिया दौरे पर बोले शी जिनपिंग- टैरिफ वॉर में कोई विजेता नहीं

हनोई (वियतनाम)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दक्षिण पूर्व एशिया के दौरे की शुरुआत करते हुए कहा कि टैरिफ युद्ध में कोई विजेता नहीं होता और चीन वैश्विक स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 145 प्रतिशत तक के टैरिफ लगाए हुए हैं। हालांकि कुछ टैरिफ अस्थायी रूप से रोके गए हैं। वियतनाम और चीन की सरकारी मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट में शी जिनपिंग के हवाले से लिखा, हमारे दोनों देशों को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली, स्थिर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और खुले तथा सहयोगी अंतरराष्ट्रीय माहौल की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। शी जिनपिंग का यह दौरा चीन को दक्षिण पूर्व एशिया में एक जिम्मेदार महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है, खासकर अमेरिका की टैरिफ नीतियों की पृष्ठभूमि में। सिंगापुर स्थित आईएसईएएस- यूसुफ इशाक इंस्टीट्यूट के रिसर्चर गुयेन खाक जियांग के अनुसार, यह दौरा चीन की वैश्विक छवि को अमेरिका से अलग दर्शाता है। शी ने कहा, वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में चीन और वियतनाम की शांतिपूर्ण विकास की प्रतिबद्धता दुनिया के लिए स्थिरता और भरोसे का संदेश है। यह दौरा चीन के लिए अपने व्यापारिक साझेदारों को मजबूत करने और अमेरिका के बढ़ते टैरिफ के बीच विकल्प तलाशने का भी अवसर है।

प्रचण्ड का दावा- जल्द टूटेगा गठबंधन, ओली ने कहा, ये प्रचंड का दिवास्वप्न

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल के नए साल पर शुभकामना देते हुए माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने दावा किया कि नए साल में देश को नई सरकार और नया गठबंधन देखने को मिलेगा। तत्काल इसका जवाब देते हुए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि सरकार बदलने की बात दिवास्वप्न से अधिक कुछ नहीं है। नेपाल के प्रमुख प्रतिपक्षी दल माओवादी के अध्यक्ष प्रचण्ड ने नेपाली नव वर्ष पर देशवासियों को शुभकामना संदेश देते हुए नए साल में देश की जनता को नई सरकार और नए गठबंधन की सौगात मिलने की बात कही है। जारी अपने वीडियो संदेश में प्रचण्ड ने सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा को ओली सरकार का साथ छोड़ कर खुद के नेतृत्व में सरकार बनाने का ऑफर दिया है। प्रचण्ड ने देउवा को कहा है कि देश को निराशा

के गर्त से बाहर लाने के लिए यह आवश्यक है कि नेपाली कांग्रेस नई सरकार का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा कि माओवादी पार्टी देउवा को प्रधानमंत्री बनाने के लिए बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा करता है। यदि कांग्रेस पार्टी चाहेगी तो वो सरकार में शामिल हो सकते हैं, लेकिन अगर वो नहीं चाहे तो बाहर से भी उस सरकार को समर्थन करने को तैयार हैं। प्रचण्ड ने विश्वास व्यक्त किया कि देश की जनता को नए साल पर जल्द ही नई सरकार देखने को मिलेगी। माओवादी अध्यक्ष के इस खुल्लम खुल्ला ऑफर पर नेपाली कांग्रेस के तरफ से तो कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सत्ता का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पलटवार किया है।

मंगलवार को राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए ओली ने कहा कि प्रचण्ड सरकार बदलने का दिवास्वप्न देख रहे हैं। जब से सत्ता से बेदखल हुए हैं तब से प्रचंड के अंदर दोबारा सत्ता में आने की छटपटी दिखाई दे रही है।ओली ने दावा किया कि विपक्षी नेता चाहे जितनी कोशिश कर लें, लेकिन न तो सरकार बदलने वाली है और न ही गठबंधन बदलने वाला है। उन्होंने कहा कि सरकार बदलने का प्रचण्ड की बात सपना ही रह जाएगा।

सूडान में विद्रोहियों का शरणार्थी कैंप पर हमला, 400 से अधिक लोगों की मौतः संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी
दानाई नेस्टा कुपेम्बा। सूडान में चल रहे संघर्ष के बीच एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र ने 'भरोसेमंद सूत्रों' के हवाले से जानकारी दी है कि देश के एक शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में 400 से ज़्यादा लोगों की जान चली गई है। यूएन के अनुसार, यह हमला सूडान में सक्रिय विद्रोही गुट रैपिड सपोर्ट फ़ोर्स (ऋस्न्न) ने किया है। पिछले सप्ताह भी इस गुट ने अल-फ़शर शहर के आसपास बसे शरणार्थी शिविरों पर ज़मीनी और हवाई हमले किए थे। सूडान में अप्रैल 2023 से RSF और सरकारी सेना के बीच सत्ता को लेकर संघर्ष जारी है। खासकर दारफुर क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच नियंत्रण को लेकर हिंसक झड़पें हो रही हैं। इस संघर्ष के चलते लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि बीच कम से कम 148 लोगों की मौत हुई है,

हालांकि यह भी कहा गया है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। यूएन और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हालात पर नज़र बनाए हुए हैं और वहां फंसे नागरिकों की मदद के लिए अपील कर रही हैं।

भारतीय पर्यटकों को नेपाल में प्रवेश पर नहीं हो कोई दिक्कतः बद्री प्रसाद पांडे

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल के पर्यटन मंत्री बद्री प्रसाद पांडे ने कहा कि भारतीय पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। सीमा पर स्थित प्रवेश द्वारों पर भारतीय पर्यटकों को कोई दिक्कत नहीं हो, इसके लिए एकीकृत प्रणाली के मुताबिक सुरक्षा जांच करने, गाड़ियों का शुल्क लेने और अन्य सभी जरूरी प्रक्रिया पूरा करने का कहा गया है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि तीन स्तर की सुरक्षा जांच की व्यवस्था को खत्म करते हुए एक ही बार में सुरक्षा, गाड़ी के पास की व्यवस्था और टैक्स लेने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश नेपाल के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा और कस्टम ऑफिस को भेज दिए गए हैं। नेपाल सरकार की तरफ से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी भारतीय पर्यटक के नेपाल आगमन पर उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, इसका विशेष

रूप से ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही सभी प्रदेश सरकारों और स्थानीय निकाय को भी यह निर्देश दिया गया है कि वह भारतीय पर्यटकों से स्थान स्थान पर लिए जाने वाले टैक्स की वसूली को बंद करें। नेपाल के गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय तथा पर्यटन मंत्रालय ने नेपाली नव वर्ष के अवसर पर संयुक्त रूप से एक दिशा निर्देश जारी करते हुए सभी सीमावर्ती क्षेत्रों को साफ निर्देश दिए हैं। कहा है कि सड़क मार्ग से नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय पर्यटकों को बिना किसी परेशानी के नेपाल में आने की सुविधा प्रदान की जाए। गौरतलब है कि नेपाल के कुल पर्यटकों में 60त्न से अधिक भारतीय पर्यटकों की संख्या होती है। नेपाल आने वाले कुल भारतीय पर्यटकों में से करीब 80त्न पर्यटक सड़क मार्ग से नेपाल घूमने आते हैं। इस समय भारतीय पर्यटकों के नेपाल आगमन पर तीन स्तर की सुरक्षा जांच तथा तीन स्तर का ही टैक्स लिया जाता है, जिससे भारतीय पर्यटकों को परेशानी तो होती ही है साथ ही उनकी संख्या में भी कमी आने लगी है।

डीअरीसी की राजधानी में भारी बारिश से 70 से अधिक लोगों की मौत

एजेंसी
किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के कई हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा दी है। देश की राजधानी किंशासा सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है, यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। ताजा जानकारी के अनुसार, किंशासा के 11 स्वास्थ्य क्षेत्रों में नुकसान हुआ है। वहां 5,000 से ज़्यादा लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। अब तक कम से कम 72 लोगों की जान जा चुकी है और 170 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह सब तेज बारिश और बाढ़ की वजह से हुआ। देश के पूर्वी हिस्से में स्थित तांगान्यीका और साउथ किवू प्रांतों में भी भारी नुकसान हुआ है। वहां की स्थानीय सरकार जरूरतमंदों की मदद का पूरा आकलन करने में लगी हुई हैं। किंशासा स्टेडियमों में आपातकालीन राहत केंद्र और आश्रय स्थलों की व्यवस्था की गई है। हालांकि, देश के सबसे बड़े खेल स्टेडियम %स्टेड दे मार्त्यर% में पहले ही 4,500 से ज़्यादा लोग पहुंच चुके हैं। इसलिए सरकार अब लोगों को मिल सके। आने वाले दिनों में और भारी बारिश होने की संभावना है, जिससे 1.7 करोड़ की आबादी वाले इस शहर में और ज़्यादा तबाही का डर

दूसरे स्थानों पर भेजने की योजना बना रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि वह स्वास्थ्य और राहत कार्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के लिए पूरी तरह से तैयार है, ताकि जरूरतमंदों को जल्दी और सही तरीके से मदद है। यह शहर पहले से ही तेज और बिना योजना के फैलते शहरीकरण की वजह से मुश्किलों में है। यह ध्यान देना जरूरी है कि डीआरसी में आमतौर पर बारिश का मौसम नवंबर से मई तक चलता है।

युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा सबसे गंभीर मानवीय संकट का कर रहा सामना : संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी
न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी कि गाजा में मानवीय स्थिति युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक की सबसे गंभीर अवस्था में पहुंच गई है। विश्व निकाय के अनुसार, बीते डेढ़ महीने से गाजा पट्टी में कोई भी मानवीय सहायता नहीं पहुंची है, जिससे हालात तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय मामलों की समन्वय इकाई (ओसीएचए) ने अपने बयान में कहा, 18 महीने पहले जब से संघर्ष शुरू हुआ था, तब से लेकर अब तक की यह सबसे गंभीर मानवीय स्थिति है। ओसीएचए के अनुसार, गाजा में खाद्य सामग्री, चिकित्सा आपूर्ति और साफ पानी की भारी किल्लत है। अस्पतालों में दवाइयों की कमी के कारण हजारों घायल मरीजों का इलाज नहीं हो पा रहा है, वहीं भूख

और कुपोषण के कारण बच्चों की स्थिति बेहद चिंताजनक होती जा रही है। ओसीएचए ने यह भी बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले दो महीने की संघर्षविराम अवधि समाप्त होने के बाद इजराइल ने सहायता सामग्री की आपूर्ति पूरी तरह रोक दी थी। इसके कारण राहत एजेंसियों को गाजा में ज़रूरतमंद लोगों तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गंभीर हालात के बीच संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने सभी पक्षों से अपील की है कि मानवीय सहायता को तत्काल बहाल किया जाए और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

संयुक्त राष्ट्र ने यह भी दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के तहत संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में नागरिकों को सहायता पहुंचाना आवश्यक है। गौरतलब है कि गाजा में जारी संघर्ष ने हजारों लोगों की जान ले ली है और लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। मौजूदा हालात में अगर मानवीय सहायता जल्द बहाल नहीं हुई, तो यह संकट और भी गंभीर रूप ले सकता है।

बुशरा बीबी की जेल में बेहतर सुविधाओं की याचिका पर इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने अधिकारियों को जारी किया नोटिस

एजेंसी
इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी द्वारा जेल में बेहतर सुविधाओं की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया। यह जानकारी एआरवाई न्यूज की ओर से मिली। न्यायमूर्ति राजा इनाम अमीन मिन्हास की अध्यक्षता में हुई सुनवाई में बुशरा बीबी की ओर से वकील उस्मान गुल और ज़हीर अब्बास पेश हुए। अदालत ने आंतरिक सचिव, अदियाला जेल के अधीक्षक और इस्लामाबाद के मुख्य आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि 07 अप्रैल को बुशरा बीबी ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर जेल में बेहतर सुविधाएं मांगी थीं। याचिका में तर्क दिया गया कि वह एक पूर्व प्रथम महिला हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के आवास में निवास किया है, और उनकी जीवनशैली को देखते हुए वे कानूनन विशेष सुविधाओं की हकदार हैं। वकीलों ने यह भी कहा कि इमरान खान को भी अदियाला जेल में बेहतर सुविधाएं दी जा रही हैं, इसलिए बुशरा बीबी को भी समान व्यवहार मिलना चाहिए। याचिका में जेल नियम 1978 का हवाला देते हुए अदालत से अनुरोध किया गया कि वह प्रतिवादियों को निर्देश दे कि वे अपनी कानूनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए बुशरा बीबी को उचित सुविधाएं प्रदान करें। इसके साथ ही बुशरा बीबी और इमरान खान ने हाईकोर्ट में एक अन्य याचिका दाखिल कर 190 मिलियन पाउंड स्टर्लिंग के भ्रष्टाचार मामले में दोषसिद्धि को निलंबित करने और अपील पर अंतिम निर्णय तक जमानत देने की मांग की है।

ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध के लिए बाइडन प्रशासन को ठहराया जिम्मेदार, 2020 चुनाव को बताया 'रिग्ड'

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को रिग्ड यानी धांधली वाला करार देते हुए रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए जो बाइडन प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप ने कहा कि अगर 2020 का चुनाव निष्पक्ष होता, तो यह युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा करते हुए ट्रंप ने लिखा, रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध बाइडन का युद्ध है, मेरा नहीं। मेरे कार्यकाल के चार वर्षों के दौरान ऐसा कुछ नहीं हुआ, क्योंकि पुतिन और अन्य सभी नेताओं ने आपके राष्ट्रपति का सम्मान किया। अगर 2020 का चुनाव रिग्ड न होता, तो यह भयानक युद्ध कभी शुरू नहीं होता। ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति

बाइडन दोनों की कड़ी आलोचना की और कहा कि दोनों नेताओं ने इस संघर्ष को रोकने में विफलता दिखाई। उन्होंने कहा, ज़ेलेंस्की और क्रुक्ड बाइडन ने इस त्रासदी को शुरू होने देने में बेहद खराब भूमिका निभाई। इसे रोका जा सकता था, लेकिन अब हमें इसे जल्द से जल्द खत्म करना होगा। इससे पहले, मार्च महीने में भी ट्रंप ने बाइडन की विदेश नीति पर सवाल उठाए थे और कहा था कि उनके कार्यकाल में रूस को कुछ भी हासिल नहीं हुआ, जबकि बाइडन के समय रूस ने पूरे यूक्रेन पर कब्जा करने की कोशिश की। ट्रंप ने कहा, बुश के कार्यकाल में रूस को जॉर्जिया मिला, ओबामा के कार्यकाल में एक बड़ा पनडुब्बी अड्डा और जमीन का टुकड़ा मिला, लेकिन ट्रंप के कार्यकाल में रूस को कुछ नहीं मिला। बाइडन के आते ही उन्होंने पूरा यूक्रेन हड़पने की कोशिश की। हाल ही में यूक्रेन के सुमी शहर पर रूस द्वारा किए गए मिसाइल हमले पर ट्रंप ने इसे भयावह गलती बताया। इस हमले में 34 लोगों की मौत और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। ट्रंप ने कहा, मुझे बताया गया कि यह एक गलती थी, लेकिन यह एक भयानक घटना है। आखिर में ट्रंप ने कहा कि युद्ध को रोकने के लिए अब एक समझौते की जरूरत है क्योंकि बहुत से लोग मारे जा रहे हैं, जिन्हें नहीं मारा जाना चाहिए।

इसराइली सैन्य कार्रवाई से, 'सीरियाई सम्प्रभुता व राजनैतिक प्रक्रिया पर ख़तरा'

एजेंसी
न्यूयॉर्क। राजनैतिक व शान्तिनिर्माण मामलों के लिए यूएन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सचेत किया है कि हाल ही में इसराइली सैन्य कार्रवाई से सीरिया में राजनैतिक बदलाव की प्रक्रिया कमज़ोर हो रही है और दोनों देशों के बीच एक नए सुरक्षा समझौते की उम्मीद धुंधली होती जा रही है. मध्य पूर्व, एशिया व प्रशान्त क्षेत्र के लिए यूएन सहायक महासचिव ख़ालेद ख़िएरी ने सुरक्षा परिषद की एक बैठक में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों को सम्बोधित किया.उन्होंने कहा कि 14 वर्ष बाद सीरिया के पास स्थिरता हासिल करने का एक अवसर है, जिसे समर्थन दिया जाना होगा. क्षेत्रीय शान्ति व सुरक्षा को साकार करने का यही एकमात्र रास्ता है। सहायक महासचिव ख़िएरी ने कहा कि 8 दिसम्बर 2024 को असद शासन के पतन के बाद से अब तक, इसराइली सेना की ओर से सैकड़ों हवाई हमले किए गए हैं, जिनमें पश्चिमोत्तर हिस्से, सीरिया के तटीय इलाक़ों, पूर्वोत्तर सीरिया, दमिश्क, हमा व होम्स को निशाना बनाया गया है.नाजुक हालातइसराइली सैन्य बलों ने सार्वजनिक रूप से पुष्टि की है कि गोलन क्षेत्र में दोनों देशों को अलग करने वाले बफ़र ज़ोन में अनेक ठिकाने भी बनाए गए हैं.यूएन अधिकारी ने बताया कि इसराइली अधिकारियों ने भविष्य में सीरिया में अपनी मौजूदगी बनाए रखने की बात कही है. ज़मीन पर इन तथ्यों को जल्दी से नहीं पलटा जा सकता है. इनसे सीरिया में राजनैतिक बदलाव की नाजुक प्रक्रिया को ख़तरा है. सीरिया के अनुसार, इसराइल ने 3 अप्रैल को दमिश्क, हमा सैन्य हवाई अड्डे, होम्स में सैन्य एयरपोर्ट समेत कई इलाक़ों पर हमले किए. डरा पर हुए हमलों में कम से कम 9 आम नागरिक हताहत हो गए.सीरिया में कार्यवाहक प्रशासन ने इन हमलों की निन्दा की है, उन्हें अन्तरराष्ट्रीय क़ानून व सीरियाई सम्प्रभुता का खुला उल्लंघन बताया है और इसे देश को अस्थिर बनाने की कोशिश क़रार दिया है.सम्प्रभुता का सम्मान ज़रूरीसहायक महासचिव ख़ालेद ख़िएरी ने ध्यान दिलाया कि 14 मार्च को सुरक्षा परिषद ने अपने एक वक्तव्य में सीरिया की सम्प्रभुता, स्वतंत्रता, एकता व क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपना पुरज़ोर समर्थन व्यक्त किया था.साथ ही, सभी देशों से इन सिद्धान्तों का सम्मान करने और किसी भी ऐसे क़दम या हस्तक्षेप से परहेज़ करने का आग्रह किया गया है, जिससे देश में अस्थिरता बढ़ती हो।

ओली की पार्टी पूर्व राजा के विरोध में एक लाख युवाओं को काठमांडू की सड़कों पर उतारेगी

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) ने पूर्व राजा के खिलाफ एक लाख युवाओं को काठमांडू की सड़कों पर उतारने का फैसला लिया है। पार्टी के प्रवक्ता प्रदीप ज्ञवाली ने बताया कि यूएमएल पार्टी की आज पदाधिकारियों की बैठक में निर्णय लिया गया है

नासा ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश के बाद भारतीय मूल की डीईआई प्रमुख नीला राजेंद्र को किया बर्खास्त

एजेंसी
वॉशिंगटन। भारतीय मूल की नीला राजेंद्र, जो नासा में विविधता, समानता और समावेश (डीईआई) के कामों की प्रमुख थीं, को उनके पद से हटा दिया गया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश के तहत उठाया गया है, जिसमें सभी संघीय एजेंसियों में डीईआई कार्यक्रमों को समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। राजेंद्र की बर्खास्तगी ऐसे समय में हुई है जब नासा के भीतर कई प्रयास किए गए थे कि उन्हें किसी नए पद के साथ बनाए रखा जाए। मार्च में नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) ने उन्हें 'टीम उत्कृष्टता और कर्मचारी सफलता का कार्यालय' नामक एक नए विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था। यह कदम व्यापक रूप से इस प्रयास के रूप में देखा गया कि उन्हें ट्रंप के आदेश के प्रभाव से बचाया जा सके। हालांकि, भले ही उनका पद बदला गया हो, लेकिन उनके कार्य

जैसे कि कर्मचारी सहायता कार्यक्रमों का संचालन और 'ब्लैक एक्सीलेंस स्ट्रेटेजिक टीम' जैसे समूहों का प्रबंधन - लगभग वही रहे। ट्रंप प्रशासन द्वारा डीईआई कार्यक्रमों पर सख्ती बढ़ाने के बाद अंततः उन्हें पद से हटा दिया गया। जेपीएल के भीतर पिछले सप्ताह भेजे गए एक आंतरिक ईमेल में राजेंद्र की विदाई की पुष्टि की गई। जेपीएल की निदेशक लॉरी लेशिन द्वारा भेजे गए मेल में कहा गया, ÷नीला राजेंद्र अब जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी में कार्यरत नहीं हैं। उन्होंने संगठन पर जो स्थायी प्रभाव डाला है, उसके लिए हम अत्यंत आभारी हैं और उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

नीला राजेंद्र नासा में अपने वर्षों के कार्यकाल के दौरान विविधता और समावेशन बढ़ाने की कई पहलों में अग्रणी रही हैं। उन्होंने 'अंतरिक्ष कार्यबल 2030 जैसे अभियान का नेतृत्व किया था, जिसका उद्देश्य नासा के कार्यबल में महिलाओं और वंचित समुदायों की भागीदारी बढ़ाना था। उनकी बर्खास्तगी ट्रंप प्रशासन की उस व्यापक नीति का हिस्सा है जिसके तहत संघीय एजेंसियों से सैकड़ों डीईआई से जुड़े पद समाप्त किए जा चुके हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, ये कार्यक्रम सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करते हैं, विभाजन को बढ़ावा देते हैं और भेदभावपूर्ण व्यवहार को जन्म देते हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

फंदा लगाकर युवक ने की खुदकुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार इलाके में रविवार को किशोर नामक एक युवक छत में लगे पंखे से फंदे में लटका मिला। परिजनों ने उसकी पत्नी पर हत्या करवाने का आरोप लगाया है, क्योंकि उनके बीच में काफी दिनों से झगड़े चल रहे थे। इस मामले में परिजनों के संग स्थानीय लोगों ने सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर पोस्टमार्टम के बाद मिले शव को रोड पर रखकर प्रदर्शन किया। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि परिजनों की मांग पर मेडिकल बोर्ड द्वारा शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। किशोर (33) के बड़े भाई प्रदीप ने बताया कि किशोर परिवार के साथ प्रताप नगर में रहता था। परिवार में किशोर व प्रदीप के अलावा उनकी मां बाला हैं। किशोर दिल्ली नगर निगम में काम करता था। प्रदीप ने बताया कि दिसंबर 2021 में किशोर की शादी के कुछ ही समय बाद उसकी पत्नी से उसका घरेलू बातों को लेकर झगड़ा होने लगा था। कई बार वह नाराज होकर मायके भी गई लेकिन फिर मान मनौव्वल के बाद वापस आ जाती थी। इस बार भी वह नाराज होकर चली गई थी। प्रदीप के अनुसार बीती रात वह घर आए तो देखा किशोर फंदे से लटका हुआ है। उन्होंने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी।

वक्फ कानून के खिलाफ बंगाल में हुई हिंसा में बांग्लादेशी उपद्रवियों का हाथ!

कोलकाता, 15 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में नए वक्फ कानून को लेकर भड़की हिंसा के मामले में गृह मंत्रालय को शुरुआती जांच की जानकारी दी गई है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, हिंसा में कुछ बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता के संकेत मिले हैं। हालांकि हिंसा के बाद जंगीपुर, धुलियान, सुती और शमशेरगंज जैसे संवेदनशील इलाकों में बीएसएफ, सीआरपीएफ, राज्य सशस्त्र पुलिस और आरएएफ के जवान तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 48 घंटों में इन इलाकों में कोई नई हिंसा की घटना नहीं हुई है और स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। बता दें कि तनाव की खबरों के बीच बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी रवि गांधी ने भी प्रभावित इलाकों का दौरा किया और राज्य पुलिस के साथ मिलकर इलाके में गश्त बढ़ाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा की। अब तक इस हिंसा के सिलसिले में कुल 210 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हिंसा के बाद स्थिति की जानकारी देते हुए बंगाल पुलिस ने बताया कि अब दुकानें खुल रही हैं और हिंसा की वजह से घर छोड़कर गए लोग वापस लौटने लगे हैं।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक राष्ट्र - एक चुनाव बेहद जरूरी : सुनील बंसल

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय पसमान्दा मुस्लिम मंच के जरिए पसमान्दा मुस्लिम संवाद में एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक राष्ट्र - एक चुनाव बेहद जरूरी है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार एक राष्ट्र, एक चुनाव की वकालत इसलिए करती है कि बार-बार चुनाव होने से देश की गति बाधित होती है। एक राष्ट्र-एक चुनाव प्रणाली भारतीय लोकतंत्र के लिए हितकारी साबित होने के साथ-साथ भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बेहद जरूरी है भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने आगे कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन भारत के लिए स्पीड ब्रेकर हटाने जैसा है। उन्होंने कहा कि यदि यह व्यवस्था लागू होती है, तो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। बंसल ने आंकड़ों का

हवाला देते हुए बताया कि वर्तमान में भारत में एक लोकसभा चुनाव पर करीब 1,35,000 करोड़ रुपये खर्च होते हैं, जबकि पूरे चुनावी चक्र में यह राशि 4-5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ हों, तो खर्च में भारी कटौती की जा सकती है। एक वोट डालने पर सरकार 1400 रुपये खर्च करती है। जब हर साल कोई न कोई चुनाव होता है, तो यह खर्च कई गुना बढ़ जाता है। राजनीतिक पार्टियों के अपने चुनावी खर्चे अलग होते हैं, जिससे संसाधनों पर और भी अधिक दबाव पड़ता है। सुनील बंसल ने कहा कि बार-बार चुनाव होने से मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री लगातार चुनावी अभियानों में व्यस्त रहते हैं, जिससे योजनाएं जमीनी स्तर तक सही ढंग से नहीं पहुंच पातीं। इस बार के लोकसभा चुनाव में 01 करोड़ से अधिक लोगों की ड्यूटी लगी और इसमें 3 महीने का समय गया। यह प्रशासनिक स्तर पर एक बड़ी चुनौती बन गया है। भाजपा नेता ने तर्क दिया कि यदि देश में एक साथ चुनाव होते हैं, तो सरकारें अपने पूरे कार्यकाल में ठोस नीतिगत फैसले ले सकेंगी। बार-बार चुनाव होने से कई बार कठोर निर्णय लेने की स्थिति नहीं बन पाती। इस अवसर पर अखिल भारतीय पसमान्दा मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रणाली से समय और संसाधनों की बचत होगी। यह भारत के विकास के लिए आवश्यक है। बार-बार चुनाव होने से जिन संसाधनों और धन का प्रयोग व्यर्थ होता है, उनकी बचत होगी। उन संसाधनों का प्रयोग भारत को विकसित राष्ट्र बनने के लिए होगा, जिससे विश्व के सामने भारत बहुत जल्द एक विकसित राष्ट्र बनकर उभरेगा, इसलिए चुनाव प्रक्रिया में सुधार की बहुत जरूरत है।

अमित मालवीय ने मुर्शिदाबाद के विस्थापितों की तुलना कश्मीरी पंडितों से की, फिरहाद हकीम के बयान पर जताई चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मंत्री और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम के एक बयान को चिंताजनक बताते हुए भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने उन पर हमला बोला है और पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के विस्थापितों की तुलना कश्मीरी पंडितों से की है, जो अपने ही राज्य और देश में शरणार्थी बन गए थे।

अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हकीम का एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने इसके साथ पोस्ट में लिखा, यह चिंताजनक है कि वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और ममता बनर्जी के भरोसेमंद फिरहाद हकीम मुर्शिदाबाद से हिंदुओं के विस्थापन को न केवल उचित ठहरा रहे हैं, बल्कि उस पर संतोष भी व्यक्त कर रहे हैं। बंगाली हिंदू कश्मीरी पंडितों की तरह अपनी ही मातृभूमि में शरणार्थी बनकर रह गए हैं, जिन्हें धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए कश्मीर से भागकर जम्मू और शेष भारत में शरण लेनी पड़ी थी। इस वीडियो में हकीम विस्थापन के बारे में मीडिया के प्रश्न पर कह रहे हैं, सब ठीक है, ऐसी कोई बात नहीं है। यहां ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है। बंगाल से बंगाल में ही जा रहे हैं। बंगाल सुरक्षित है, इसलिए बंगाल में जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संसद से वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित होने के बाद मुर्शिदाबाद में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए, जो बाद में हिंसक हो गए। बड़ी संख्या में हिंदू वहां से पलायन कर रहे हैं। अमित मालवीय ने अपने पोस्ट में लिखा कि यह विडंबना है कि फिरहाद हकीम जैसे व्यक्ति, जो सांप्रदायिक और भड़काऊ बयानबाजी के इतिहास वाले व्यक्ति हैं, अब कोलकाता के मेयर के प्रतिष्ठित पद पर हैं, जिस पर कभी देशबंधु चित्तरंजन दास (1924 में इस पद पर आसीन होने वाले पहले भारतीय), सुभाष चंद्र बोस और अन्य दिग्गज लोग काबिज रहे हैं।

कांग्रेस ने सामान्य जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने की मांग दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने देश में सामान्य जनगणना के साथ ही जाति जनगणना कराने की मांग दोहराई है। इसके साथ ही राज्यों के आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी की है, ताकि 50 प्रतिशत की सीलिंग हटाकर राज्यों के आरक्षण को सुरक्षित किया जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि आज संविधान निर्माता डॉ आंबेडकर की जयंती है। आज के दिन मैं कांग्रेस की तरफ से पांच बातें कहना चाहता हूं। पहली यह कि देश में जाति जनगणना अत्यंत जरूरी है। अभी केंद्र सरकार 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर अपनी योजनाएं बना रही है। आगामी जनगणना का अभी तक पता नहीं है। खरगे ने मांग की कि सामान्य जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना कराना जरूरी है। उन्होंने तर्क दिया कि इतने वर्षों के बाद ये नहीं मालूम कि आज समाज के अलग-अलग वर्गों की वास्तविक हालत कैसी है।

सामाजिक न्याय के पैमाने पर शिक्षा, नौकरी, मकान और जमीन का मालिकाना हक आदि पर उन्होंने कितनी तरक्की की है। खरगे ने कहा कि दूसरी बात यह है 1976 में इंदिरा गांधी ने एससी-एसटी सब-प्लान लागू किया था ताकि इन समुदायों के साथ समुचित न्याय हो लेकिन 2015 में केंद्र सरकार ने इसे ख़त्म कर दिया। हालांकि कांग्रेसशासित कर्नाटक और तेलंगाना राज्य सरकारों ने सब-प्लान लागू करने का क़ानून बनाया है, इसलिए हम भाजपा सरकार से मांग करते हैं कि एस-एसटी सब-प्लान को केंद्र सरकार फिर से लागू करे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि तीसरी बात यह है कि तमिलनाडु के सिवाय कोई राज्य नहीं है, जहां आरक्षण सुरक्षित है।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने वक्फ संशोधन कानून 2025 के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया

एजेंसी

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें वक्फ (संशोधन) कानून 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। जमाअत के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर, मौलाना शफी मदनी और इनाम-उर-रहमान तथा जमाअत के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा दायर याचिका मोहम्मद सलीम एवं अन्य (याचिकाकर्ता) बनाम भारत संघ (प्रतिवादी) में नए कानून पर गंभीर चिंता जताई गई है।

याचिका में कहा गया है कि यह संशोधन मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं और देश में वक्फ के धार्मिक, चैरिटेबल और समुदाय-उन्मुख चरित्र को खंडित करते हैं। याचिका में वक्फ संशोधन विधेयक को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 25, 26 और 300 (ए) का उल्लंघन बताते हुए इन संशोधनों को असंवैधानिक करार देकर रद्द करने की मांग की गई है। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि वक्फ

इस्लामी आस्था और भारतीय विरासत का एक अभिन्न अंग है जो दान, शिक्षा और सामाजिक कल्याण से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसके धार्मिक व सामुदायिक चरित्र को कमजोर करने का कोई भी प्रयास न केवल असंवैधानिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अन्यायपूर्ण है। जमाअत ने सभी न्यायप्रिय नागरिकों, कानूनी विशेषज्ञों और बहुलवाद और न्याय के लिए प्रतिबद्ध नागरिकों से आह्वान किया है कि वह वक्फ सुरक्षा को मनमाने ढंग से खत्म किए जाने के खिलाफ आवाज उठाएं और इस संवैधानिक चुनौती के साथ एकजुटता से खड़े हों।

भारतीय सेना के 821 जवान संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना के 821 जवानों को संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें लेबनान में शांति और स्थिरता बनाए रखने में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए दिया गया। भारतीय सेना के जवानों की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाते हुए लेबनान में मेडल डे परेड का आयोजन किया गया। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल कि संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत सबसे बड़े सैनिक योगदानकर्ता देशों में से एक है। लेबनान में

भारतीय सेना की उपलब्धियों के लिए आयोजित परेड का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल विकास श्योराण ने किया। उन्होंने सैन्य गरिमा और अनुशासन के साथ इस समारोह का संचालन कर भारतीय सेना के नेतृत्व की उच्च परंपराओं को दर्शाया। इस भव्य आयोजन में कई विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की। इनमें लेबनान में भारत के राजदूत मोहम्मद नूर रहमान शेख, यूएनआईएफआईएल सेक्टर ईस्ट के कमांडर, और अनेक नागरिक तथा सैन्य प्रतिनिधि शामिल थे। साथ ही, आस-पास के गांवों के मेयर, लेबनानी सशस्त्र बल, स्टेट सिक्योरिटी, जनरल सिक्योरिटी, और सेवा की हो। समय के साथ यह परेड वैश्विक शांति रक्षक समुदाय के बीच पेशेवर प्रतिबद्धता और साझे मूल्यों का प्रतीक बन चुकी है। यूएनआईएफआईएल में इसे गर्व और सम्मान के साथ मनाया जाता है, जो सहयोगी देशों और मेजबान राष्ट्र के बीच एकता और तालमेल को दर्शाता है। सेना ने बताया कि आयोजन में स्थानीय नागरिक प्रतिनिधियों की मजबूत उपस्थिति दर्ज की गई। यह भारतीय बटालियन और लेबनानी समुदायों के बीच गहरे सहयोग, आपसी सम्मान और स्थायी संबंधों को दर्शाती है। सेना के मुताबिक, यह वैश्विक शांति और कूटनीति के प्रति भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

NAME CHANGE
I, MANGAL NAVNATH No.15580194N RANK-L/HAV Name SHELKE NAVNATH RAMAN, R/O VILL DONGAON, POST NIMON, TEH-CHANDWAD DIST NASTIK STATE-MAHARASHTRA, PIN-423184,have changed my minor daughter name from NIKITA to NIKITA NAVNATIH SHELKE for all future purposes. Vide affidavit dated 11.04.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MANGAL is Spouse of No. 15580194N Rank-L/HAV Name-SHELKE NAVNATH RAMAN, R/O VILL-DONGAON, POST NIMON, TEH-CHANDWAD, DIST NASHIK STATE-MAHARASHTRA, PIN-423104, have changed my name from MANGAL to MANGAL NAVNATH SHELKE for all future purposes. Vide affidavit dated 11.04.2025 before Public Notary Delhi India.

NAME CHANGE
I, JIJA BAI Mother of No. 15580194N Rank-L/HAV Name-SHELKE NAVNATH RAMAN, R/O VILL-DONGAON, POST NIMON, TEH-CHANDWAD DIST NASHIK STATE -MAHARASHTRA, PIN-423104,have changed my name from JIJA BAI to JHJABAI RAMAN SHELKE for all future purposes. Vide affidavit dated 11.04.2025 Before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Anita Verma W/O Anil Kumar Verma R/O House no - 433, 1st floor Sec-30 Faridabad Haryana 121003 Have changed my name to Anita Kumari Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JC-674956H Rank-SUB Name-BINOD KUMAR Presently residing at VPO-SHANKARPUR, TEH+DIST-MUNGER, BIHAR-811202, have changed my mother's name from MIRA DEVI to NIRMALA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 15/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Anil Kumar Verma S/O Manohar Lal R/O House no - 433, 1st floor Sec-30 Faridabad Haryana 121003 Have changed the name of my minor daughter Harshita Verma to Harrshita Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aryan Suresh Pandey S/O Suresh Pandey R/O Shree pejavar matha, plot no 3 phase 2, vasant kunj south west delhi 110070 have changed my name and shall hereafter be known as Aryan Pandey.

NAME CHANGE
I NIKHL MARWA S/O SHYAM KUMAR R/O R-50 B STREET NO - 7 BIHARI COLONY SHAHDARA DELHI 110032 HAVE CHANGED MY NAME TO NIKHIL MARWA

NAME CHANGE
I PAWAN KUMAR SONI S/O BHAGWATI PRASAD SONI R/O 6-A/12 2ND FLOOR LEFT SIDE PLOT NO 12 BLOCK 6A KAROL BAGH DELHI 110005 HAVE CHANGED MY NAME TO PAWAN SONI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I RAHUL KUMAR, father/ of (Minor)YASHIKA, R/o 6/19 Dakshin puri extension new delhi 110062, have changed the name of my child to Minor's YASHIKA SINGH as per BIRTH CERTIFICATE FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I DEVENDER KUMAR S/O SHREE CHAND R/O BG-7/55 1ST FLOOR PASCHIM VIHAR WEST DELHI 110063 HAVE CHANGED MY NAME TO DEVENDER KUMAR ANEJA

NAME CHANGE
I, Gaurav alias Gaurav Kumar S/O Shiv Kumar R/O 61B, D.D.A.Flat , Mangolpuri, Phase-1,Palam Colony ,South West Delhi, Delhi -110045, have changed my name and shall hereafter be known as Gaurav Kumar

सार्वजनिक सूचना
सार्वजनिक सूचना सभी संबंधित लोगों को सूचित किया जाता है कि मेरी क्लाइंट श्रीमती विनोद बाला गुलाटी पत्नी श्री राजिंदर कुमार गुलाटी , निवासी आर. ज़ैड.-654/8ए, टॉप फ्लोर, गली नंबर 18J, साध नगर, पालम कॉलोनी,नई दिल्ली - 110045 अपने पुत्र श्री राजन गुलाटी को सभी चल और अचल संपत्तियों से अस्वीकार और वंचित कर दिया है क्योंकि उनका पुत्र नियंत्रण से बाहर है और मेरी क्लाइंट उनके व्यवहार के कारण कठिनाइयों का सामना कर रही हैं। मेरी क्लाइंट ने उनके साथ सभी संबंध समाप्त कर दिए हैं। जो कोई भी उसके साथ लेन-देन करेगा, वह अपने जोखिम, लागत और परिणाम पर ऐसा करेगा।
अभिषेक यादव अधिवक्ता
च.नं. 628 वकीलों के चैंबर परिसर,
जिला न्यायालय द्वारका, सेक्टर-10,
नई दिल्ली-110075

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SHAISTA KHATUN W/o MOHD GULZAR RAO , R/o New Nand Vihar, Dehradun Road, Saharanpur-247001, Uttar Pradesh declare that name of my minor son has been wrongly written as MOHD AARISH CHAUHAN in my minor son namely MOHD AARISH RAO aged 13 years in his school records. The actual name of my minor son is MOHD AARISH RAO respectively, which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
THE NAVAL TECHNICAL OFFICERS CGHS LTD.
(Regd. Address: 212, D-Block, Sena Bhawan, New Delhi - 110011)
It is hereby notified that the operational address of The Naval Technical Officers CGHS Ltd. has already changed from "9/1180, Shastri Gali, Multani Mohalla, Gandhi Nagar, Delhi-110031" to "A-63, New Gopal Nagar Extn., Rama Public School Road, Gali No. 4, Nanak Piau, Najafgarh, New Delhi-110043" and is being operated by the Management Committee-Promoter Members of the society. It is also being brought into the notice of public at large that the draw of lots for allotment of flats in the Society could not been conducted as per the prescribed Bidhi process and certain individuals are in unauthorized possession of flats of the society. This notice is issued in public interest.
Ravi Shankar Pandey (Secretary)

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल श्री राकेश कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री करण सिंह और श्रीमती सुनीता पत्नी श्री राकेश दोनों निवासी मकान संख्या 44 गांव और डाकघर गालिबपुर नई दिल्ली 110073 ने अपने बेटे भूप सिंह और उसकी पत्नी मीनाक्षी को अपनी चल और अचल संपत्ति से वंचित कर दिया है और उनसे अपने सभी संबंध तोड़ लिए हैं क्योंकि उसकी पत्नी हमेशा मेरे मुवक्किलों पर धमकियाँ देती रहती है और झूठे आरोप लगाती रहती है। वे मेरे मुवक्किलों और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अवज्ञा और परेशानी करते हैं। मेरे मुवक्किल भविष्य में परिवार में या परिवार से बाहर उनके किसी भी कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
PARAMJEET DABAS Advocate
/NO. D-3408/12
Mob: 9213043109
Chamber No. 308, 3 FLOOR Lawyers Chamber Block Dwarka District Court, Dwarka New Delhi,

MISSING PERSON NOTICE
This is to inform the general public that Mrs. Rambati D/o Sampat Singh and wife of Late Shri. Dhuli Chand, has been missing for the past 42 years and has not been in contact with anyone for the past 42 years. She was last seen in or around Taimoor Nagar in the year 1983. Despite all efforts made by the family and concerned authorities, her whereabouts remain unknown to this day. All individuals or authorities who may have any information regarding Smt. Rambati, her current whereabouts, or any belongings that may be linked to her, are requested to contact the undersigned at the earliest.
Mehak Tanwar Advocate
9711859466
Chamber no. 825, Saket Courts, New Delhi-110017

NAME CHANGE
I, Nazia d/o, Mohd Ishaq R/o, 1883,Katra qazi Sirki Walan Houz Qazi Delhi 110006 Today change my NAME as Nazia Rani for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mohammad Mudassir s/o Shafiq Ahmed R/O 3483/19-20 Phatak Darogha Lal KuanDelhi - 110006 i have changed my name to Mohd Mudassir permanently

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SHAISTA KHATUN W/o MOHD GULZAR RAO , R/o New Nand Vihar, Dehradun Road, Saharanpur-247001, Uttar Pradesh declare that name of my minor son has been wrongly written as MOHD AYAN CHAUHAN in my minor son namely MOHD AYAN RAO aged 9 years in his school records. The actual name of my minor son is MOHD AYAN RAO respectively, which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is hereby notified to the public at large that my clients Sh. Subhai S/o Sh. Anoop R/o House No. B-416, Gautam Puri Phase 2, Badarpur, New Delhi 110044 has disowned/ debarred his son Deepak and his daughter-in-law Pooja from his life and properties (both movable and immovable) at Delhi and out side Delhi due to their quarreling nature and using of abusive language with my client and they want to grab my client's funds, assets both movable and immovable. My client or any one from their family will not be responsible for any act, deed and things whatever done by then with anybody.
Nitish Bhardwaj, Advocate
Ch. No. 169, Saket Courts, New Delhi

NAME CHANGE
I, JASMINE KAUR PLAHA W/O HARPREET SINGH PLAHA residing at TOWER-17, FLAT-1303, LOTUS BOULEVARD, OPP STARLING MALL,SEC-100, NOIDA, UTTAR PRADESH-201301 have changed my minor daughter name from ROMA to ROMA PLAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Pooja Rani Kapoor D/O Madan Lal W/O Puneet Nangia R/O C-5, Near Maharishi Public School, Ashok Vihar Phase 2, Gurgaon Haryana 122001 Have changed my name to Pooja Nangia for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SANJAY KUMAR SUMAN S/O SANTLAL MAHTO R/O HOUSE NO C-125 UGF BACK SIDE GALI NO-8 MADHU VIHAR UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059, have changed my name and my minor daughter,s name from SANJAY KUMAR SUMAN to SANJAY KUMAR and from SOMMYA SUMAN to SOMYA SUMAN FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, RISHI SHARMA S/O NAROTAM LAL SHARMA R/O 11831-A, NEAR M.C.D. PRIMARY SCHOOL, PANCHSHEEL GARDEN, NAVEEN SHAHDARA, DELHI - 110032 I have changed my name from RISHI KUMAR SHARMA TO RISHI SHARMA for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
मैं लक्ष्मी देवी पत्नी लक्ष्मी चंद R/O C -2/30, सेक्टर 20 ,रोहिणी NWD, दिल्ली- 86, शपथपूर्वक अपने पुत्र गोविन्दा,व नीरज व उसकी पत्नी अनुराधा के दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल/अचल संपत्ति से बेदखलकर सभी सम्बंध समाप्त कर लिए है इनके द्वारा किए गए लेनदेन की जवाबदेई मेरी या मेरे परिवार की नहीं होगी।

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Ram Niwas S/o Mr. Harish Chand is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 112 Sq. Yards i.e. 93.632 Sq. Mtrs out of Khasra No. 268 situated at Illahbans, Pargana & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, U.P., by virtue of Sale Deed dated 01.03.2021 duly registered as Document No. 849 in Book No. 1, volume NO. 8120 on Pages No. 289-322 on dated 01.03.2021 SRO-Sadar-III Ghaziabad., in the Chain Docuemnts below mentioned documents not avilable i.e. Original Sale Deed dated 24.02.2018 executed by Mr. Satish Khari in favour of Mr. Satish Kumar & Mr. Sanjay Mr. Sandeep duly registered as Document No. 984 in Book No. 1, volume NO. 3667 on Pages No. 315-360 on dated 24.02.2018 SRO-Sadar-III Ghaziabad. Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by AAVAS FINANCIERS LIMITED (Formerly Known as AU Housing Finance Ltd.) Branch-Faridabad Haryana.If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, MEHTAB KHAN S/O MOHAMMAD JAMSHED R/O WZ-599A, FIRST FLOOR, MADIPUR VILLAGE, PASCHIM PURI, PASCHIM VIHAR, DELHI-110063, declare that name of mine has been wrongly written as MEHTAB in my minor daughter USBA aged 15 years in her Birth Certificate and School Records The actual name of mine is MEHTAB KHAN

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Mr. Manish Tanwar** is the GPA Holder of Flat no. A-2 on Upper Ground Floor (LHS), area measuring 75 sq. yards., "Said Flat" built on Plot no. 12, area measuring 150 sq. yards., i.e., 30' x 45', out of Khasra no. 632/2/1 (0-18), 632/2/2 (0-11) & 632/2/3 (3-00) situated in the Revenue Estate of village Chhattarpur, CVRS-57,Chattarpur Valley, Tehsil Saket M B Road, New Delhi-110074. He is in Possession through Notarized GPA, ATS & Will dated 26.12.2024 executed by Mr. Om Prakash in favour of Mr. Manish Tanwar in respect of said flat.
Mr. Manish Tanwar intends to transfer the ownership of above-mentioned flat by way of Sale Deed to **Mr. Mahesh** Kumar. Subsequently, **Mr. Mahesh Kumar** is in the process of mortgaging the said flat with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 15 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 15-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 15-days period by contacting
Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Smt. Maya Devi is the owner of Freehold Residential Built-up Property bearing no. D-7/87, on Plot no. 02, area measuring 450 sq. yds., out of Khasra no. 305/1, Situated in the abadi of Gali no. 07, D-Block, Dayal Pur in the area of Village Mustafabad Delhi. by virtue of General Power of Attorney, Agreement to Sell & Will (Notarized) dated 17.05.1989., now our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and Same Property Gift to be Smt. Savita w/o Sh. Shyam Singh which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Yamuna Vihar Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, AMAN KHAN S/O TASLIM R/O House No-245 Gali No-6 Shyam Colony Sehatpur Amamnagar Faridabad Haryana-121003, hereby undertake that I AMAN KHAN to change my name to SANA KHAN and gender as FEMALE, For All Future Purposes.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अमीर पुत्र मीर अहमद निवासी म. नं. 43, टकिया मस्जिद मार्किट, रजनी गार्डन अपार्टमेंट, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद, गाजीयाबाद, उत्तर प्रदेश** ने case **FIR No. 034937/2017 U/s 379/411/34 IPC, थाना जी.टी.बी. एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है **अमीर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अमीर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 034937/2017 U/s 379/411/34 IPC, थाना जी.टी.बी. एन्क्लेव, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अमीर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **06.06.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री संघमित्रा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–01
कमरा नं. 54, शाहदरा,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4667/SHD/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **साजिद उर्फ फ़िरोज़, पुत्रः सलीम, निवासीः कासिम विहार, लोनी, यूपी** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.89/2017 U/S 25/54/59 A. ACT** के तहत एक मामला **थाना जीटीबी एन्काल्वे, दिल्ली** में दर्ज किया गया है किया है (या किए जाने का संदेह है) और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **साजिद उर्फ फ़िरोज़** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **साजिद उर्फ फ़िरोज़** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.89/2017 U/S 25/54/59 A. ACT, थाना जीटीबी एन्काल्वे, दिल्ली** के आरोपी उक्त **साजिद उर्फ फ़िरोज़** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए दिनांक **15.07.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार सुश्री संगमित्रा
एलडी. एमएम, कमरा नं. 54,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4668/SHD/2025
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) फिरोज पुत्र** इरसाद, **निवासी** अशोक विहार, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.), गली नं0–3, **(2) अब्दुल रहमान पुत्र** अली हुसैन, **निवासी** मकान नं0–59, ब्लॉक–5, अशोक विहार, गली नं0–5, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.), ने **FIR No. 346/2016, (1) U/S 379/356/34 IPC, (2) U/S 356/379/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन जीटीबी एन्कलेव, शाहदरा जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) फिरोज (2) अब्दुल रहमान** मिल नहीं रहे है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) फिरोज (2) अब्दुल रहमान** फरार हो गये है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 346/2016, (1) U/S 379/356/34 IPC, (2) U/S 356/379 /411/34 IPC, पुलिस स्टेशन जीटीबी एन्कलेव, शाहदरा जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **(1) फिरोज (2) अब्दुल रहमान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.07.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री संघमित्रा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–01,
कमरा नं.–54, द्वितीय तल, शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4670/SHD/2025
(Court Matter)

प्रधानमंत्री की नीति, नीयत और नेतृत्व पर जनता का अटूट विश्वास : मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना मानते हैं, अपना समझते हैं और उनसे हक से अपनी बात कहते हैं। प्रधानमंत्री के प्रति जनता में अटूट विश्वास और गहरे जुड़ाव की भावना है। इसीलिए प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री की नीति, नीयत और नेतृत्व पर पूर्ण जनसमर्थन की मुहर लगाकर तीसरी बार ऐतिहासिक जनादेश दिया है। मुख्यमंत्री सैनी यमुनानगर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों से विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के बाद विकसित भारत-विकसित हरियाणा समारोह को संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों की ओर से मां सरस्वती की गोद में बसी पावन नगरी यमुनानगर में आने पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। उन्होंने भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि आज हम सभी हरियाणावासियों के लिए बहुत बड़ा और शुभ दिन है। आज किसानों और मजदूरों के मसीहा दीनबंधु सर चौधरी छोटूराम के नाम पर स्थापित थर्मल पॉवर प्लांट में 800 मेगावाट की अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल यूनिट, यमुनानगर जगाधरी नगर निगम क्षेत्र में गोबर-धन संयंत्र की आधारशिला भी रखी

गई है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने रेवाड़ी बाइपास परियोजना का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री सैनी ने इन परियोजनाओं के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद व्यक्त किया। यह प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि और हरियाणा के प्रति उनके विशेष स्नेह का प्रत्यक्ष प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और प्रेरणा से पिछले 10 सालों में हरियाणा ने विकास के हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आज हरियाणा का ऐसा कोई जिला नहीं है, जहां से कोई नेशनल हाईवे न गुजरता हो। ऐसा कोई शहर, गांव, गली या कस्बा नहीं है, जिसकी कनेक्टिविटी जिला मुख्यालय से न हो। केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने डॉ भीमराव आंबेडकर को उनकी जयंती पर नमन किया। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री ने महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट, हिसार से अयोध्या के लिए पहली फ्लाइट का शुभारंभ किया और एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन का शिलान्यास किया। मनोहर लाल ने कहा कि वे हरियाणा के 2 करोड़ 80 लाख लोगों की ओर से भी प्रधानमंत्री का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि यमुनानगर उनके लिए इसलिए भी खास है क्योंकि अपने सामाजिक जीवन के लगभग 6 वर्ष यमुनानगर में बिताए हैं। हरियाणा की जनता प्रधानमंत्री को इसलिए याद रखती है क्योंकि वर्ष 2014 से अब तक 10 वर्षों में प्रधानमंत्री 24 बार इस प्रदेश का दौरा कर चुके हैं, जिनमें 13 बार वे सरकारी और 11 गैर सरकारी दौरे शामिल हैं। आज उनका 25वां दौरा है। इस समारोह में केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज,कृष्ण लाल पंवार और श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे।

लाठी डंडों से हमला करने वाला एक और गिरफ्तार, बोलेरो कैंपर बरामद

नारनौल। आपसी रंजिश को लेकर लाठी डंडों से चोट मारने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना नांगल चौधरी की पुलिस टीम ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान लोकेश वासी सिरोही बहाली के रूप में हुई। आरोपी हिस्ट्रीशीटर है और वारदात के बाद से फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ में वारदात में प्रयोग की गई गाड़ी बरामद कर जब्त की है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। इस मामले में पुलिस द्वारा दो आरोपियों को पहले गिरफ्तार किया गया था, जिनके पास से डंडे बरामद किए गए थे। शिकायतकर्ता सौरभ वासी मोहनपुर ने थाना नांगल चौधरी में शिकायत दर्ज कराई कि दोपहर के समय वह उसकी मां के साथ बाईक पर खेत में जा रहा था, जब वह उसके खेत में सिरोही बहाली(ढ़ाणी बाया वाली) पहुंचा तो एक बुलेरो कैंपर गाड़ी आई, जिसमें कुछ लडक़े सवार थे। सभी लडक़ों के हाथों में लाठी डण्डे व फरसे थे, जिन्होंने शिकायतकर्ता पर लाठी डंडों से हमला किया। जिससें उसके सिर, हाथ व पैर में चोटें आई और जाते समय जान से मारने की धमकी देकर गए। शिकायतकर्ता ने नामजद व अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

प्रतिभागियों ने फील्ड-आधारित शिक्षण के माध्यम से समृद्ध किया शैक्षणिक अनुभव

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए दस दिवसीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम के छठे दिन प्रतिभागियों ने फील्ड-आधारित शिक्षण के माध्यम से अपने शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध किया। आगामी 17 अप्रैल 2025 तक चलने वाली यह कार्यशाला भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक अनुभवों के साथ जोड़ने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से क्षेत्र से सीखने, लोगों की जीवन वास्तविकताओं को सुनने और शोध के माध्यम से समाज की चुनौतियों का समाधान करने का प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यशाला के कोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया और सह-निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने राजस्थान के पिलानी क्षेत्र का फील्ड दौरा किया। इस यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों, सामुदायिक कार्यकर्ताओं, और बीआईटीएस पिलानी तथा बिरला रूरल टेक्नोलॉजी सेंटर जैसे संस्थानों के संकाय सदस्यों से संवाद किया। प्रतिभागियों ने राजस्थान की पारंपरिक सामाजिक-सांस्कृतिक संरचनाओं और स्थानीय विकास पर शैक्षिक पहलों के प्रभाव का भी अध्ययन किया।

एयरगन दिखाकर लूटपाट करने वाले 2 युवक गिरफ्तार

गुरुग्राम। ऑटो रिक्शा में बैठाने के बाद एयर-गन दिखाकर लूट करने के मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को काबू किया है, जिनके कब्जे से ऑटो रिक्शा, एयर-गन व छीना हुआ मोबाईल फोन बरामद किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 11 अप्रैल को एक व्यक्ति ने थाना सिविल लाईन्स में एक लिखित शिकायत के माध्यम से बताया कि 9 अप्रैल की रात्रि को वह तथा उसका दोस्त ऑटो रिक्शा में सुभाष चौक से कटारिया चौक की तरफ आ रहे थे। सिग्नेचर टॉवर के नजदीक ऑटो वाले ने ऑटो साईड में लगा लिया। ऑटो में दो व्यक्ति बैठे थे उन्होंने पिस्तौल का डर दिखाकर उससे इसका मोबाईल फोन व 300 रुपए लूट लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों आमिर व मुस्तफा को सैक्टर 31 स्थित ज्वाला पेट्रोल पंप के निकट से काबू कर लिया।

बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। बाईक चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5 बाईक्स बरामद की हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 7 अप्रैल को एक व्यक्ति ने थाना बादशाहपुर पुलिस को शिकायत दी कि किसी व्यक्ति ने सुपरकूल इलेक्ट्रॉनिक्स बादशाहपुर उसकी बाईक चोरी कर ली है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी शाहिद को नूंह से काबू कर लिया।

लिव इन पार्टनर की हत्या करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम।लिव इन पार्टनर की हत्या करने के मामले में पुलिस ने कार्यवाही कर एक युवक को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 11 मार्च को थाना मानेसर में एक सूचना गांव नाहरपुर में एक महिला का शव मिलने के संबंध में प्राप्त हुई। सूचना पाकर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची जहां पर एक महिला का शव गांव नाहरपुर के एक खेत में कंबल में लिपटा हुआ मिला। पुलिस टीम द्वारा सीन-ऑफ-क्राइम, फिंगरप्रिंट टीमों से घटनास्थल व शव का निरीक्षण कवाकर शव को पोस्टमार्टम व पहचान के लिए मॉर्चरी में रखवाया गया। 31 मार्च को मृतका के पिता ने मृतका की पहचान रीता के रूप में कराई तथा पुलिस टीम को एक लिखित शिकायत के माध्यम से बताया कि उसकी बेटी रीता की शादी 11 साल पहले हुई थी। करीब 5 साल पहले उसकी बेटी तथा उसका पति गांव नाहरपुर में आकर किराए पर रहने लगे ।

डीसी ने किया मंडियों का दौरा

● उठाई कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश ● अब तक जिला में 37639 मीट्रिक टन सरसों खरीद

एजेंसी

नारनौल। रबी सीजन की फसल की चल रही सरकारी खरीद को लेकर उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने आज जिला की विभिन्न मंडियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने डीएम वेयरहाउस तथा डीएम हैफेड को उठाने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने किसानों तथा आढ़तियों के साथ भी बातचीत की। डीसी ने बताया कि सभी मंडियों में सरकार के निर्देश अनुसार गोदाम में सरसों पहुंचने के बाद 72 घंटे के अंदर-अंदर किसानों के खाते में उसकी फसल की रकम भेजी जा रही है। उन्होंने बताया कि जिला की सभी मंडियों में पेयजल, शौचालय तथा बिजली आदि की उचित व्यवस्था है। किसानों को गेट

पास में भी किसी प्रकार की परेशानी नहीं आ रही है। हर जगह पर्याप्त स्टाफ लगाया गया है। जिला की सभी मंडियों में पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि जिला में अब तक लगभग 37639 मीट्रिक टन सरसों खरीद हुई है। इसमें से 24084 मीट्रिक टन यानी 64 प्रतिशत उठान कार्य हो चुका है। अब तक अटेली में 7769, नांगल चौधरी में 4877, महेंद्रगढ़ में 2121, कनीना में 12195, सतनाली में 6225 तथा नारनौल में 4451 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हो चुकी है। इस मौके पर एसएसओ अरुण कुमार सैनी, डीएम वेयरहाउस रेखा मलिक, डीएम हैफेड प्रवीण भारद्वाज, नारनौल अनाज मंडी की सचिव नुकूल यादव, अटेली अनाज मंडी की सचिव सुनीता, कनीना अनाज मंडी के सचिव विजय सिंह, महेंद्रगढ़ अनाज मंडी के सचिव जितेंद्र कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

खेतों में संदिग्ध परिस्थितियों में 10 एकड़ गेहूं की फसल राख

एजेंसी

जींद। नगूरां गांव के खेतों में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से लगभग 10 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। आग लगने की सूचना तुरंत ग्रामीणों ने पुलिस व फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने फायर बिग्रेड गाड़ी के पहुंचने से पहले ही किसानों की मदद से ट्रैक्टर की सहायता से आग के चारों तरफ जुताई कर लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। ग्रामीणों द्वारा जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक नगूरां निवासी किसान कुलदीप की पांच एकड़, नरेश की दो एकड़, बिंद्र की दो एकड़ तथा सुरेंद्र की एक एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जल कर राख हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि गनीमत रही कि आग लगने के समय हवा तेज न चलने के कारण बड़ा नुकसान होने से बच गया।

बहादुरगढ़ की चार फुटवियर फैक्ट्रियों में आग, करोड़ों का नुकसान

एजेंसी

झज्जर। बहादुरगढ़ के एचएसआईआईडीसी सेक्टर 17 स्थित फुटवियर फैक्ट्रियों में आग लगने से करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया। इस विकराल घटना में आग ने चार फैक्ट्रियों के पांच परिसरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग पर काबू पाने के लिए बहादुरगढ़ की 6 दमकल गाड़ियों के अलावा झज्जर और रोहतक से भी चार गाड़ियों के साथ फायर ब्रिगेड बुलाई गई। अढ़ाई घंटे बाद बाद तक भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। फुटवियर पार्क बहादुरगढ़ की तकरीबन सभी फैक्ट्रियों में उत्पादन कार्य बंद था। कुछ फैक्ट्रियों के केवल ऑफिस खुले हुए थे। दोपहर बाद करीब पौने पांच बजे प्लॉट नंबर 158 स्थित फैक्ट्री जेडीए फुटवियर में आग लग गई।फैक्ट्री से निकलते धुंए पर चौकीदार की नजर पड़ी तो उसने तुरंत भाग कर ऑफिस स्टाफ को बताया और फायर ब्रिगेड को फोन कर आग बुझाने के लिए मदद मांगी। कुछ ही देर में दमकल केंद्र बहादुरगढ़ से दमकल गाड़ियां पहुंचनी शुरू हो गई और आग बुझाने की कोशिश है आरंभ की गई। आग की चपेट में आने से बचे हुए कच्चे और तैयार माल को बचाव कार्य में लगे लोगों ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। लेकिन फैक्ट्री नंबर 158 और साथ लगती सभी फैक्ट्रियों में पीवीसी, रबर और विभिन्न प्रकार के अतिशीघ्र ज्वलनशील केमिकल मौजूद होने के कारण आग विकराल रूप लेती गई। आसपास की चार फैक्ट्रियों को चपेट में ले लिया।झज्जर और रोहतक से भी चार दमकल गाड़ियां बुलाई गई। सूचना मिलने पर सहायक पुलिस आयुक्त दिनेश और आसौदा थाना प्रभारी विनोद भी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पहुंच गए और कानून व्यवस्था संभाल ली।फुटवियर पार्क संगठन और बहादुरगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ उप प्रधान नरेंद्र छिकारा भी मौके पर पहुंचे।

बिना नम्बर प्लेट वाले वाहन चालकों पर गुरुग्राम पुलिस ने कसा शिकंजा

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा के कुशल निर्देशन में कार्य करते हुए पुलिस उपायुक्त यातायात विरेंद्र विज की देखरेख में यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा बिना बिना नम्बर प्लेट वाले वाहन चालकों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करते हुए एक मार्च से 31 मार्च तक बिना नम्बर प्लेट के 3123 चालान जिनकी कुल जुर्माना राशि 21 लाख 73 हजार 500 रुपए है। गुरुग्राम पुलिस द्वारा यातायात का संचालन सुगम, व्यवस्थित व सुरक्षित करने के उद्देश्य से यातायात के नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ उपरोक्त कार्यवाही की गई। सभी वाहन चालक अपने वाहनों

पर एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाना सुनिश्चित करें, बगैर एचएसआरपी नंबर प्लेट के वाहन ना चलाए। यदि सभी वाहन चालक एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाकर वाहन चलाए तो पुलिस को शरारती/अपराधी तत्व को पकड़ने में सहायता होगी तथा अपराधिक, असामाजिक तत्वों को इसका फायदा नही मिल जाएगा। एचएसआरपी नम्बर प्लेट का प्रयोग करने से सुरक्षा सुनिश्चित होगी और अपराधी/शरारती तत्वों पर आसानी से नकेल कसी जा सकेगी। गुरुग्राम पुलिस आप सभी वाहन चालकों से अपील करती है कि अपने वाहनों पर एचएसआरपी नंबर प्लेट जरूर लगाए। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा इस प्रकार के चालान अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा की जनता से गहरा लगाव: प्रो.रामबिलास शर्मा

एजेंसी

हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा की जनता से गहरा लगाव है यही कारण है कि अपने हरियाणा दौरे के दौरान उन्होंने हरियाणा में 10 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया है। उक्त बातें हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा ने हिसार कार्यक्रम से पहुंचकर महेंद्रगढ़ में जारी एक बयान में कहीं। श्री शर्मा ने कहा कि उन्हें हिसार में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एयरपोर्ट पर स्वागत करने का अवसर मिला। श्री शर्मा ने कहा कि आज 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' समारोह यमुनानगर में विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कर-कमलों से दीनबंधु छोटू राम थर्मल पावर प्लांट में 800 मेगावाट की नई इकाई और कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट (छ्ब्क्ब्) का शिलान्यास तथा रेवाड़ी में 4 लेन बाईपास का शुभारंभ हुआ है। हरियाणा के परिवारजनों की ओर से मोदी जी का बहुत-बहुत धन्यवाद, आभार और सभी हरियाणवियों को बधाई। बाबा साहेब डॉ. भीमराव

अंबेडकर जी से प्रेरणा लेकर प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में हम विकसित भारत-विकसित हरियाणा के संकल्प पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पूर्व शिक्षा मंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आज महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट का उद्घाटन कर हरियाणा को उड़ान की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। हिसार से अयोध्या की सीधी फ्लाइट न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह विकास और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत संगम भी है।

कैथल जिला प्रशासन ने जारी की वैध नशा मुक्ति केंद्रों की सूची

एजेंसी

कैथल। जिला उपायुक्त प्रीति ने बताया है कि जिले में 11 वैध नशा मुक्ति संचालित किए जा रहे हैं। इनमें दो सरकारी व नौ प्राइवेट केंद्र शामिल हैं। इनके अलावा अगर कोई अन्य नशा मुक्ति संचालित किया जा रहा है, तो वह अवैध माना जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा ऐसे केंद्रों पर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी, ताकि लोगों को सुरक्षित एवं प्रभावी ईलाज मिल सके। आमजन भी अवैध रूप से चल रहे नशा मुक्ति केंद्रों की सूचना डा. नवराज सिंह (9992473022) तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी (7027539020) को दे सकते हैं।

जिला प्रशासन द्वारा नशीली दवाइओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूक करने के लिए स्कूल, कालेज तथा ग्राम पंचायतों में अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वैध नशा मुक्ति केंद्रों की सूची जारी करते हुए बताया कि जिला में सरकारी तौर पर नशा मुक्ति एवं परामर्श केंद्र सामान्य अस्पताल कैथल व गुहला उपमंडल अस्पताल में है। इसके अलावा गैर सरकारी नशा मुक्ति केंद्रों में अग्रवाल मनोरोग एवं नशा मुक्ति केंद्र नजदीकी कारपोरेशन बैंक चीका, गांव अजीमगढ़ में अरदास अस्पताल में,

श्री गुरू नानक चेतना फाउंडेशन ट्रस्ट परामर्श-कम-पुनर्वास केंद्र वार्ड नंबर 15 गुहला, ब्राइट फ्यूचर जन कल्याण ट्रस्ट परामर्श-कम-पुनर्वास केंद्र वार्ड नंबर 12 चीका, नई किरण अस्पताल कैथल, समर्थ नशा मुक्ति केंद्र अजीमगढ़, निर्वाण मनोरोग अस्पताल चीका, मनो आधार नशा मुक्ति केंद्र अजीमगढ़, दीपक नशा मुक्ति केंद्र चीका में शामिल है।

पर्यटन मंत्री ने किया पानीपत स्काईलार्क रिसॉर्ट का औचक निरीक्षण

एजेंसी

पानीपत। प्रदेश के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने सोमवार शाम जीटी रोड स्थित स्काईलार्क टूरिस्ट रिजॉर्ट का औचक निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यमुनानगर में विकसित भारत-विकसित हरियाणा समारोह से लौटते समय विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा जीटी रोड स्थित स्काईलार्क टूरिस्ट रिजॉर्ट पहुंचे तथा व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया।उन्होंने रिसेप्शन पर ही कमरों की ऑनलाइन बुकिंग की स्तिथि व पिछले एक माह का रिकार्ड जांचा। इसके बाद रिजॉर्ट काम्प्लेक्स में विभिन्न सुविधाओं की जानकारी प्रबंधक कर्मबीर सिंह से ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी टूरिस्ट काम्प्लेक्स को बेहतर बनाने के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो आगन्तुकों का विशेष ध्यान रखें। काम्प्लेक्स में सफाई व अन्य किसी भी विषय को लेकर लापरवाही न बरती जाए। इसके उपरांत पत्रकारों से बातचीत में अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी प्रदेश में भी प्रदेश के अंदर एनसीआर क्षेत्र में डिज्नीलैंड के लिए जगह व जंगल सफारी के लिए बजट का प्रावधान करने की भी मुख्यमंत्री समक्ष मांग

में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गम्भीर हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार के पास बजट की कोई कमी नहीं है, इसको लेकर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ बैठक हो चुकी हैं, उन्होंने बजट रखी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान बजट में भी पर्यटन विभाग के 5 टूरिस्ट काम्प्लेक्सों को पीपीपी मोड़ पर संचालित करने की योजना रखी गई है, जिसको लेकर विभाग योजना तैयार कर रहा है।

मजदूर, व्यापारी ,कर्मचारी और आमजन को लूटकर चंद अमीरों को मजबूत करने का काम कर रही है भाजपा : कर्ण सिंह चौटाला

एजेंसी

नूंह। नूह जिले में पार्टी को मजबूत करने के लिए इनेलो के युवा मोर्चा के अध्यक्ष कर्ण सिंह चौटाला नूंह पहुंचे। इतना ही नहीं इस दौरान उनके साथ पार्टी के उपाध्यक्ष प्रकाश भारती भी मौजूद रहे। इस दौरान कर्ण सिंह चौटाला ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए लगातार संगठन के नेताओं के साथ बैठक की जा रही है। इतना ही नहीं बीते दिनों पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय सिंह चौटाला ने गुड़गांव में कार्यकर्ताओं

की बैठक ली थी। उन्होंने कहा कि आने वाली 25 अप्रैल तक जिले और हल्का स्तर की कमेटी बनाई जाएगी और उसको कंप्लीट करने के बाद प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने का काम किया जाएगा। कर्ण सिंह चौटाला ने कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार ने गरीब, मजदूर ,किसान कमेरे को लूटने का काम किया है।

इतना ही नहीं उन्हें हर तरीके से कमजोर कर अमीर और चंद व्यापारियों को मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल के नक्शे कदम पर चलकर इनेलो पार्टी प्रदेश में एक इतिहास रचेगी और उन्होंने कहा कि प्रदेश में आगामी समय में इनेलो की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनेगी। इतना ही नहीं अभी से पूरे प्रदेश में इनेलो कार्यकर्ता पूरे तन मन धन से पार्टी को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी को भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर काम करना पड़ेगा, क्योंकि यह सरकार हर पार्टी और हर व्यक्ति को दबाने का काम कर रही है।

स्विगी का 'स्नैक' ऐप लॉन्च, सिर्फ 10 मिनट में होगी स्वादिष्ट स्नैक्स की डिलीवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के अग्रणी ऑन-डिमांड कंवीनियंस प्लेटफॉर्म स्विगी ने अपने फूड डिलीवरी पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए विशेष स्नैक (एसएनएससी) ऐप को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र नोएडा और गुरुग्राम में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने बताया कि बेंगलुरु में सफल शुरुआत के बाद स्नैक अब तीन प्रमुख शहरी केंद्रों में उपलब्ध हो गया है। इस ऐप के जरिए ग्राहक सिर्फ 10 मिनट में स्नैक्स, ड्रिंक्स और हल्के भोजन की डिलीवरी का लाभ उठा सकते हैं। यह ऐप खास तौर पर शहरी पेशेवर और नई पीढ़ी के तेज-तर्रार उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जिन्हें सीमित समय में स्वाद, सुविधा और गुणवत्ता की तलाश रहती है। स्नैक प्लेटफॉर्म पर उपभोक्ता समोसे, पफ्स, फ्राई, सैंडविच जैसे पारंपरिक भारतीय स्नैक्स के साथ-साथ वियतनामी आइस्ड कॉफी, मोजिटो कोल्ड ब्रू, नींबू पानी, लस्सी और छाछ जैसे देसी और ग्लोबल पेय पदार्थों का ऑर्डर दे सकते हैं। वहीं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए प्रोटीन शेक्स, सलाद, फ्रूट बाउल्स और हेल्दी बार्स जैसे विकल्प भी मौजूद हैं। मीठे के शौकीनों के लिए ब्राउनी, गुलाब जामुन और मूंग दाल हलवा जैसे डेजर्ट की भी एक आकर्षक रेंज दी गई है। स्नैक को इस तरह से तैयार किया गया है ।

अब फ्लिपकार्ट पर होगी सुजुकी मोटरसाइकिलों की बुकिंग

नई दिल्ली। दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने देश में डिजिटल उपस्थिति को और अधिक मजबूत करते हुए प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट के साथ साझेदारी की है, जिससे अब ग्राहक कंपनी के दुपहिया वाहनों की ऑनलाइन बुकिंग कर सकेंगे। कंपनी ने बताया कि यह सेवा फिलहाल कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, मेघालय और मिजोरम में शुरू की गई है और इसे चरणबद्ध तरीके से देशभर में विस्तार किया जाएगा। इस नई पहल के तहत ग्राहक सुजुकी एवेनिस स्कूटर, जिक्सर सीरीज (जैसे जिक्सर, जिक्सर एसएफ, जिक्सर 250, जिक्सर एसएफ 250) और वी-स्ट्रॉम एसएक्स जैसी प्रीमियम मोटरसाइकिलों की बुकिंग ऑनलाइन कर सकेंगे। यह कदम न केवल कंपनी के डिजिटल फुटप्रिंट को मजबूत करता है बल्कि उपभोक्ताओं को आसान, सुविधाजनक और भरोसेमंद बुकिंग अनुभव भी प्रदान करता है। एसएमआईपीएल के (बिक्री और विपणन) उपाध्यक्ष दीपक मुटरेजा ने कहा, डिजिटल खरीददारी की ओर ग्राहकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए हम फ्लिपकार्ट जैसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म के साथ साझेदारी कर उन्हें एक सहज अनुभव देना चाहते हैं। यह सहयोग हमें नए ग्राहकों तक पहुंचने और बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने में मदद करेगा।

उत्तर प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले जो उत्तर प्रदेश कभी अपने कर्मचारियों को वेतन देने की भी स्थिति में नहीं था, आज वह रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है। फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य और उपभोक्ता व श्रम बाजार है। फिक्की को उत्तर प्रदेश के विकास में एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा कि इस संगठन ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और ईकोसिस्टम बनाने में सरकार का साथ दिया है। विशेष रूप से, इन्वेस्टर समिट 2018 और 2023 को सफल बनाने में फिक्की का योगदान सराहनीय रहा है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारत की जनसंख्या के हिसाब से सबसे बड़ा राज्य है, फिर भी यह लंबे समय तक 'बीमारू' राज्य के रूप में जाना जाता था। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के समय उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी, लेकिन धीरे-धीरे यह घटकर एक तिहाई रह गई। हालांकि, पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसे देश और दुनिया ने देखा है। नीति निर्माण में फिक्की जैसे संगठनों का सहयोग इस बदलाव का एक प्रमुख कारण रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू नहीं, बल्कि देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह भारत का ग्रोथ इंजन बन चुका है और देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है।

रिलायंस ज्वेल्स ने अक्षय तृतीया के लिए 'ज्वेल्स ऑफ इंडिया - तिरुपति कलेक्शन' का 10वाँ संस्करण पेश किया

मुंबई। भारत के सबसे भरोसेमंद आभूषण ब्रांडों में से एक, रिलायंस ज्वेल्स, तिरुपति की पवित्र भूमि को नमन करते हुए गर्व से अपने सिग्नेचर 'ज्वेल्स ऑफ इंडिया' कलेक्शन में तिरुपति कलेक्शन का 10वाँ संस्करण प्रस्तुत करता है। अपने पौराणिक मंदिरों, शानदार वास्तुकला और अपने इष्टदेव, भगवान बालाजी की दिव्य आभा से प्रेरित, यह उत्कृष्ट सोने और हीरे के ज्वेलरी कलेक्शन अक्षय तृतीया समारोह को दैवीय अनुकंपा प्रदान करता है। बारीकी के साथ तैयार किए गए ये डिज़ाइन भगवान बालाजी की आध्यात्मिक महिमा, पवित्र तिरुमाला पहाड़ियों और श्रीनिवास कल्याणम् के सुंदर आकर्षण को दर्शाते हैं। चाहे वह राजसी चोकर हो, शानदार लंबे हार, नाजुक ढंग से हस्तनिर्मित चूड़ियाँ, या खूबसूरती से गढ़ी गई बालियाँ, हर आभूषण मंदिर परंपराओं की कलात्मकता को प्रतिबिंबित करती है, जो आधुनिकता के साथ सहजता से मिश्रित होती है।

कैट ने मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए आर्थिक राष्ट्रवाद का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देशभर के व्यापारियों और नागरिकों से आर्थिक राष्ट्रवाद को अपनाने का आह्वान किया है। कारोबारी संगठन ने व्यापारियों से भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देने और उपभोक्ताओं से देशी वस्तुओं तथा स्थानीय उद्योगों को समर्थन देने की अपील की है। इसका मकसद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' एवं 'मेड इन इंडिया' विजन को मजबूती देना है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने एक बयान में कहा कि इस अभियान से राष्ट्र की अर्थव्यवस्था और संप्रभुता को मजबूती मिलेगी। इसके जरिए प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान को देश के कोने-कोने में सुदृढ़ किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक राष्ट्रवाद आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। हर भारतीय को एकजुट होकर भारतीय वस्तुओं और व्यवसायों का समर्थन करना चाहिए। इस मुहिम में 9 करोड़ से ज्यादा

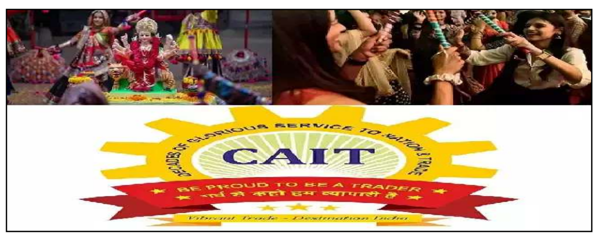

व्यापारी अपना बहुमूल्य योगदान देंगे। खंडेलवाल ने एक मजबूत आर्थिक नींव की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आर्थिक राष्ट्रवाद आज की सबसे बड़ी जरूरत है। हर भारतीय को एकजुट होकर भारतीय वस्तुओं और व्यवसायों का समर्थन करना चाहिए। यह केवल व्यापार का विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय गौरव, आर्थिक मजबूती और रणनीतिक आत्मनिर्भरता से जुड़ा मुद्दा है। इस राह पर सभी को साथ लेकर चलना होगा। सांसद खंडेलवाल ने कहा कि विदेशी फंडिंग वाली ई-कॉमर्स कंपनियां तथा क्विक कॉमर्स प्लेटफार्म ब्रांड्स के साथ मिलकर भारतीय बाजार में विदेशी और नकली उत्पादों की भरमार कर रही हैं, जिससे देश का खुदरा व्यापार ढांचा बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि कैट लंबे समय से घरेलू उद्यमिता के पक्ष में खड़ा रहा है और विदेशी–विशेष रूप से चीनी–उत्पादों पर निर्भरता को कम करने की निरंतर वकालत करता रहा है। वर्षों से संगठन ने देशव्यापी अभियानों का नेतृत्व किया है, जिनमें चीनी वस्तुओं के बहिष्कार का आह्वान प्रमुख रहा है और जिसका असर पूरे देश में देखने को मिला है। वर्तमान टैरिफ युद्ध में चीन अपना सामान भारत में थोपने की कोशिश कर रहा है लेकिन भारत के व्यापारी एवं लघु उद्योग चीन के मंसूबों को सफल नहीं होने देंगे। उन्?होंने कहा कि देशभर में फैले 9 करोड़ से अधिक व्यापारियों के व्यापक नेटवर्क के साथ कैट जन जागरुकता अभियानों, संपर्क कार्यक्रमों और जमीनी स्तर पर लोगों की भागीदारी के जरिए आत्मनिर्भर, टिकाऊ और राष्ट्रीय हितों पर आधारित एक नए आर्थिक ढांचे के निर्माण के लिए अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने खुदरा लोन दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की प्रमुख नीतिगत दर के अनुरूप रेपो रेट से जुड़ी उधारी की दर में 0.25 फीसदी की कटौती की घोषणा की है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने जारी एक बयान में कहा कि बैंक की रेपो से जुड़ी लोन दर (आरएलएलआर) अब 9.05 फीसदी से घटाकर 8.80 फीसदी कर दी गई है। बैंक ने कहा कि इस कटौती से घर, कार, शिक्षा, सोना और अन्य सभी खुदरा ऋण उत्पादों का लाभ उठाने वाले ग्राहकों को लाभ होगा।

बीओएम ने कहा कि लोन की नई ब्याज दरें कर्ज को और ज्यादा किफायती बना देंगी और इससे ग्राहकों के वित्तीय लाभ को बढ़ाएंगी। बैंक ने दावा किया कि बैंक की होम लोन दरें 7.85 फीसदी प्रति वर्ष से शुरू होंगी, जबकि कार लोन की दर 8.20 फीसदी प्रति वर्ष होगी, जो बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है। दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक ने

पिछले हफ्ते बुधवार को लगातार दूसरी बार रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की थी। आरबीआई के इस फैसले के बाद रेपो रेट 6.25 फीसदी से घटकर 6.00 फीसदी हो गया है। आरबीआई के इस फैसले के बाद से अभी तक सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के कई बैंकों ने लोन की ब्याज दरें घटा दी हैं।

भारत में थोक महंगाई दर मार्च में घटकर 2.05 प्रतिशत रही

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर मार्च में कम होकर 2.05 प्रतिशत हो गई है, जो कि फरवरी में 2.38 प्रतिशत पर थी। वाणिज्य और इंडस्ट्री मंत्रालय द्वारा मंगलवार को यह जानकारी दी गई। मंत्रालय के मुताबिक, मार्च में थोक महंगाई दर के सकारात्मक रहने की वजह मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की कीमतों में इजाफा होना है। 2025 की फरवरी की तुलना में मार्च में महंगाई दर में 0.19 प्रतिशत की कमी आई है, जो कि महंगाई में कमी को दिखाता है। सरकारी डेटा के मुताबिक, फरवरी के मुकाबले मार्च में ईंधन और ऊर्ज समूहों की कीमत में कमी आई है, जिससे कारण मार्च में थोक महंगाई में गिरावट देखने को मिली है। बीते हफ्ते आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति का ऐलान करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई दर के अनुमान को 4.2 प्रतिशत से घटाकर

4 प्रतिशत कर दिया था। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि खाद्य महंगाई दर में तेज गिरावट के बाद जनवरी-फरवरी 2025 के दौरान मुख्य महंगाई दर में कमी आई है। रबी फसलों के बारे में अनिश्चितताएं काफी हद तक कम हो गई हैं और दूसरे अग्रिम अनुमान पिछले वर्ष की तुलना में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन और प्रमुख दालों के अधिक उत्पादन की ओर इशारा कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि खरीफ की मजबूत आवक के साथ, इससे खाद्य महंगाई दर में स्थायी नरमी आने की उम्मीद है। आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट महंगाई के आउटलुक के लिए शुभ संकेत है। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए और सामान्य मानसून को मानते हुए।

केंद्र ने गैस मीटरों के लिए बनाए मसौदा नियम, परीक्षण, सत्यापन और मुहर लगाना अनिवार्य

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विधिक माप विज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के तहत गैस मीटरों के लिए मसौदा नियम तैयार किए हैं। इस नियम के तहत व्यापार और वाणिज्य के लिए उपयोग में लाए जाने से पहले गैस मीटरों का परीक्षण, सत्यापन और स्टाम्पिंग अनिवार्य होगा। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि विभाग ने विधिक मापविज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के तहत गैस मीटरों के लिए मसौदा नियम तैयार करके उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने, न्?यायसंगत व्यापार पद्धतियों को बढ़ावा देने और गैस के उपयोग में सटीक माप सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इन नियमों के तहत गैस मीटरों के उपयोग में लाने पर उनकी शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए इन नियमों के अंतर्गत उनका पुनः सत्यापन भी निर्धारित किया गया है, ताकि उपयोग में होने पर उनकी शुद्धता सुनिश्चित की जा सके। मंत्रालय के अनुसार इन नए नियमों का प्राथमिक उद्देश्य गैस के मापन में

सटीकता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है। सत्यापित और मुहर लगे गैस मीटर अधिक शुल्क लेने या कम मापन को रोकेंगे, विवादों में कमी लाएंगे और उपभोक्ताओं को दोषपूर्ण या हेरफेर किए गए उपकरणों से निश्चित तौर पर सुरक्षा प्रदान करेंगे। उपभोक्ताओं को उचित बिलिंग, बेहतर ऊर्जा दक्षता तथा मानकीकृत एवं अनुरूप उपकरणों की बदौलत कम रखरखाव लागत के जरिए सीधा लाभ मिलेगा। उपभोक्ताओं को होने वाले लाभों के अलावा यह नियम विनिर्माताओं और गैस वितरण कंपनियों के लिए सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय पद्धतियों और इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ लीगल मेट्रोलॉजी (ओआईएमएल) मानकों के अनुरूप है।

पीएमएमवाई के तहत 33 लाख करोड़ रुपये के गारंटी मुक्त ऋण स्वीकृत, 68 फीसदी लाभार्थी महिलाएं : पंकज चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली/नागपुर। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 52 करोड़ लोगों को कारोबार शुरू करने के लिए 33 लाख करोड़ रुपये से अधिक के बिना गारंटी वाले लोन दिए गए हैं। इन लाभार्थियों में 68 फीसदी महिलाएं शामिल हैं। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने नागपुर में राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारियों के 77वें बैच को संबोधित करते हुए यह बात कही। पंकज चौधरी ने आर्थिक वद्धि को लेकर देश के दृष्टिकोण पर कहा, ''पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकार ने 52 करोड़ लोगों को 33 लाख करोड़ रुपये से अधिक के बिना गारंटी वाले लोन दिए हैं। यह ऋण 50,000 रुपये से लेकर 20 लाख रुपये तक के हैं।'' आईआरएस के 77वें बैच के दीक्षांत समारोह में

बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में मंत्री ने कहा, ''आज लोग इन लोन की मदद से नए-नए कारोबार की शुरुआत कर रहे हैं। देश की आर्थिक वृद्धि में अपना योगदान दे रहे हैं।'' चौधरी ने कहा कि इन लाभार्थियों में 68 फीसदी महिलाएं हैं, उन्होंने नए व्यवसाय शुरू किए हैं। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने नवप्रशिक्षित अधिकारियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें देश की आर्थिक संरचना को मजबूत करने और करदाताओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इससे पहले उन्?होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी और परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके अलावा चौधरी ने भारतीय संविधान के शिल्पी, 'भारत रत्न' बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर नागपुर स्थित पावन दीक्षाभूमि पहुंचकर नमन किया। वित्त रज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने बाबा साहेब की धरोहरों के संरक्षण और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। इनमें पंच तीर्थों का विकास, संवैधानिक मूल्यों की चेतना और सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम उठाया है, जो इसी संकल्प का प्रमाण हैं।

फॉक्सवैगन ने लॉन्च की एसयूवी नई टिगुआन आर-लाइन

एजेंसी

मुंबई। वाहन निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन इंडिया ने आज अपना प्रमुख स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) नई टिगुआन आर-लाइन को लॉन्च कर दिया। कंपनी ने बताया कि यह एसयूवी जर्मन इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है और इसे एमक्यूबी ईवो प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है, जो उन्नत चेसिस तकनीक और जबरदस्त प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। नई टिगुआन आर-लाइन तीसरी पीढ़ी की टिगुआन है, जिसे भारत में 'बियॉन्ड बेटर' थीम के साथ लॉन्च किया गया है। फॉक्सवैगन इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने लॉन्च के मौके पर कहा, नई टिगुआन आर-लाइन के साथ हम भारत में प्रीमियम स्टाइलिश और प्रौद्योगिकी से लैस एसयूवी श्रेणी में नई शुरुआत कर रहे हैं। यह एसयूवी सिर्फ दिखने में शानदार नहीं बल्कि हर तरह के रास्तों और ड्राइविंग अनुभव के लिए भी पूरी तरह तैयार है।

नई टिगुआन आर-लाइन का डिजाइन बेहद आकर्षक और डायनामिक है। फ्रंट में एलईडी प्लस हेडलाइट, ग्लास कवर हॉरिजेंटल स्ट्रिप और 'आर' इंस्पायर्ड 19-इंच कोवेंट्री अलॉय व्हील्स इसे प्रीमियम लुक देते हैं। रियर में भी नई एलईडी स्ट्रिप और एक्सक्लूसिव डिजाइन है। इंटीरियर की बात करें तो इस एसयूवी में 'आर' बैजिंग वाली स्पोर्ट सीटें, 30 रंग की एम्बिएंट लाइटिंग, पैनोरमिक सनरूफ, वेलकम लाइटिंग और स्टेनलेस स्टील पैडल जैसी प्रीमियम सुविधाएं मिलती हैं।

एसबीआई और पीएनबी समेत कई बैंकों ने एफडी के ब्याज दरों में की कटौती, कई बैंकों ने लोन को भी किया सस्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) द्वारा रेपो रेट में कटौती का असर अब नजर आने लगा है। इसकी वजह से जहां कुछ बैंकों ने कर्ज की दरों में कटौती करने का ऐलान किया है, वहीं कई बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और सेविंग अकाउंट पर मिलने वाले ब्याज की दरों में भी कटौती कर दी है। डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज दरों में कटौती करने वाले बैंकों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और एक्सिस बैंक के नाम लिए जा सकते हैं। इसी तरह लोन पर ब्याज दरों में कटौती करने वाले बैंकों में स्टेट बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र के नाम शामिल हैं। इस संबंध में मिली जानकारी के

अनुसार, बैंक ऑफ इंडिया ने फिक्स्ड डिपॉजिट की कई स्कीमों पर मिलने वाले ब्याज की दरों में कटौती कर दी है। इसके तहत 91 से 179 दिन वाली एफडी पर अब 4.50 प्रतिशत की जगह 4.25 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। इसी तरह 180 दिन से 01 साल से कम वाली एफडी पर मिलने वाली 6 प्रतिशत ब्याज दर को घटा कर 5.75 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं 01 साल की एफडी पर अब 07 प्रतिशत की जगह 6.80 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा 01 साल से ज्यादा और 02 साल से कम की अवधि वाले एफडी पर 6.75 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान किया जाएगा, जबकि पहले ये ब्याज दर 6.80 प्रतिशत के स्तर पर थी। इसी तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने रेपो रेट में कमी होने के बाद अपने ग्राहकों को डबल झटका दिया है। बैंक ने अपनी रेगुलर एफडी पर मिलने वाले ब्याज की दर को तो घटाने का ऐलान किया ही है, बैंक ने अपनी स्पेशल एफडी स्कीम अमृत वृष्टि पर मिलने वाले ब्याज की दर में भी 0.20 प्रतिशत की कटौती कर दी है। अमृत वृष्टि एसबीआई की 444 दिन चलने वाली स्पेशल एफडी स्कीम है। इसमें अभी तक जमाकर्ताओं को 7.25 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान किया जाता था जबकि सीनियर सिटीजन को 7.75 प्रतिशत की दर से और 80 साल से अधिक आयु वाले जमाकर्ताओं को 7.85 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान किया जाता था। अब बैंक ने जो नया ऐलान किया है, उसके मुताबिक 15 अप्रैल से इस एफडी स्कीम के तहत सामान्य जमाकर्ताओं को 7.05 प्रतिशत, सीनियर सिटीजन को 7.55 प्रतिशत और 80 साल से अधिक आयु वाले सुपर सीनियर सिटीजन को 7.65 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान किया जाएगा।

इस सप्ताह सिर्फ 3 दिन होगा स्टॉक मार्केट में कारोबार, शुक्रवार को भी रहेगी छुट्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। आज से शुरू हुआ अप्रैल का तीसरा सप्ताह स्टॉक मार्केट के लिहाज से सिर्फ तीन दिन का सप्ताह रहने वाला है। स्टॉक मार्केट में आज डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के मौके पर छुट्टी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ ही सभी बड़े कारोबारी सेगमेंट्स में आज कामकाज नहीं हो रहा है। मंगलवार 15 जनवरी को शेयर बाजार खुलेगा। इसके बाद 16 और 17 अप्रैल को बाजार में सामान्य कारोबार होगा, जबकि गुड फ्राइडे की वजह से स्टॉक मार्केट में एक बार फिर छुट्टी हो जाएगी।डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती की छुट्टी होने के कारण आज गिफ्ट निफ्टी को छोड़कर स्टॉक मार्केट से जुड़ी सभी गतिविधियां बंद हैं। इक्विटी सेगमेंट में तो कारोबार नहीं ही हो रहा है, इक्विटी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बौरोइंग्स (एसएलबी),

करंसी डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसिप्ट्स (ईसीआर) में भी कोई कारोबार नहीं हो रहा है। स्टॉक एक्सचेंज के हॉली-डे कैलेंडर के अनुसार इस महीने शनिवार और रविवार की साप्ताहिक छुट्टी के अलावा इसी सप्ताह शुक्रवार यानी 18 अप्रैल को स्टॉक मार्केट में गुड फ्राइडे की छुट्टी होगी। स्टॉक एक्सचेंज के हॉली-डे कैलेंडर के अनुसार अप्रैल महीने के बाद इस साल 1 मई को महाराष्ट्र दिवस के मौके पर स्टॉक एक्सचेंज बंद रहेगा। इसके अलावा 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी के अवसर पर, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन, 21 और 22 अक्टूबर को दिवाली के अवसर पर, 5 नवंबर को प्रकाश पर्व के मौके पर और 25 दिसंबर को क्रिसमस के कारण स्टॉक मार्केट में छुट्टी रहेगी।

अब इंडिगो की उड़ानें नई दिल्ली के टर्मिनल 1 और टर्मिनल 3 से संचालित होगी

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने कहा कि वह 15 अप्रैल से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्?ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर टर्मिनल-2 से संचालित होने वाली अपनी सभी उड़ानों को टर्मिनल-1 पर स्थानांतरित करेगी। इंडिगो ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि 15 अप्रैल से टर्मिनल 2 पर आने और वहां से प्रस्थान करने वाली उसकी सभी उड़ानें टर्मिनल 1 से संचालित होंगी। इस परिवर्तन के कार्यान्वयन के साथ इंडिगो अब इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 और टर्मिनल 3 से संचालित होगी। कंपनी ने बताया कि यह अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा, क्योंकि एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 पर रखरखाव का काम शुरू होने वाला है। एयरलाइन ने पुष्टि की है कि यह परिवर्तन परिचालन पुनर्गठन का हिस्सा है। इससे टर्मिनल-3 से संचालित होने वाली उड़ानें प्रभावित नहीं होंगी तथा वे बिना किसी परिवर्तन के अपने निर्धारित समय पर जारी रहेंगी। यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए एयरलाइन ने सभी प्रभावित यात्रियों और यात्रा भागीदारों को एसएमएस, फोन कॉल और ईमेल सूचनाओं के जरिए सूचित करना शुरू कर दिया है।

टैरिफ वॉर की चिंता घटने से ग्लोबल मार्केट में जोरदार तेजी के संकेत, एशियाई बाजारों में भी मजबूती का माहौल

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ वॉर के मामले में चीन के अलावा दुनिया के बाकी देशों को राहत दिए जाने का असर आज पूरी दुनिया के बाजारों में साफ-साफ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दो प्रतिशत से अधिक की मजबूती हासिल करने में सफल रहे। एशियाई बाजारों में भी आज तेजी का रुख बना हुआ है। टैरिफ वॉर की चिंता कम होने की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करते रहे, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.79 प्रतिशत उछल कर 5,405.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 107.03 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 16,831.48 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 40,557.85 अंक

के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 170.16 अंक यानी 2.09 प्रतिशत की छलांग लगा कर 8,134.34 अंक के स्तर पर पहुंचने में सफल रहा। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 168.32 अंक यानी 2.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,273.12 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 580.73 अंक यानी 2.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,954.83 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी आज तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। वहीं थाईलैंड के स्टॉक मार्केट में छुट्टी होने के कारण सेट कंपोजिट इंडेक्स में आज कारोबार नहीं हो रहा है। एशियाई बाजारों में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,260.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर गिफ्ट निफ्टी 346.50 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,369 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,478.97 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 366.57 अंक यानी 1.88 प्रतिशत उछल कर 19,879.66 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,613.76 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 395.76 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 34,378.12 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,441.85 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,457.61 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

टोफू और पनीर में क्या है फर्क किसमें अधिक पोषक तत्व, जानें कौन है ज्यादा फायदेमंद

विगेन और शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन के दो सबसे पॉपुलर सोर्स हैं टोफू और पनीर. ये दोनों ही प्रोटीन के लिए सबसे ज्यादा खाए जाते हैं. लेकिन ये दिखने में लगभग एक जैसे ही लगते हैं. हालांकि इनके पोषण तत्व, बनावट और फायदे अलग हैं जो हम आपको इस आर्टिकल में बताने जा रहे हैं.

आजकल जब से हेल्दी खाने और फिटनेस को लेकर जागरूकता बढ़ी है, लोग अपनी डाइट को लेकर ज्यादा अलर्ट हो गए हैं. लोग अपनी डाइट में प्रोटीन, कैल्शियम और हेल्दी फैट्स एड कर रहे हैं. लेकिन वेजिटेरियन लोगों के लिए प्रोटीन ढूंढना थोड़ा मुश्किल होता है.हालांकि, प्रोटीन के दो बेहतरीन सोर्स हैं टोफू और पनीर. दोनों ही दिखने में लगभग एक जैसे ही होते हैं. यही वजह है कुछ लोग कई बार कंफ्यूज हो जाते हैं कि दोनों में खास अंतर क्या है और कौन शरीर के लिए ज्यादा फायदेमंद है.

अगर आप भी इस सवाल का जवाब जानना चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए ही है. आज हम आपको टोफू और पनीर के बीच के अंतर को बताएंगे और साथ ही जानेंगे की सेहत के लिए कौन सा ज्यादा फायदेमंद है,

पनीर और टोफू में अंतर

पनीर और टोफू दोनों ही दिखने में लगभग एक जैसे लगते हैं. लेकिन असल में इनके स्रोत, पोषण तत्व, बनाने का प्रोसेस और फायदे काफी अलग हैं. पनीर जहां भारत का ट्रेडिशनल डेयरी प्रोडक्ट है. वहीं टोफू सोया से बना एक प्लांट-बेस्ड प्रोटीन है जो अब शाकाहारी और वेगन डाइट्स में काफी पॉपुलर हो रहा है.

पनीर के फायदे

पनीर हाई प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत है. ये मसल्स को मजबूत बनाता है. इसमें मौजूद कैल्शियम और फॉस्फोरस हड्डियों और दांतों को मजबूत करते हैं. पनीर में फैट की काफी ज्यादा होता है, जिससे ये शरीर को एनर्जी देता है. वजन बढ़ाने में मदद करता है. इसमें लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने में मदद करता है.

टोफू के फायदे

टोफू एक लो-कैलोरी और लो-फैट फूड है. इसमें कोलेस्ट्रॉल नहीं होता और ये दिल को हेल्दी रखने में मदद करता है. साथ ही ये प्लांट-बेस्ड प्रोटीन जो विगेन और शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का शानदार स्रोत है. ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर है इसमें मौजूद आइसोफ्लावोन्स शरीर की सेल्स को डैमेज से बचाते हैं. सोया से बनने होने की वजह से ये महिलाओं के हार्मोनल को बैलेंस करता है.

कौन सा है ज्यादा फायदेमंद?

पोषण की बात करें तो पनीर में प्रोटीन और कैल्शियम की ज्यादा होती है, जो हड्डियों और मांसपेशियों के लिए फायदेमंद है. हालांकि, इसमें फैट और कैलोरी भी ज्यादा होती है, जिससे जरूरत से ज्यादा सेवन वजन बढ़ा सकता है. दूसरी तरफ टोफू में कम फैट और कैलोरी होती है, ये हार्ट हेल्थ और वजन घटाने वालों के लिए बेहतर ऑप्शन माना जाता है. इसके अलावा टोफू में थोड़ा फाइबर भी होता है, जो पाचन के लिए अच्छा है. जिन लोगों को लैक्टोज से एलर्जी होती है, उनके लिए टोफू एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है.कुल मिलाकर, अगर आप मसल्स गेन करना चाहते हैं तो पनीर फायदेमंद है, लेकिन अगर आप हेल्दी, लो-फैट और वेगन डाइट अपनाना चाहते हैं तो टोफू ज्यादा अच्छा हो सकता है.

क्या मायावती अम्बेडकर के रास्ते पर हैं जयंती पर उठे सवाल

सामाजिक स्थिति मुसलमान की उन्हें कभी परेशान नहीं करती। हमेशा से ऐसी ही थी। लेकिन बढ़ी है दलित, पिछड़े, आदिवासी की। वह बर्दाश्त नहीं होती। संघ प्रमुख भागवत ने 2015 बिहार चुनाव से पहले आरक्षण के खिलाफ बयान दिया था ना। बुमरेंग कर गया। उल्टा असर। महागठबंधन जीत गया। उस समय नीतीश भी साथ थे। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले कहा कि संविधान बदलना है। फिर उल्टा पड़ गया।14 अप्रैल सोमवार को जब अम्बेडकर जयंती मन रही होगी और मायावती भी उन्हें याद करते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी को कोस रही होंगी तो पार्टी के लोगों को उनसे पूछना चाहिए कि डा. अम्बेडकर कभी संघ जनसंघ में क्यों नहीं रहे? और क्या यह सही नहीं है कि कांग्रेस ने उनको सम्मानपूर्वक संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया? और आश्चर्य मिश्रित प्रसन्नता के साथ क्या खुद डाक्टर अम्बेडकर ने यह नहीं कहा कि समिति में मुझसे ज्यादा योग्य लोग थे?मायावती की पूरी राजनीति डा. अम्बेडकर के नाम पर है। लेकिन क्या उनके विचारों के हिसाब से जरा सा भी वे प्रतिगामी ताकतों से लड़ पा रही हैं? या दलितों के उद्धार के लिए बाबा साहब अम्बेडकर जिन ताकतों से जीवन भर संघर्ष करते रहे क्या वे उन्हीं दक्षिणपंथी ताकतों को मजबूत नहीं कर रही हैं?सवाल बहुत सारे हैं। और अम्बेडकर जयंती वह समय है जब मायवती से यह सवाल पूछे जाना चाहिए। उनकी चुप्पी या सही जवाब से बचने के लिए राहुल गांधी पर सवाल उछाल देने से कुछ नहीं होगा।

शनिवार को आगरा में जिस तरह दलितों को गालियां दी गईं, तलवारें दिखाई गईं, बंदूकें उठाई गईं वह उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था के खतम हो जाने की तो एक मिसाल है। मगर दलितों के आत्मसम्मान को तोड़ने और उन्हें वापस उसी युग में पहुंचाने की कोशिश भी है जहां से बाबा साहब अम्बेडकर उन्हें बहुत मुश्किल से निकाल कर लाए हैं। संविधान देकर। वहीं संविधान जिसका प्रारूप (लिखने, ड्राफ्टिंग) बनाने के लिए कांग्रेस ने उन्हें इसका अध्यक्ष बनाया था।समय बहुत खराब आ गया है। लोग सोचते रहे कि यह केवल मुस्लिम के खिलाफ हैं। मगर वह उन सबके खिलाफ हैं जो उन्हें वापस मनुवादी व्यवस्था में जाने से रोक रहा है। और यहां यह सबसे मजेदार बात है कि मुस्लिम को डायरेक्ट मनुवाद से कोई मतलब नहीं है। उस पर न लागू होता है और न वह किसी तरह प्रभावित।मतलब जो भाजपा संघ का असली उद्देश्य है मुस्लिम उसके बीच में एक बहाना भर है। मुस्लिम इसलिए कि उसका नाम लेकर डर दिखाकर दलित पिछड़े आदिवासी के वोट लेना और चार सौ पार होते ही संविधान बदल देना। आरक्षण खतम कर देना।सामाजिक न्याय को यह भारतीय नहीं है कहकर खारिज कर देना। वर्ण व्यवस्था लागू कर देना। 2024 के चुनाव से पहले कहा ही था। भाजपा के लोगों ने ही कि चार सौ से ज्यादा सीटें संविधान बदलने के लिए चाहिए।सोचिए अभी जब संविधान लागू है। उनके अपने शब्दों में बहुत मजबूत सरकार है। डबल इंजन भी है फिर भी एक दलित सांसद के घर को 80 हजार करनी सेना की भीड़ दिन भर घेरे रखती है। खुली तलवारें, बंदूकें लहराई जाती रही हैं। गालियां दलित से लेकर पिछड़े सब को दी जाती रही हैं।अखिलेश यादव की बहादुरी को सलाम करना होगा उन्होंने खुल कर इसका विरोध किया। कहा कि- यह सब भाजपा के लोग थे। इनसे डरने की कोई जरूरत नहीं है। दलितों में निश्चित रूप से इससे साहस आया होगा। अखिलेश किसी एक जाति समूह की बात नहीं कर रहे थे। वे दलित पिछड़ा अल्पसंख्यक सबकी बात कर रहे थे।पीडीए। बहुत अच्छा नाम रखा है उन्होंने। पी पिछड़ा, डी दलित और ए अल्पसंख्यक। अस्सी प्रतिशत से ऊपर आबादी। इसी को तलवार बंदूकें गालियां, धमकियों के जरिए डराने की कोशिश थी। मगर अखिलेश के बहादुरी भरे बयान के बाद सब जगह एक निश्चिंतता आई है।मायावती अप्रासांगिक हो जाएंगी। अभी मौका है समझ जाएं। कल अम्बेडकर जयंती पर वही साहस दिखाएं जो बीजेपी का शासन आने से पहले था। चढ़ गुंडन की छाती पर वाला। 11 साल से पहले दलित शहर की मुख्य सड़क पर यह नारा लगाता था चढ़ गुंडन की छाती पर मुहर लगाना हाथी पर।वह केवल बंधी हुई मुट्ठी के साथ हाथ उठाता था। अभी जैसा आगरा में हुआ वैसा बंदूक, तलवार, गालियां नहीं। मगर उस खाली लहराते हाथ से गुंडे, सामंत सब डर जाते थे। अम्बेडकर की संगठित रहो शक्ति की सीख से। मायावती उसी से चार बार मुख्यमंत्री बनीं।आज उनका एक भी लोकसभा सदस्य नहीं है। विधायक केवल एक। वह भी अपनीव्यक्तिगत सामर्थ्य की वजह से। दलित कोई विधायक भी नहीं। है तो डायलग फिल्मी। मगर खूब बोला जाता है और इस समय तो सही भी लगता है कि जो डर गया समझो वह मर गया! मायावती ने अपने समाज के हौसले को मार दिया। जब हाथरस में दलित लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ। उसे मार दिया। रात में ही पुलिस ने पैट्रोल डालकर उसकी लाश जला दी। और इन सबके बाद पीड़िता के परिवार को ही परेशान किया जाने लगा। जैसा अभी आगरा में दलित सांसद रामजीलाल सुमन का घर घेर कर डर पैदा किया गया वैसा ही हाथरस में पीड़िता के परिवार के साथ किया गया।मायावती नहीं गईं। राहुल, प्रियंका गए। और मायावती अपने घर में बैठकर ही राहुल और कांग्रेस को गालियां दिए जा रही हैं।वह जो अलग-अलग तरीकों से सब कहते है कि नंबर सबका आएगा। तो वह आने लगा। पहले वे मुसलमानों के लिए आए, कुछ लोग बहुत खुश हुए। उस समय समझाया कि मुसलमान असली निशाना नहीं है। बहाना है। असली निशाना तो दलित आदिवासी पिछड़ा है। मुसलमान से क्या ले लेंगे? उनके पास क्या है ? लेना दलित आदिवासी पिछड़े से है। उसकी नौकरियां। उसके बच्चों का एडमिशन। वह कानून जो जातिगत गालियां देने से रोकता है। वह सामाजिक न्याय जो बराबरी का भाव देता है। वह स्वाभिमान जो जमीन पर नहीं साथ कुर्सी पर बिठा देता है।लालू जी के लिए बिहार का दलित पिछड़ा यही तो कहता है। क्या दिया लालू जी ने? हिम्मत। डर खतम कर दिया। बराबरी से बैठता है। बात करता है। जितने लोकगीत लालू जी पर बने होंगे। जीते जी किसी भारतीय नेता पर नहीं। यही सब वापस लेना है।सामाजिक स्थिति मुसलमान की उन्हें कभी परेशान नहीं करती। हमेशा से ऐसी ही थी। लेकिन बढ़ी है दलित, पिछड़े, आदिवासी की। वह बर्दाश्त नहीं होती। संघ प्रमुख भागवत ने 2015 बिहार चुनाव से पहले आरक्षण के खिलाफ बयान दिया था ना। बुमरेंग कर गया। उल्टा असर। महागठबंधन जीत गया। उस समय नीतीश भी साथ थे। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले कहा कि संविधान बदलना है। फिर उल्टा पड़ गया। 240 पर बीजेपी रुक गई। इसलिए मुसलमान को आगे किया जाता है। रोज नई कहानी लाई जाती है। लेकिन बार-बार सच सामने आ जाता है।आगरा की तलवारें, बंदूकें इस बार केवल दलित पिछड़ों तक ही सीमित नहीं रहीं। चिंता ब्राह्मणों में भी दिखी। करनी सेना जिसने भाजपा सरकार के प्रश्रय में यह तांडव किया है वह राजपूतों की सेना मानी जाती है। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण बहुत पहले से कह रहा है कि उसे भी निशाने पर लिया जा रहा है। अब दलबदल कर भाजपा में मंत्री बन गए जीतीन प्रसाद ने तो ब्राह्मणों की रक्षा के लिए एक ब्रह्म सेना ही बनाई थी। आंकड़े दिए थे कितने ब्राह्मण मार डाले।

तो नफरत और विभाजन की राजनीति से बचेगा कोई नहीं। महिलाओं के खिलाफ तो जैसे हाईकोर्टों के फैसले आ रहे हैं वैसे इससे पहले कभी नहीं आए थे। निर्भया में पूरी सरकार लड़की परिवार के साथ थी। क्या मजाल की कोई गलत बोल जाए। आज तो कोर्ट कह रहा है कि बलात्कार में लड़की भी दोषी। यह माहौल का असर है। मीडिया तो गया ही काम से। ज्यूडिशरी भी चली गई।कोई संविधानिक संस्था नहीं बची। संविधान में डा. अम्बेडकर ने ही इन संस्थाओं को बनाया था। अब उम्मीद जनता से ही है। उसे बचना भी है और देश व संविधान बचाना भी है। अम्बेडकर से प्रेरणा लेने का कल सोमवार 14 अप्रैल को एक अच्छा मौका है। क्योंकि नेता तो बहुत हुए मगर जितना संघर्ष अम्बेडकर को करना पड़ा उतना किसी को नहीं।

संपादकीय

आगरा में उड़ीं संविधान की धज्जियां

शनिवार को उत्तर प्रदेश के आगरा के गढ़ीरामी गांव में राणा सांगा की जयंती के अवसर पर जिस तरह से क्षत्रिय करणी सेना ने %रक्त स्वाभिमान सम्मेलन% का आयोजन किया वह शक्ति प्रदर्शन तो था ही, उससे बढ़कर वह संविधान की धज्जियां उड़ाने वाला कार्यक्रम साबित हुआ। क्षत्रिय समुदाय के देश भर से लोग यहां एकत्र हुए थे। इसमें एक ओर तो सीधे-सीधे हथियारों का जंगी प्रदर्शन किया गया, वहीं दूसरी तरफ़ मारने-काटने की सरेआम बातें हुईं।समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ वक्ताओं ने गुस्सा तो उतारा ही, उन्हें मार डालने की खुली धमकियां दी गयीं जबकि वहां पुलिस की बड़े पैमाने पर तैनाती थी। किसी अनहोनी की आशंका में प्रशासन ने भारी सुरक्षा व्यवस्था की थी। याद हो कि पिछले दिनों सुमन ने संसद मे एक बयान में राणा सांगा को यह कहकर %गद्दार% करार दिया था कि बाबर को भारत में वे ही बुलाकर लाये थे। इसे लेकर क्षत्रियों में गहरी नाराज़गी है। करणी सेना के कुछ लोगों ने तो सुमन की जुबान काट लेने वाले के लिये पुरस्कार तक घोषित किया था। यदि उनके खिलाफ कार्रवाई की गयी होती तो यह नौबत न आती।सम्मेलन में देश भर से पहुंचे क्षत्रिय समुदाय के लोग तलवारें लहराते दिखे और मंच पर से उन्होंने बहुत आक्रामक भाषण दिये। इन भाषणों में आए लोगों ने रामजी लाल सुमन के खिलाफ नाराजगी जताई। एक व्यक्ति ने मंच से खुले आम कहा- जो राणा सांगा के खिलाफ बात करेगा, उसे अपने हिसाब से दंड दिया जाएगा। संयुक्त करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने धमकी दी कि रामजी लाल सुमन की उनके घर में घुसकर हड्डी तोड़ी जायेगी। उन्होंने साफ कहा कि, कभी तो उनकी सुरक्षा में चूक होगी, तब उनकी कुटाई होगी। संविधान का डर नहीं, कुटाई से डराया जा सकता है।% चम्बल की बैंडिट क्वीन फूलन देवी की हत्या में दोषी पाये गये शेर सिंह राणा भी कार्यक्रम में आए थे। उन्होंने मांग की कि सुमन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) की धाराएं लगाई जायें। उन्होंने सांसद की सदस्यता रद्द कर उन्हें जेल भेजने की भी मांग की। पूर्व राजपूत करणी सेना अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी, जिनकी पिछले दिनों उनके घर में घुसकर हत्या कर दी गयी थी, की पत्नी शीला भी मंच पर थीं। उन्होंने कहा- %हमें गर्व है कि हम राणा सांगा के वंशज हैं। कोई गद्दार हमारे भगवान पर सवाल उठाता है, तो उसे देश में रहने का अधिकार नहीं है। करणी सेना के क्षेत्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने तो और एक कदम आगे बढ़ते हुए कहा कि अब माफी से भी काम नहीं चलने वाला। करणी सेना के कार्यकर्ता कुछ भी कर सकते हैं।वैसे भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक धर्मपाल सिंह चौहान ने कार्यक्रम में पहुंचकर आयोजकों से ज्ञापन लिया और आश्वासन दिया कि करणी सेना की मांगों को वे सरकार तक पहुंचायेंगे। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात करणी सेना के लोगों हाईवे को अवरूद्ध कर दिया था। वे सुमन के निवास की ओर जाना चाहते थे। उनके इस प्रयास को पुलिस ने विफल कर दिया। कई जगह करणी सेना के लोगों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की के नज़ारे देखने को मिले।

हजारों की संख्या में हथियारों से लैस राजपूतों के इस सम्मेलन ने बता दिया कि देश की कानून-व्यवस्थ किस खतरनाक स्थिति में पहुंच गयी है और सत्ता स नज़दीकियां किसी भी एक समूह को किस हद तव उच्छृंखल बना देती है। सभा स्थल को देखने से साप था कि आयोजकों एवं उसमें शामिल लोगों के लिये न तो कानून के प्रति कोई सम्मान रह गया है, न ही प्रशासन का डर। यह (दु)साहस तभी सम्भव है जब किसी क सत्ता की शह और संरक्षण दोनों ही हो। करणी सेना क इतिहास देखें तो वह अक्सर इसी तरह से कानून क ललकारती या उसे हाथ में लेती है। याद हो कि व 2017 में पद्मावत नामक फिल्म आई थी, तो राजपूत के अपमान के नाम पर करणी सेना ने देश भर म सिनेमागृहों के बाहर और भीतर तोड़-फोड़ व आगजन की थी। उसके निर्देशक एवं कलाकारों को तव धमकियां दी गयी थीं। करणी सेना ने आरोप लगाया थ कि राजपूतों के सम्मान को कम करने के लिये य फिल्म बनाई गई है। निर्देशक संजय लीला भंसाली क करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने मारा भी था।

यूपी बनेगा देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंज

उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति देश भर में चर्चा का विषय है। प्रकृति एवं परमात्मा की असीम अनुकंपा के बावजूद उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था सातवें या आठवें स्थान पर झूलती रही। इस दौरान इसका कुल आकार भी 12 हजार करोड़ रुपये से लेकर 12.5 हजार करोड़ रुपये के बीच ही रहा। पर, मार्च 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद इसमें अभूतपूर्व बदलाव आया। आज 27.5 हजार करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था के साथ यूपी देश की देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। देश की जीडीपी में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 फीसद है। जीडीपी की ग्रोथ राष्ट्रीय औसत 9.6 फीसद की तुलना में 11.6 फीसद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे 2030 तक देश की नंबर वन अर्थव्यस्था वाला राज्य बनाने को कृत संकल्पित हैं। अभी एक अप्रैल को भी बरेली में एक कार्यक्रम के दौरान इस बात को दोहराया था।

इसे भी पढ़ें- उप्र को निवेश का केंद्र बनाने के लिये एकल खिड़की प्रणाली को और मजबूत किया जाए- योगी आदित्यनाथ

एक्सपर्ट्स और संस्थाएं भी अर्थव्यवस्था की तेजी की मुरीद

अब तो निजी तौर पर आर्थिक विशेषज्ञ और संस्थाएं भी यह मानने लगी हैं कि उत्तर प्रदेश में विकसित भारत का ग्रोथ इंजन बन सकता है। हाल ही में लखनऊ में योजना विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने भी यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि करीब 56 फीसद युवा आबादी, नौ तरह के अलग कृषि जलवायु क्षेत्र, पानी की भरपूर उपलब्धता आदि के जरिये यह संभव है। उन्होंने अलग-अलग जिलों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए जिस एक्शन प्लान का जिक्र किया था, उस पर योगी सरकार पहले से काम कर रही है।

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना और एक जिला-एक जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) इसकी कड़ी है। अब तो सरकार इससे भी आगे एक जिला एक पकवान के बाबत सोच रही है। ओडीओपी योजना प्रदेश की सफलतम योजना है। इसकी तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भर कर चुके हैं। इंडोनेशिया जैसे देश भी इसकी इसके मुरीद हैं।

अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों पर एक नजर

नीति आयोग ने राजकोषीय स्थित के संबंध में जारी रिपोर्ट में यूपी को फ्रंट रनर राज्य की श्रेणी में रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ ने भी कर की प्राप्तियों में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरे स्थान पर रखा है। पिछले पांच वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट की स्थित इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने प्रभावी तरीके से कर चोरी, इसके लीकेज को खत्म किया है। इसमें डिजिटलाइजेशन को बढ़ाकर व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।ऋण और जमा अनुपात (सीडी रेशियो) जो हर दम से प्रदेश की समस्या रही है उसमें भी अच्छा खासा सुधार हुआ है। 2016/2017 में यह 46 फीसद था। 2024 में बढ़कर 61 फीसद हो गया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में सरकार ने इसके लिए 67 से 70 फीसद का लक्ष्य रखा है। अर्थव्यवस्था में सुधार होने से बैंकों ने भी उत्तर प्रदेश के प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस करने में रुचि दिखाई है। आरबी आई की अगस्त 2023 की बुलेटिन के अनुसार फंड आकर्षित करने में 16.2 फीसद की हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। समग्रता में आप कह सकते हैं कि मुख्यमंत्री योगी की मंशा के मुताबिक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए पूरी मजबूती के साथ चौतरफा प्रयास जारी है।

हाई हील पहनने से महिलाओं को गठिया का खतरा, जरा-सी चोट दे सकती है फ्रैक्चर

महिलाओं को खासतौर पर फैशन के मुताबिक चलना अच्छा लगता है। ऐसे में बहुत सी महिलाएं हाई हील्स पहनना पसंद करती है। मगर लंबे समय तक इसे पहनने से आर्थोपेडिक यानी हड्डियों से जुड़ी समस्याएं हो सकती है। असल में, हील पहन कर चलने से हमारे शरीर का सारा वजन पैरों पर पड़ता है। ऐसे में हड्डियों में दरारें आने के साथ कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो आइए आज हम आपको लंबे समय तक हील पहनने से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हैं...

ऑस्टियोआर्थराइटिस

ऑस्टियोआर्थराइटिस गठिया का एक रुप है, जो हाई हील पहनने से हो सकता है। इसके कारण हड्डियों में दरारें पड़ने लगती है। असल मे, हाई हील पहनने से घुटनों व जोड़ों पर तेज दबाव पड़ता है, जो ऑस्टियोआर्थराइटिस होने का कारण बनता है। साथ ही इस समस्या का सामना पुरुषों से कई गुणा ज्यादा महिलाओं को करना पड़ता है।

फ्रैक्चर और प्लास्टर का कारण

घंटों व लगातार कई दिनों तक हील पहनने से हड्डियों में दरारें पड़ सकती है। साथ ही किसी भी तरह की थोड़ी सी चोट लगने पर भी फ्रैक्चर और प्लास्टर लगने का खतरा बढ़ता है।

स्पाइन पर असर

लंबे समय तक हाई हील पहनने से एड़ी पर दबाव पड़ता है। इसी के साथ रीढ़ की हड्डी पर भी प्रेशर पड़ता है। ऐसे में पीठ दर्द की शिकायत हो सकती है। साथ ही स्पाइन के खराब होने का खतरा बढ़ता है।

वजन में असंतुलन

ऊंची हील लंबे समय तक पहनने से वजन अंसतुलन खराब होने का कारण बनता है। ऐसे में ज्वाइंट व हड्डियों पर विपरीत असर हो सकता है।

बॉडी पॉश्चर बिगड़ने का कारण

हाई हील पहनने से रीढ़ की हड्डी से लेकर पैरों में दबाव बढ़ता है। ऐसे में अक्सर महिलाओं को बैलेंस बनाने में मुश्किल आती है। साथ ही संतुलन बनाने की कोशिश में बॉडी पॉश्चर बिगड़ने का सामना करना पड़ सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

- लंबे समय तक हील पहनने की जगह बीच-बीच में सिंपल जूते-चप्पल पहनने।

- सोने से पहले पैरों की गुनगुने तेल से मसाज करें। आप नारियल, जैतून आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- एक टब में गुनगुना पानी व थोड़ा सा सेंधा नमक मिलाएं। फिर इसमें 10-15 मिनट तक पैरों को डुबोएं।
- सोने से पहले 1 गिलास गुनगुने दूध में चुटकीभर हल्दी पाउडर मिलाकर पीने से पैरों व एड़ी के दर्द से आराम मिलेगा।

सिर्फ टहलना काफी नहीं : ब्रेन पर बढ़ती उम्र का असर कम करना हो या हड्डियों को मजबूत बनाना

नॉर्मल वॉक की बजाए करें ब्रिस्क वॉक

आज कल की भागदौड़ की जिदंगी में लोग अपनी सेहत की तरफ ध्यान देना भूल गए है। जिस वजह से अक्सर लोगों को मौटापे से जुझना पड़ा रहा है। ऐसे में कुछ लोग तो थोड़ा वक्त निकाल रोजाना सुबह-शाम वॉक करते है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नॉर्मल वॉक करने से कोई फायदा नहीं होता है। इसके बदले आप ब्रिस्क वॉक करेंगे तो आपकी सेहत के लिए काफी लाभदायक होगा। अगर आप हफ्ते में 5 दिन ब्रिस्क वॉक करते है तो आपका वजन बहुत तेजी से कम होगा। आईए जानते हैं इसके बारे में-

क्या है ब्रिस्क वॉक-

ब्रिस्क वॉक एक सरल और सहज एक्सरसाइज है, जिसे किसी भी उम्र के व्यक्ति आसानी से कर सकते हैं। हालांकि, ब्रिस्क वॉक अलग इसलिए है, क्योंकि इसमें तेजी से चलना होता है। आसान शब्दों में कहे तो दौड़ने और पैदल चलने के बीच की मुद्रा को ब्रिस्क वॉक कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को न तो धीरे चलना होता है और न ही दौड़ना होता है।

ब्रिस्क वॉक से होने वाले फायदे-

दिमाग करे तेज- जब आप ब्रिस्क वॉक करते हैं तो आपका ब्लड सर्कुलेशन तेजी से बढ़ता है। जिसके कारण दिमाग की कोशिकाओं में ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचता है, इससे आपका दिमाग पहले के मुताबिक और तेज होगा। इसके अलावा ब्रिस्क वॉक करने से आपके दिमाग को फ्रेश करने वाले हार्मोंस रिलीज होते है। जो स्ट्रेस दूर करता है।

तेजी से वजन कम करें-

अगर आप डेली करीब 30 मिनट तक ब्रिस्क वॉकिंग करते

हैं तो आपका मेटाबॉलिज्म तेजी से काम करता है। जिससे आप करीब 150 कैलोरी बर्न कर सकते हैं।

डायबिटीज से छुटकारा

हफ्ते में 5 बार ब्रिस्क वॉकिंग करने से आप डायबिटीज के रिस्क को करीब 12 फीसदी तक कम कर सकते है।

हड्डियां मजबूत होती हैं

ब्रिस्क वॉक से हड्डियों पर दबाव पड़ता है, जिसकी वजह से जरूरी मिनरल्स हड्डियों तक पहुंचते हैं और हड्डियां मजबूत बनती हैं।

हार्ट को बनाएं हेल्दी-

अगर आप हफ्ते में करीब 15-16 किलोमीटर तक ब्रिस्क वॉकिंग करते हैं तो आप अपने दिल संबंधी बीमारी होने का खतरा 35 फीसदी तक कम हो जाता है।

ब्लड प्रेशर को करें कंट्रोल-

ब्रिस वॉक करने से आपका ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। आपकी धमनिया संकुचित और फैलती है जिससे आपकी धमनियां हेल्दी रहती है।

स्ट्रेस को दूर करता है

ब्रिस्क वॉक करने से स्ट्रेस दूर होता है। जब आप ब्रिस्क वॉक करते हैं तो कुछ ही सेकंड के भीतर दिमाग एक हार्मोन रिलीज करने लगता है, जिससे नेचुरल तरीके से मूड फ्रेश हो जाता है।

स्मोकिंग की लत से छुटकारा

दौड़ने से आत्मविश्वास बढ़ता है। सोच पॉजिटिव होती है और स्मोकिंग जैसी बुरी लत से मन हटने लगता है।

आपके कोलेस्ट्रॉल को करे नियंत्रण

ब्रिस्क वॉक करने से गुड कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ता है।

आप भी जाती हैं जिम तो ऐसे करें अपने बालों की केयर

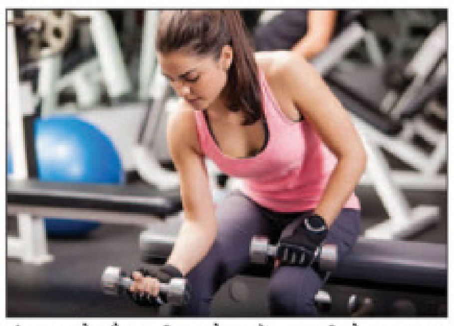

लड़कियां फिट एंड फाइन रहने के लिए हैवी वर्कआउट का सहारा लेती है। मगर इस दौरान खूब पसीना बहने से कपड़े व बाल गीले हो जाते हैं। कपड़े तो तुरंत बदले जाते हैं। मगर बहुत सी लड़कियां बालों को ऐसे ही छोड़ देती है। इस पर ज्यादा ध्यान ना देने से खुजली व हेयर फॉल की समस्या हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको इस समस्या से बचने के लिए कुछ खास हेयर केयर टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप वर्कआउट के दौरान ही अपने बालों का सही से ध्यान रख पाएगी।

बालों को खोलने से बचें

अगर आप बाल खोलकर एक्सरसाइज करती है तो अपनी इस आदत को तुरंत बदल लें। असल में, खुले बालों में ज्यादा पसीना आने की समस्या रहती है। ऐसे में जिम जाने से पहले हाई पोनीटेल, हाई बन या फिर चोटी बना लें। माथे पर बाल ना इसके लिए आगे से पिन या जैल लगाएं।

टॉवल करें यूज

एक्सरसाइज के समय पसीना आना आम है। ऐसे में समय-समय पर फेस, बाल व गर्दन को टॉवल की मदद से पोंछते रहे। इससे आपको स्कैल्प में खुजली व दाने की समस्या नहीं होगी। साथ आप क्लीन रहेगी।

स्वेट हेडबैंड करें इस्तेमाल

आप चाहे तो स्वेट हेडबैंड का इस्तेमाल कर सकती है। अधिकत प्लेयर्स भी इसे यूज करते हैं। यह पसीने को जल्दी ही सोख लेने में मदद करता है।

हेयर स्प्रे करें यूज

आप वर्कआउट से पहले बालों पर होममेड हेयर स्प्रे यूज कर सकती है। इससे बालों पर पसीना भी कम आएगा। साथ ही आप तरोताजा महसूस करेंगे।

बिना शैंपू के बाल धोएं

आप वर्कआउट के बाल बाल धो सकती है। मगर इसके लिए शैंपू यूज ना करें। असल में, ज्यादा बार शैंपू यूज करने से बाल जड़ों से कमजोर होकर खराब हो सकते हैं। इसके लिए जिम के बाद बालों पर 10 मिनट तक एलोवेरा जैल लगाकर सिर्फ पानी से बाल धोएं।

ब्लो ड्राय करें

अगर आप आपको वर्कआउट के तुरंत बाद कहीं जाना है तो बालों को ब्लो ड्राय से सूख सकती है। इसके लिए बालों का चिपचिपापन दूर करने के लिए टेल्कम पाउडर लगाकर ब्रश करें। इससे आपके बाल सुंदर, साफ और फ्रेश नजर आएंगे।

कहीं बढ़ती उम्र और केमिलक प्रोडक्ट का ज्यादा यूज करने से तो कम नहीं हो रहे आईब्रो के बाल

आईब्रो चेहरे की खूबसूरती में अहम रोल अदा करता है। अगर आपकी आइब्रो अच्छी नहीं तो लुक भी अच्छा नहीं लगेगा। बहुत सी महिलाएं आईब्रो के पतले या झड़ने से परेशान रहती हैं। इसकी वजह बढ़ती उम्र और केमिलक प्रोडक्ट का ज्यादा यूज है। इसके अलावा कई और भी कारण हैं जिनकी वजह से आईब्रो के बाल झड़ते हैं-

जानिए आईब्रो कम होने के कारण

तनाव : तनाव एक ऐसी बीमारी है जिसकी वजह से कई बड़ी समस्याएं पैदा होती हैं। स्ट्रेस के कारण ना केवल आईब्रो के बाल कम होते हैं बल्कि सर के बाल भी झड़ने लगते हैं। इसलिए खुद को तनाव मुक्त रखें।

पोषक तत्वों की कम मात्रा : हमारे शरीर के लिए आइरन, जिंक, प्रोटीन, और विटामिन बी12 जैसे पोषक तत्व बहुत जरूरी होते हैं। बालों के झड़ने का कारण प्रमुख कारण इनकी कमी है। ऐसा ही आईब्रो के बालों के साथ भी होता है। इससे बचने के लिए इन पोषक तत्वों को नियमित रूप से अपने आहार में शामिल करें।

उम्र का बढ़ना : आईब्रो के कम होने का मुख्य कारण उम्र का बढ़ना भी है। 40 पार होने के बाद सर के पाल पतले होना शुरू हो जाते हैं। पौष्टिक आहार और जीवनशैली में कुछ परिवर्नत कर के इसे ठीक किया जा सकता है।

घरेलू उपाय

मेथी : मेथी के बीज में कई गुण पाए जाते हैं। बालों को झड़ने से रोकने में ये काफी फायदेमंद हैं। रात में मेथी को पानी में भिगोले। सुबह इसे मिक्सी में पीस ले। फिर

नारियल तेल में मिलाकर एक पेस्ट बनालें। इस पेस्ट को दिन में दो बार अपनी आईब्रो पर लगाएं। कुछ दिन में आपको फर्क महसूस होगा।

प्याज : प्याज का रस बालों की ग्रोथ में काफी मददगार होता है। आईब्रो के बाल झड़ने से रोकने के लिए आप प्याज के रस का इस्तेमाल कर सकती हैं। सबसे पहले प्याज को पीस कर इसका जूस निकाल लें। जूस से आईब्रो पर कम से कम 5 मिनट तक मसाज करें। सूखने के बाद इसे पानी से धोले।

अंडा : अंडे के पीले भाग में कई जरूरी तत्व पाए जाते हैं। इसके पीले भाग की मदद्त से आप आईब्रो की झड़ती प्रोब्लम से निजात पा सकती हैं। इसके लिए अंडे के पीले भाग को एक कटोरी में निकाल कर उसे अच्छे से फेंट ले। इसे कॉटन के साथ आईब्रो पर लगाएं। सूखने के बाद इसे पानी से धोले। इसे दिन में दो बार जरूर लगाएं।

अगर झाड़ू की तरह सूखे हो गए हैं आपके बाल तो 1 बार अपना लें ये देसी नुस्खा

प्रदूषण और गलत हेयर रूटीन के कारण बालों में रूखापन, चिपचिपाहट, डैंड्रफ, हेयरफॉल जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। लड़कियां इनके लिए महंगे शैंपू, कंडीशनर व हेयर प्रोडक्ट्स का सहारा लेती हैं लेकिन किसी से भी कोई फायदा नहीं होता। उल्टा इसके कैमिकल्स बालों को और भी खराब कर देते हैं। ऐसे में बालों को मजबूत, सिल्की व शाइनी बनाने के लिए आप घरेलू नुस्खों का सहारा ले सकते है। आज हम आपको एक ऐसे ही हेयर मास्क के बारे में बताएंगे, जो उन्हें रिपेयर करने के साथ गर्मियों की समस्याओं को दूर रखने में भी मदद करेगा।

इसके लिए आपको चाहिए...

लाल प्याज - 1

पका हुआ केला - 1

अंडा - 1

शहद - 1 बड़ा चम्मच

एलोवेरा जेल -1 बड़ा चम्मच

दही - 2 चम्मच

मुल्तानी मिट्टी - 1 बड़ा चम्मच

आंवला पाउडर - 1 बड़ा चम्मच

बनाने का तरीका

सबसे पहले प्याज छीलकर इसका जूस निकाल लें। अब प्याज के रस में केला, शहद, दही,एलोवेरा जेल व अंडा मिलाकर ग्राइंड

कर लें। इसके बाद इसमें मुल्तानी मिट्टी व आंवला पाउडर मिक्स करें। इसे 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें, ताकि यह अच्छी तरह मिक्स हो जाए।

कैसे करें इस्तेमाल?

सबसे पहले बालों को अच्छी तरह सुलझा लें और फिर जड़ों से लेकर बालों के छोर तक पैक को अच्छी तरह लगाएं और मसाज करें। अगर आपके बालों में तेल लगा है तो भी आप इस पैक को लगा सकते हैं। 1-2 घंटे बाद बालों को माइल्ड शैंपू व नॉर्मल पानी से बालों को धो लें। बाल धोने के बाद कंडीशनर करना ना भूलें। आप हफ्ते में 1 बार इस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्यों फायदेमंद है यह पैक?

-इसमें इस्तेमाल होने वाली मुल्तानी मिट्टी व दही गर्मियों में स्कैल्प को ठंडक देगी और साथ ही इससे डैंड्रफ की समस्या भी नहीं होगी।

-एलोवेरा जेल गर्मियों में घमौरियों, पिंपल्स से बचाता है।

-वहीं अंडा बालों को शाइन व हैल्दी बनाता है। साथ ही यह बालों के लिए नेचुरल कंडीशनर की तरह भी काम करता है।

-पोटेशियम से भरपूर केला भी बालों को जड़ों से पोषण देता है। इससे बालों का रूखापन भी खत्म हो जाता है।

-आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर आंवला पाउडर बालों को लंबा बनाने में मदद करता है।

ये 5 ब्यूटी प्रोडक्ट लड़कों के पास जरूर होने चाहिए

ब्यूटी प्रोडक्ट और पुरुष

क्यों हमेशा ब्यूटी और ब्यूटी प्रोडक्ट को लड़कियों के साथ ही जोड़कर देखा जाता है? जबकि ब्यूटी प्रोडक्ट केवल आपको स्वच्छ और तरोताजा रखने का काम करते हैं। लड़का हो या लड़की, ठंड में स्किन ड्राय होने और गर्मी में ऑयली होने की समस्या हर किसी को होती है। ऐसे में अपने चेहरे और शरीर की देखभाल के लिए क्रीम, मॉशचराइजर, फेस वॉश आदि की जरूरत होना लाजिमी है। इसलिए माना गया है कि लड़कों के पास ये 5 ब्यूटी प्रोडक्ट जरूर होने चाहिए।

बॉडी या फेस वॉश

हर पुरुष के बाथरूम में बॉडी वॉश या फेस वॉश जरूर होना चाहिए, क्योंकि इन प्रोडक्ट में सोडियम हाइड्रोक्साइड की मात्रा कम होती है, जो कि साबुन में अधिक होती है। इसलिए साबुन की तुलना में इनका इस्तेमाल करना बेहतर होता है। इससे स्किन ड्राय नहीं होती और आप खुद को फ्रेश भी महसूस करते हैं।

शेविंग क्रीम

शेविंग क्रीम या जेल का इस्तेमाल शेविंग करने के दौरान किया जाता है, जिससे कि त्वचा में नमी बने रहे और उसमें कट नहीं लगे। इन प्रोडक्ट में ग्लिसरीन और शी बटर होता है जो स्कीन को मॉश्चराइज करता है।

इलेक्ट्रिक शेवर

आजकल इलेक्ट्रिक शेवर का इस्तेमाल अधिक होने लगा है, जिसे कई बार बड़े-बूढ़े शहरीकरण और तकनीक के चोंचले बोलकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि इलेक्ट्रिक रेजर के इस्तेमाल से चेहरे पर कट नहीं लगता और त्वचा भी चिकनी बनी रहती है। साथ ही ये शेवर बालों को जल्दी नहीं आने देती।

नाइट क्रीम

रात का समय वो समय है, जब शरीर के साथ चेहरे की स्किन भी आराम करती है। रात को सोने के दौरान त्वचा अपने आप रिपेयर होती है, जिसके लिए उसे मॉश्चराइजर की जरूरत पड़ती है। ऐसे में मूंह और हाथ-पैर धुलकर क्रीम लगाकर ही सोएं। इससे चेहरा ग्लो भी करेगा और ड्राई भी नहीं होगा। साथ ही त्वचा में नमी भी बनी रहेगी।

परफ्यूम

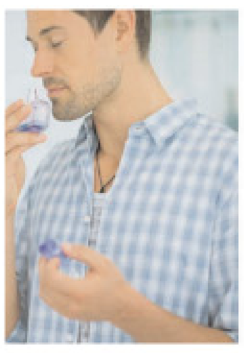

सर तुमको मर्दानी का वास्ता.... विज्ञापन के ऐसे टैगलाइन्स ने परफ्यूम और साबुनों की छवि पुरुषों के दिमाग में गलत बना दी है। जबकि परफ्यूम आपके पसीने की बदबू को दूर कर आपको महकाने का काम करता है। परफ्यूम का हल्का स्प्रे आपको पसीने में भी फ्रेश करने का काम करेगा।

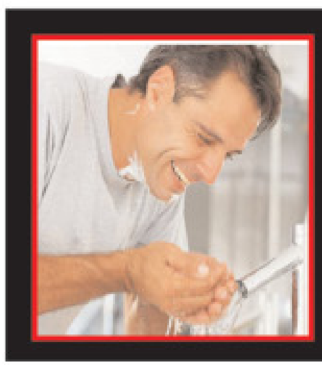

हैंडसम दिखने के लिए रोजाना शेविंग के पहले और बाद करें ये काम

शेविंग सही तरीके से करना भी बेहद जरूरी है। रेजर का इस्तेमाल करते समय ध्यान रखें, इससे लंबे स्ट्रोक्स लगाएं, जिससे ब्लेड पर कम दबाव पड़ेगा और शेविंग स्मूद हो जाएगी। अच्छी एवं क्लीन शेव के चक्कर में अकसर लोग ब्लेड पर ज्यादा जोर देते हैं, जिससे बाल ही नहीं, त्वचा भी कट जाती है। ऐसी गलती भूलकर भी न दोहराएं। शेविंग करते समय इनग्रोन बालों के कारण कट्स या रेजर बंप लग जाते हैं। अगर शेविंग करने से त्वचा पर जलन महसूस हो तो समझें कि आपका रेजर सही नहीं है। मैनुअल रेजर से क्लोजर शेव बनती है, क्योंकि इसमें ब्लेड बहुत नजदीक होते हैं, जिससे त्वचा में खुजली या जलन हो सकती है। अगर आपको रेजर बंप होते हैं तो आप इलेक्ट्रिक रेजर का इस्तेमाल करें, जिससे क्लोज शेव नहीं मिलती पर इससे जलन नहीं होती। इलेक्ट्रिक हो या मैनुअल, जो सही लगे, उसी रेजर का इस्तेमाल करें।

रेसिपी

लौकी मूंगफली सूप

- 200 ग्राम लौकी ■ 1 हरी मिर्च
- 1 अदरक, छोटा टुकड़ा
- 2 बड़े चमच्च मूंगफली, छीलकर भून ले
- नमक, स्वाद के अनुसार
- 1 बड़ा चमच्च राजगिरे का आटा
- 1 छोटा चमच्च ओलिव का तेल
- 4 पुदीना, पत्ते ■ काली मिर्च पाउडर: स्वाद के अनुसार ■ क्रीम: गार्निश के लिए

विधि

लौकी मूंगफली सूप बनाने के लिए सबसे पहले कूकर मे लौकी के टूकडे, हरीमिर्च, अदरक, मूंगफली के दाने और चुटकीभर नमक, जरूरत के अनुसार पानी मिलाकर पकाएं। 2 सिटी आने तक या लौकी के नरम आने तक पकाएं। तड़का पेन मे 1 टीस्पून ऑलिव ऑइल लें। राजगीरे का आटा धीमी ऑच पर भून लें।(ध्यान रखे ज्यादा न भूने) आटा पके हुए लौकी के सूप में मिलाएं। ब्लेंडर की मदद से मिला लें। पुदीना पते हाथों से तोड़कर डालें। कालीमिर्च पाउडर डालें। 2 से 3 मिनट तक पकाएं। क्रीम और पुदीना पते से सजाए और गरमा गरम परोसे। लौकी मूंगफली सूप को आप अपने खाने के पहले परोसें। आप इस सूप को बीन स्प्राउट और कॉर्न सलाद के साथ सेहतमंद भोजन के लिए भी परोस सकते है।

साउथ इंडियन गाजर पोरियल

- 4 गाजर, छोटे या लंबे कटे हुए
- 1/2 छोटा चम्मच राई
- 1/2 छोटा चम्मच सफेद उड़द दाल
- 1 सुखी लाल मिर्च
- 4 कड़ी पत्ता, बीच में से तोड़े हुए
- 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/4 छोटा चम्मच हींग
- 1/4 कप नारियल किसा हुआ
- 1 छोटा चम्मच तेल
- नमक, स्वाद के अनुसार

विधि

साउथ इंडिया गाजर पोरियल बनाने के लिए, सबसे पहले कटी हुई गाजर को प्रेशर कुकर में नमक और पानी के साथ भाप लें। कुकर में 2 सिटी आने तक उसे भापें, प्रेशर निकालें और जब वो नरम हो जाए उसे साइड में रख दें। अब इसमें तड़का लगाने के लिए, एक कढ़ाई में तेल गरम करें। जब वो गरम हो जाए तो उसमे राई, कड़ी पत्ता, उड़द दाल और लाल मिर्च डालें। इसे 10 से 15 सेकंड्स के लिए पकने दें। सुनहरा होने के बाद उसमे हींग, हल्दी पाउडर, गाजर और नमक डालें। कुछ मिनट के लिए पकाए और उसे नारियल से गार्निश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, क्षुचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

▯ ▯ ▯

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

▯ ▯ ▯

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

▯ ▯ ▯

काकुरो पहेली - 4026

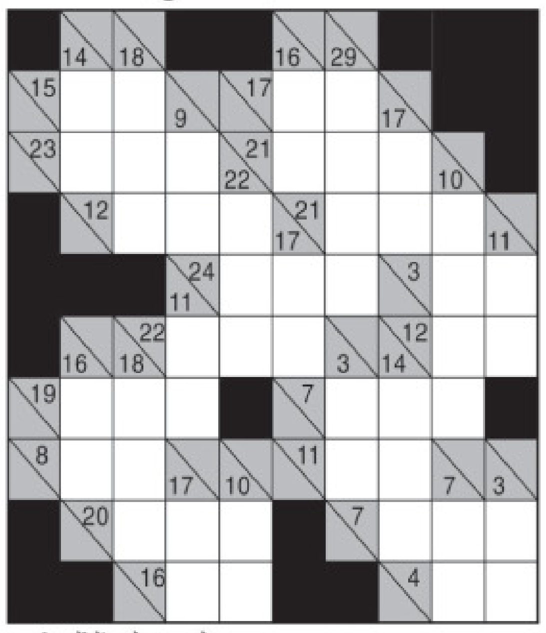

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

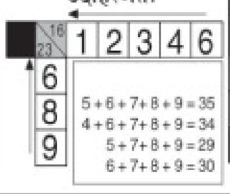

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 4025 का हल

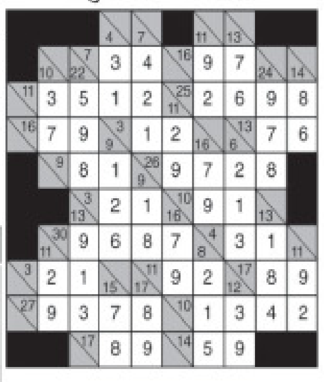

फिल्म वर्ग पहेली- 4026

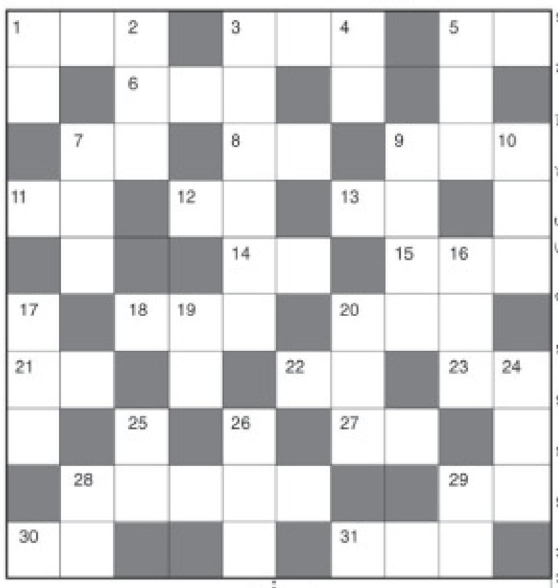

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरुख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरुदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4025

सूडोकु -4026

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4025 हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली -4026

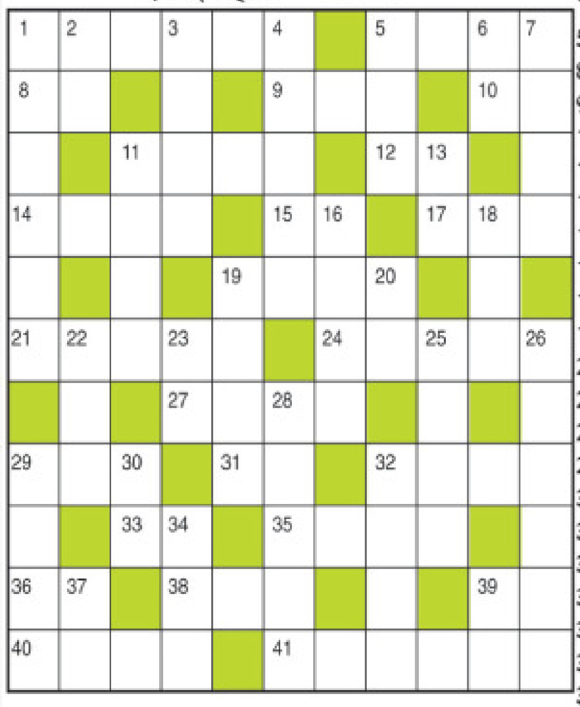

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.ढौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टोंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणत:-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली 4025 का हल

एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच में शामिल नहीं हुए बाजवा, एक दिन का मांगा समय

एजेंसी

चंडीगढ़। मोहाली के स्टेट साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज होने के बावजूद पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा जांच में शामिल नहीं हुए। उन्होंने पुलिस से एक दिन का समय मांगा है। अब बाजवा मंगलवार को मोहाली पुलिस के समक्ष पेश होंगे। विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू के बाद मुश्किलों में घिर गए हैं। बाजवा ने दावा किया था कि पंजाब में 50 बम आए हैं, जिसमें से 18 धमाके हो चुके हैं और 32 अभी बाकी हैं। इसके बाद रविवार को देर रात बाजवा के विरुद्ध मोहाली के स्टेट साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 197 (1) (डी) और 353 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने उन्हें सोमवार दोपहर 12 बजे पूछताछ के लिए बुलाया था। बाजवा के वकीलों ने मोहाली पहुंचकर पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। साथ ही कहा कि वह आज पेश नहीं हो सकते। ऐसे में उन्हें एक दिन का समय दिया जाए। इस पर अधिकारियों ने मंगलवार को जांच के लिए पेश होने की मोहलत दे दी है। दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी के विधायक और सांसद बाजवा के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने सरकार की इस कार्रवाई को गलत बताया है। कल सुबह दस बजे कांग्रेस ने चंडीगढ़ में प्रदर्शन करने का फैसला लिया है।

सुमन को सुरक्षा देना राजधर्म तो मुर्शिदाबाद के हिन्दुओं की सुरक्षा क्यों नहीं: अम्बरीष सिंह

लखनऊ। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद में चरमपंथियों द्वारा हिन्दुओं की हत्या पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता अम्बरीष सिंह ने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में कहा कि देश के महानायकों में से एक को अपशब्द कहने वाले, अपमानित करने वाले सांसद रामजीलाल सुमन को सुरक्षा देना राजधर्म है तो पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद में इस्लामी चरमपंथियों के सामने निर्दोष हिन्दुओं को मरने के लिए छोड़ देना क्या है? उन्होंने कहा कि एक सत्तालोलुप महिला जिसके सत्ता का महल ही बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्याओं और इस्लामपंथी अराजक तत्वों के सहारे खड़ा है, उसके भरोसे यदि केन्द्र सरकार बंगाल के हिन्दुओं के जान-माल और सम्मान की सुरक्षा छोड़ती है तो यह हिन्दू, देश और संविधान के साथ घोर विश्वासघात होगा। विहिप के प्रवक्ता ने कहा कि ममता बनर्जी की सौ गलतियां पूरी नहीं हुईं? केशव के सुदर्शन का संधान आखिर कब होगा? बंगाल में हिन्दू मारे जा रहे हैं। देश का संविधान लहराने वाले सेकुलर गैंग, नुक्कड़ नाटक करने वाले, जगह -जगह मोर्चा खोलने वाले तथाकथित प्रगतिवादी लेखक, पत्रकार, कलाकार और विचारक बंगाल में गधे के सिर से सींग की तरह गायब हैं। यदि बंगाल की प्रतिक्रिया देश के अन्य स्थानों पर आरम्भ हो गई तो क्या होगा। पलायन के लिए धरती कम पड़ जाएगी।

गुजरात में पकड़ी गई 300 किलो ड्रग्स को समुद्र के रास्ते तमिलनाडु भेजने की थी तैयारी

पोरबंदर। पोरबंदर के अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के समीप गुजरात एटीएस और भारतीय कोस्ट गार्ड (आईसीजी) की संयुक्त कार्रवाई में 1800 करोड़ रुपये की 300 किलो ड्रग्स बरामद की गई है। पाकिस्तान की फिशिंग बोट से गुजरात के समुद्र तट तक लाने के बाद ड्रग्स की यह खेप तमिलनाडु भेजने की तैयारी थी। बरामद ड्रग्स प्रतिबंधित सामग्री मेथमफेटामाइन बताई जा रही है। बरामद ड्रग को आगे की जांच के लिए आईसीजी के जहाज से पोरबंदर लाया गया है। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) के डीआईजी सुनील जोशी ने अहमदाबाद में बताया कि एटीएस को गोपनीय जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान का फीदा नामक ड्रग माफिया 400 किलो अवैध मादक पदार्थ पाकिस्तान की फिशिंग बोट में भरकर गुजरात भेजने वाला है। सूचना के मुताबिक यह फिशिंग बोट 12 अप्रैल की शाम 8 बजे से 13 अप्रैल की सुबह 4 बजे के बीच पोरबंदर से 190 किलोमीटर दूर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के समीप समुद्र के किनारे तक आनी थी। सूचना में यह भी बताया गया था कि इस खेप को यहां से तमिलनाडु भेजा जाना है।

लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में लगी आग, एक व्यक्ति की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित लोकबंधु अस्पताल में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। इसके बाद 200 से अधिक मरीजों को आपातकालीन स्थिति में शहर के विभिन्न अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, आग इमारत की दूसरी मंजिल पर लगी। मरीज और कर्मचारी स्थिति को जब तक पूरी तरह समझ पाते, उससे पहले ही आग तेजी से फैल गई। सिविल अस्पताल के एक डॉक्टर के अनुसार, सिविल अस्पताल में भर्ती कराए गए 24 मरीजों में से एक की मौत हो गई है, जबकि बाकी की हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही कृष्णा नगर थाने से स्थानीय पुलिस के साथ-साथ कई दमकल गाड़ियां अस्पताल पहुंचीं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, आग लगने का कारण शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य अतीत के स्वर्णिम पृष्ठ का प्रकटीकरण : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल/ नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश की राजधानी में लाल किले की प्राचीर पर ऐतिहासिक महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन उस युग को जीवंत करने का प्रयास है। यह विश्व में भारत द्वारा सुशासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्थापित करने की दिशा में कारगर रहेगा। फिल्मों के निर्माण और डिजिटल युग के बावजूद प्राचीन नाट्य परम्परा से परिचित करवाने वाले इस महानाट्य के अंश अविस्मरणीय रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रात नई दिल्ली में तीन दिवसीय महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के मंचन के समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में महानाट्य के कलाकारों का सम्मान भी किया गया। इसमें

अनेक जनप्रतिनिधि, धर्म और आध्यात्म क्षेत्र की हस्तियां और बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विरासत के संरक्षण के साथ विकास का मंत्र दिया है। वास्तव में वर्तमान काल अद्भुत है। प्रधानमंत्री मोदी स्वयं को प्रधान सेवक मानते हैं। आज भारत की गरिमा विश्व में निरंतर बढ़ रही है। एक समय था जब सम्राट विक्रमादित्य ने न्याय, वीरता और सुशासन के महत्व को स्थापित किया। सम्राट विक्रमादित्य के युग को पुनः महानाट्य के माध्यम से जीवंत किया गया है। सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न पक्षों को महानाट्य के माध्यम से आमजन सामने लाने का अभूतपूर्व कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि नाट्य विधा एक प्राचीन विधा है।

आज के डिजिटल युग में भी इस विधा का महत्व बरकरार है। फिल्मों के निर्माण के साथ अनेक माध्यमों से कला और संस्कृति के दर्शन होते हैं लेकिन महानाट्य से सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और शासन काल को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने एनडीए से सभी रिश्ते खत्म करने की घोषणा की

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व आखिरकार पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस और उनकी पार्टी रालोजपा(राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी) ने एनडीए से सभी रिश्ते खत्म करने की घोषणा कर ही दी। पटना के बापू सभागार में अम्बेडकर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पशुपति पारस ने कहा कि अब हम अपनी पार्टी और संगठन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। साथ ही जहां हमें उचित सम्मान दिया जाएगा, हम उन्हीं लोगों के साथ जाएंगे। उन्होंने एनडीए की सरकार को दलित विरोधी और भ्रष्टाचारी बताया। पशुपति पारस इस दौरान उन्होंने वक्फ बिल को मुसलमानों के साथ अन्याय बताया। उन्होंने कहा बाबा साहब ने सभी को मौलिक अधिकार दिया है। वक्फ बिल का हम विरोध करते हैं। मौके पर पशुपति पारस पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामविलास पासवान को भारत रत्न देने की मांग केन्द्र सरकार से की। लोकसभा चुनाव में सीट नहीं मिलने से पशुपति पारस नाराज चल रहे थे लेकिन अभी

तक उन्होंने एनडीए से अपने रिश्तों को खत्म करने की घोषणा नहीं की थी। हाल में ही दही चूड़ा भोज में पारस लालू यादव के घर पहुंचे थे तब से ही उनके महागठबंधन में जाने के कयास लगाये जा रहे थे,जिसे आज उनके बयान के बाद लगभग सही माना जा सकता है।

राम मंदिर के मुख्य शिखर पर कलश स्थापित, मुख्यमंत्री योगी ने जताई प्रसन्नता

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण ने एक और ऐतिहासिक पड़ाव पार कर लिया। ब्राह्मणों की उपस्थिति में वैदिक विधि-विधान के साथ मुख्य शिखर पर कलश स्थापित किया गया। यह पवित्र कार्य सुबह 9:15 बजे शुरू हुआ और 10:30 बजे शिखर पर कलश की स्थापना पूरी हुई।इस अवसर पर अयोध्या में उत्सव का माहौल रहा और स्थानीय लोगों ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया। राम मंदिर के निर्माण और अयोध्या के कायाकल्प से न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश में रामभक्ति की लहर और मजबूत हो रही है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि बैशाखी और बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जन्म जयंती के शुभ अवसर पर यह कार्य संपन्न हुआ। अब मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वजदंड स्थापना की प्रक्रिया शुरू होगी। मंदिर निर्माण प्रगति पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि राम मंदिर का निर्माण न केवल आध्यात्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा की को विश्वस्तरीय तीर्थस्थल बनाने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। सड़क, रेल और हवाई संपर्क के साथ-साथ पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार

अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण देशवासियों की आस्था और संकल्प का परिणाम है। यह भारत की सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर और सशक्त करेगा। योगी ने ट्रस्ट और निर्माण कार्य से जुड़े सभी लोगों की सराहना की और इसे 'नए भारत' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अयोध्या किया जा रहा है। चंपत राय ने जानकारी दी कि मंदिर परिसर से अब निर्माण मशीनें हटाई जाएंगी। प्रथम तल पर राजा राम, परकोटे और सप्तऋषियों के मंदिरों में मूर्तियों की प्रतिष्ठा का कार्य भी शीघ्र शुरू होगा। मंदिर का निर्माण कार्य निर्धारित समय पर आगे बढ़ रहा है, जिससे भक्तों में उत्साह है।

सुशासन की पहली शर्त है रूल ऑफ लॉ, समयबद्ध और सहज न्याय सरकार की प्राथमिकताः सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। सुशासन की पहली शर्त है रूल ऑफ लॉ। यह समयबद्ध, सहज और सरल हो और एक कॉमन मैन के साथ सामान्य कार्मिक वहां तक पहुंच बना सके। उसकी समय पर सुनवाई और मेरिट के आधार पर मामलों का निस्तारण हो, यह जरूरी है। आज का दिन हम सभी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण क्योंकि भारत के संविधान के शिल्पी बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की पावन जयंती को दलित, वंचित और समाज के उपेक्षित वर्ग को न्याय दिलाने के महामानव के रूप में मनाते हैं। इसको लेकर सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है। हमारे न्यायालय में बहुत मामले लंबित पड़े हुए हैं। इन लंबित मामलों के लिए कोर्ट के अनावश्यक समय को जाया ना करना पड़े, इसके लिए ट्रिब्यूनल के स्तर पर मामलों की अलग से सुनवाई हो। इस मंशा के अनुरूप ट्रिब्यूनल ने देश में अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) लखनऊ खंडपीठ के उद्घाटन कार्यक्रम में कही। इस दौरान केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा

कि ट्रिब्यूनल समयबद्ध तरीके से संबंधित पक्षों को मेरिट के स्तर पर न्याय प्रदान कर सके, यह सरकार की प्राथमिकता में है। कैट की भूमिका भी ऐसी ही है। केंद्रीय सरकार से जुड़े हुए विभिन्न सरकारी उपक्रम और शासकीय व्यवस्था से जुड़े हुए अधिकारियों और कार्मिकों को किसी स्तर पर न्याय नहीं मिल पाया, उनके लिए प्लेटफॉर्म देने और समय पर न्याय देने में कैट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि फुल बेंच हो या सर्किट बेंच अगर उनके पास कोई भी संसाधन नहीं है तो वहां दूसरों को न्याय प्रदान करने के लिए कितने एग्रेसिव तरीके से अपने कार्य को आगे बढ़ा पाएंगे, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। आज यहां पर 16 जनपदों के केंद्रीय कार्मिकों के लिए कैट की व्यवस्था की गई है। यहां शानदार भवन बना करके तैयार हो गया है।

श्रीराम मंदिर ट्रस्ट को तमिलनाडु से मिला धमकी भरा संदिग्ध ईमेल, बढ़ाई गई सुरक्षा

एजेंसी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को एक संदिग्ध ईमेल मिला है, उसमें श्रीराम जन्मभूमि को उड़ाने की धमकी दी गई है। यह ईमेल तमिलनाडु से भेजा गया है। इसके बाद पुलिस ने मंदिर परिसर की सुरक्षा बढ़ाते जांच शुरू कर दी है। हालांकि इस मामले को लेकर अभी तक राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है। राम जन्मभूमि के निर्माण कार्य को पूरा कराने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट लगातार लगा हुआ है। इसी दौरान राम मंदिर की सुरक्षा को खतरा होने के संबंध में चेतावनी भरा ईमेल श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिलने पर परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई हैं। पुलिस ने इस संदिग्ध ईमेल की जांच शुरू कर दी है और धमकी भरा ईमेल भेजने वालों की खोजबीन शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक सुरक्षा बीसी दुबे ने बताया कि संदिग्ध ईमेल तमिलनाडु से आया हुआ बताया जा रहा हैं।

बीएसएफ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्धः एडीजी

एजेंसी

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पूर्वी कमान के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) रवि गांधी ने मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों के हिंसा प्रभावित और अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगे इलाकों का दो दिवसीय सघन दौरा शुरू किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर हालात का जायजा लिया और शांति बहाली का भरोसा दिलाया। एडीजी ने मीडिया से कहा कि बीएसएफ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और राज्य प्रशासन तथा पुलिस के साथ मिलकर जल्द शांति बहाल की जाएगी। वर्तमान हालात का लाभ उठाकर किसी भी असामाजिक तत्व द्वारा नापाक मंसूबे

को सफल नहीं होने दिया जाएगा। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के आईजी करण सिंह शेखावत और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एडीजी गांधी ने मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज और सूती थाना क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने हिंसा प्रभावित लोगों से आत्मीय संवाद कर उन्हें पूरी सुरक्षा और सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बीएसएफ नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और जल्द स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में लाया जाएगा। दौरे के दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से भी भेंट कर मौजूदा हालात पर चर्चा की और बीएसएफ की ओर से हर संभव सहयोग देने की बात कही। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से भी समन्वय स्थापित कर शांति व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में साझा प्रयासों पर जोर दिया। हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में तैनात बीएसएफ जवानों से मुलाकात कर एडीजी गांधी ने उनके साहस और सतर्कता की सराहना की। उन्होंने कहा कि जवानों ने कठिन हालात में भी संयम और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया, जिससे स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में लाई जा सकी है। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश से सटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा वाले इलाकों का भी निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। गांधी ने अधिकारियों को पूर्ण सतर्कता बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

योगी के कार्यकाल में कैट के लखनऊ न्यायपीठ को मिला नवनिर्मित भवन : जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) की लखनऊ न्यायपीठ के नव निर्मित कार्यालय भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस भवन का निर्माण भी मुख्यमंत्री के सहयोग से सम्भव हो सका है। अधिकारियों को न्याय प्राप्त करने में सरलता रहे, इसके लिए केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण बनाया गया था। सीएम योगी के कार्यकाल में लखनऊ न्यायपीठ को अपना भवन मिलने का सौभाग्य मिल रहा है। केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा कि सीएम योगी ने जमीन देने में थोड़ा देर भी नहीं किया। 25 करोड़ में नव निर्मित कार्यालय भवन बनकर तैयार हो गया है। केन्द्र में 2014 में मोदी की सरकार बनने के बाद केन्द्रीय

प्रशासनिक अधिकरण में मामलों के निस्तारण की संख्या बढ़ी है। इसके आंकड़ें हैं। अधिकारियों का भी हौसला बढ़ा है। पहले उन्हें लगता था कि कैट जाएंगे तो बाद में हाईकोर्ट जाना पड़ेगा। इसमें लखनऊ और इलाहाबाद के ढ़ेर सारे मामले हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे न्यायालयों में बहुत सारे मामले लम्बित पड़े हुए हैं। इसके लिए ट्रिब्यूनल ने देश में अलग-अलग हिस्सों में कार्य करना आरम्भ किया। इसमें कैट का कार्य था केन्द्रीय कर्मियों को न्याय देना। कैट का जो नव भवन बनकर तैयार हुआ है, यहां से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप केन्द्र के सभी कर्मियों को न्याय दिलाने के लिए कार्य होगा। उन्होंने कहा कि एक सामान्य नागरिक, केन्द्रीय कार्मिक अपने न्याय को समय से प्राप्त कर सके। न्यायिक व्यवस्था में लम्बा समय लगता है। न्याय मिलने में कई बार पीढ़ियां निकल जाती हैं। सन् 1956 में एक मुकदमा न्यायालय में गया और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचते हुए तीन पीढ़ियां निकल गयीं। इसी तरह कोई केन्द्रीय कर्मी जो कैट की शरण में आता है और उसके मुकदमें में पन्द्रह वर्ष निकले गये तो उसकी क्या हालत होगी। पैतींस वर्ष की नौकरी की आयु में पन्द्रह वर्ष निकल गये तो अभी भी उसे न्याय नहीं मिला है तो आगे भी उसे न्याय नहीं मिलेगा।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन के तहत हों 2026 का विधानसभा चुनावः शुवेंदु अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता । मुर्शिदाबाद में हाल ही में भड़की हिंसा को लेकर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नेता प्रतिपक्ष शुवेंदु अधिकारी ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रही है। वर्ष 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत कराए जाने चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अगले वर्ष अप्रैल-मई में होने हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मूक दर्शक बनी रही, जबकि भीड़ ने कई इलाकों में जमकर उत्पात मचाया। जहां भी हिंदू अल्पसंख्यक हैं, वहां उन्हें मतदान से रोका जाता है। पुलिस सत्तारूढ़ पार्टी की कैडर की तरह काम कर रही है। इसलिए निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव तभी

संभव हैं, जब राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए। आरोप लगाया कि हाल की हिंसा के पीछे जिहादी तत्व सक्रिय हैं, जिन्हें खुली छूट दी गई है। उन्होंने चुनाव आयोग से आग्रह किया कि वह स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रपति शासन की सिफारिश पर विचार करे। उल्लेखनीय है कि वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ शुरू हुआ विरोध धीरे-धीरे हिंसक झड़पों में बदल गया, जिसमें अब तक कम से कम तीन लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हुए हैं। प्रभावित इलाकों में दुकानों, घरों और होटलों को आग के हवाले कर दिया गया। उधर भाजपा के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि लोग बंगाल छोड़ नहीं रहे, बल्कि राज्य के भीतर ही स्थानांतरित हो रहे हैं। प्रशासन स्थिति सामान्य करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है और दोषियों की पहचान की जा रही है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल में संशोधित वक्फ कानून लागू नहीं किया जाएगा।

2 मई को बाबा तुंगनाथ और 21 मई को मद्महेश्वर के खुलेंगे कपाट

एजेंसी

देहरादून। पंचकेदारों में शामिल प्रतिष्ठित द्वितीय केदार श्रीमद्महेश्वर मंदिर के कपाट 21 मई को कर्क लग्न में पूर्वाह्न शुभ मुहूर्त पर विधिविधान से खोले जाएंगे। इसी तरह तृतीय केदार बाबा तुंगनाथ के कपाट 2 मई को मिथुन लग्न में भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। पौराणिक परंपराओं के अनुसार पंच केदार गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में मंदिर समिति के आचार्य वेदपाठियों ने पंचाग गणना पश्चात मद्महेश्वर धाम के कपाट खुलने की तिथि की घोषणा की। श्री तुंगनाथ के शीतकालीन प्रवास मर्कटेश्वर मंदिर मक्कूमठ में आयोजित कार्यक्रम में आचार्य पुजारी विजय भारत मैठाणी ने कपाट खुलने की तिथि पूजा-अर्चना और पंचांग गणना के पश्चात तय की। इस संबंध में बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने बताया कि कपाट खुलने की तिथि तय होने के बाद रावल निवास सभागार में मंदिर समिति कर्मियों की यात्रा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से मद्महेश्वर की चल विग्रह डोली 18 मई को ओंकारेश्वर मंदिर परिसर में विराजमान होगी। प्रथम पड़ाव राकेश्वरी मंदिर रांसी प्रवास को 19 मई को पहुंचेगी। 20 मई द्वितीय पड़ाव गौंडार प्रवास करेगी और 21 मई सुबह को श्री मद्महेश्वर मंदिर पहुंचेगी। बुइसके बाद श्रीमद्महेश्वर मंदिर के कपाट 21 मई दिन बुधवार को कर्क लग्न में पूर्वाह्न शुभ मुहूर्त 11.30 बजे विधिविधान से खोले जाएंगे।इसके अलावा तृतीय केदार बाबा तुंगनाथ की चल विग्रह डोली 30 अप्रैल को मर्कटेश्वर मंदिर मक्कूमठ स्थित भूतनाथ मंदिर पहुंचेगी।

संघ कार्यालय केशव भवन का डा. मोहन भागवत ने किया लोकार्पण

एजेंसी

कानपुर। शहर के कारवालो नगर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चार मंजिला केशव भवन कार्यालय का सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने लोकार्पण किया। इस दौरान सरसंघचालक ने कार्यालय परिसर के अंदर बने बाबासाहेब अंबेडकर सभागार का भी उद्घाटन किया। संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख डॉक्टर अनुपम ने बताया कि चार मंजिला भवन को कड़ी मेहनत के साथ 17 महीना में तैयार किया गया है। 6500 स्क्वायर फीट में बना यह भवन इसलिए भी खास है। क्योंकि इसमें गाय के गोबर से पेंट किया गया है। जिस वजह से इस भवन का तापमान कम रहता है। भवन के अंदर वायु संचार भी वातावरण के अनुकूल रहता है। इस भवन को बनाने में सादगी का बेहद ध्यान

में रखते हुए जगह-जगह खिड़कियां भी बनाई गई है। जिससे कि दिन के उजाले में भवन के अंदर बिजली या रोशनी जलाने की आवश्यकता ना पड़े। इस भवन में एक भी एयर कंडीशनर नहीं लगाया गया है। जिसके पीछे का उद्देश्य यह है कि यह सेवा का भवन है। इसलिए इसमें एयर कंडीशनर नहीं लगाया गया है। इस बिल्डिंग को शून्य रखरखाव से बनाया गया है। जिसमें बताया गया है कि अगले सौ सालों तक यह भवन इसी प्रकार रहेगा।भवन के बाहर और अंडरग्राउंड पार्किंग भी तैयार की गई है। भवन के अंदर किसी भी तरह का आरामदायक काम नहीं किया गया है। मसलन बॉथरूम तक में ठंडा और गरम पानी के लिए नल नहीं लगाए गए हैं। क्योंकि संघ कार्यालय सेवा और शक्ति के प्रतीक माने जाते हैं। इसलिए इनमें लग्जरी वस्तुओं का प्रयोग नहीं किया गया है। इसके साथ ही इस भवन में एक लाइब्रेरी भी बनाई गई है। जहां पर हिंदू धर्म की पुस्तक और ज्ञानवर्धक भी पुस्तक रखी गई है।

फैमिली ट्रिप

ठंडी फिजाएं, हमको बुलाएं

गर्मी में खूबसूरत और कूल-कूल डेस्टिनेशंस की सैर का आनंद ही कुछ और होता है। वैसे, आप गोवा, शिमला, मसूरी, कुर्ग, मनाली, जम्मू-कश्मीर, ऊटी.. जैसी खूबसूरत जगहों की सैर कर चुके होंगे या फिर इनके बारे में जानते होंगे। इस बार ऐसी जगहों के बारे में जानना दिलचस्प होगा, जो न केवल खूबसूरत हैं, बल्कि जहां का मौसम भी हमेशा खुशगवार रहता है। तो फिर बना लें प्लान फैमिली के साथ इस मस्ती भरे कूल-कूल सफर पर चलने का..

मुन्नार: नैसर्गिक सौंदर्य का आकर्षण

केरल के इडुक्की जिले में स्थित मुन्नार बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। समर्स की छुट्टी में फैमिली के साथ ट्रिप की प्लानिंग कर रहे हैं, तो मुन्नार में वह सब कुछ है, जिसकी चाह सैलानियों और प्रकृति प्रेमी को होती है। दूर-दूर तक फैले खूबसूरत चाय के बागान, हरी-भरी घाटियां, वर्ष भर सुहाना मौसम, ऊंची-ऊंची चोटियां, अभयारण्य, प्राकृतिक खुशबू से भरी हवा के अलावा बाकी वह सब कुछ, जो फैमिली के साथ आपकी छुट्टियों को यादगार बना दे। यहां की लोकप्रियता का आलम यह है कि केवल देशी ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटकों की संख्या भी हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ी है। पूरी घाटी का सौंदर्य अविश्वसनीय है। यह केवल गर्मी से निजात पाने के लिए ही नहीं, बल्कि एडवेंचर की चाहत रखने वालों के लिए भी स्वर्ग की तरह है। यहां बड़ी संख्या में बाइकिंग और ट्रेकिंग ट्रेल्स के शौकीन भी आते हैं। यहां पक्षियों को देखना एक अनोखा अहसास होगा। वैसे, यह क्षेत्र कई प्रकार की दुर्लभ प्रजातियों का घर भी है। आप फैमिली के साथ इरवीकुलम नेशनल पार्क देख सकते हैं। यह मुन्नार का प्रमुख पर्यटन आकर्षण है। दक्षिण भारत की सबसे ऊंची चोटी, अनामुडी पीक इस पार्क के अंदर ही स्थित है। इसके अलावा, राजमाला नेशनल पार्क, न्यामकड़ व्यू प्वाइंट, चंदन वन, आनंद महुपेट्टी डैम देखने लायक है। मुन्नार के आस-पास देवीकुलम लेक टाउन और मरयूर भी जा सकते हैं। खेतों में पसरी मसालों और चंदन की महक मन को मोह लेगी। यहां का मौसम बेहद खुशगवार रहता है। आपको जून-जुलाई में भी शॉल और गर्म कपड़ों की जरूरत पड़ सकती है। तापमान अधिकतम 25-26 डिग्री तक जाता है। नजदीकी एयरपोर्ट कोच्चि 120 किमी. दूर और थेनी रेलवे स्टेशन 60 किमी. दूर स्थित है। दिल्ली से कोच्चि तक हवाई जहाज से जा सकते हैं।

लद्दाख: भारत का मिनी तिब्बत

सुंदर झीलों, आकर्षक मठ, मन को सम्मोहित कर देने वाले दृश्य, बर्फ से ढकी और आसमान को छूती पहाड़ की चोटियों के बीच फैमिली के साथ बिताए गए एक-एक पल को ताउम्र भूल नहींपाएंगे। ऐसी ही खूबसूरत जगह है-लद्दाख, जो जम्मू-कश्मीर का मशहूर पर्यटन स्थल है। यह काराकोरम और हिमालय के बीच समुद्र की सतह से करीब 3500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इसके पूर्व में तिब्बत के पठार, तो उत्तर में मध्य एशिया, पश्चिम में कश्मीर है, तो दक्षिण में लाहौल स्पीति की घाटियां हैं। इसे मिनी तिब्बत भी कहा जाता है। लद्दाख में लेह और कारगिल दो बड़े शहर हैं। यहां की मशहूर पैन्गोंग झील का सौंदर्य देखते ही बनता है। 'लेह' के अलावा, अलची, नुब्रा घाटी, जांस्कर घाटी, पैन्गोंग त्सो आदि दर्शनीय स्थल हैं। हेमिस मठ, शंकर गोम्पा, माथो मठ, शे गोम्पा, हिक्से मठ और समो मठ भी देखने लायक हैं। यह इलाका ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए भी काफी लोकप्रिय है। दुनिया की सबसे ऊंचाई पर स्थित सड़कों के अलावा, इस इलाके में सात हजार मीटर से ऊंची कई चोटियां हैं। लद्दाख की सैर के लिए मई से सितंबर का समय उपयुक्त है। इस दौरान यहां का मौसम सुहाना रहता है। आप यहां आकर खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। लेह के लिए दिल्ली, जम्मू और श्रीनगर से सीधी उड़ानें हैं। लेह जाने के दो रास्ते हैं। एक श्रीनगर से 434 किलोमीटर और दूसरा मनाली से 473 किलोमीटर है। दोनों रास्ते जून से नवंबर तक ही खुले रहते हैं। साल के बाकी समय आप वायु मार्ग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नैनीताल: झीलों का शहर

फैमिली के साथ सुकून के पल गुजारने के लिए नैनीताल से बेहतर और क्या हो सकता है। यहां की हरी-भरी घाटी, झीलें, ऊंची-ऊंची पहाड़ियां, जंगल और प्रकृति के मनोहारी दृश्य बरबस ही सैलानियों को आकर्षित करते हैं। यह झीलों के शहर के नाम से भी मशहूर है। यहां के नैनी झील की खूबसूरती का कहना ही क्या! यहां का दृश्य सम्मोहित कर देने वाला है। झील के पानी में जब सुबह की किरणें पड़ती हैं, तो इसका सौंदर्य देखने लायक होता है। यहां आप फैमिली के साथ बोटिंग को भी एंज्वॉय कर सकते हैं। आस-पास देखने लायक ऐसी बहुत सारी जगहें हैं, जो मन मोह लेंगी। नैनीताल से लगभग 10 किमी. दूर सुंदर 'किलबरी' मशहूर पिकनिक स्पॉट है। हरे-भरे ओक, पाइन और रोडोडेंड्रन से भरे जंगल इसे और खूबसूरत बनाते हैं। 'खुर्पाताल' झील के सम्मोहित कर देने वाले दृश्यों का आनंद लेने के लिए 'लैंड्स एंड' सबसे सही जगह है। वहीं 'स्नो-व्यू' तक पहुंचने के लिए रोपवे की मदद ले सकते हैं। नैनीताल की 'नैना पीक' सबसे ऊंची चोटी है। यहां का ईको केव गार्डन भी लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है। इसके अलावा, राजभवन, चिड़ियाघर, सेंट जॉन चर्च, पंगोट आदि यहां के अन्य पर्यटन आकर्षण हैं। गुर्ने हाउस, गुआनो हिल और अरबिंदो आश्रम भी देखने लायक हैं। नैनीताल के अलावा, आप यहां से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रानीखेत की सैर पर भी जा सकते हैं। यह खूबसूरत हिल स्टेशन है। नैनीताल देश के प्रमुख शहरों से रेल और बस सेवा से जुड़ा है। यह दिल्ली से 310 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। काठगोदाम रेलवे स्टेशन नैनीताल से 35 किलोमीटर की दूरी पर है। कई बड़े शहरों मसलन, दिल्ली, देहरादून, लखनऊ आदि से यह ट्रेन मार्ग से जुड़ा है। नजदीकी हवाई अड्डा पंत नगर 71 किमी. दूर है। यहां से दिल्ली के लिए उड़ानें हैं।

कलिम्पोंग: फूलों की वादियां

हवाओं के मंद झोंकों के साथ अठखेलियां करते ऊंचे पेड़, पहाड़ी नदियां और ऑर्किड के फूलों के बीच फैमिली के साथ समर्स की छुट्टियों का आनंद उठाना चाहते हैं, तो कलिम्पोंग की खूबसूरत वादियों से सम्मोहित हुए बिना नहीं रह पाएंगे। यहां ऐसा लगता है मानो कुदरत ने खुद इसे फूलों का हार पहना रखा हो। यह पश्चिम बंगाल में तीस्ता नदी के किनारे दार्जिलिंग से करीब 51 किमी. दूर 4100 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। डेलो, दुर्पीन, रेलीपाला, लोलेगांव, कफेर, लाभा आदि को देख कर लगता है कि प्रकृति ने इसे बड़ी फुरसत से तराशा होगा। सैलानियों को कफेर से दिखाई देने वाला सूर्योदय का मनोरम दृश्य खूब पसंद आता है। इसके अलावा, मोनेस्ट्री और चर्च की सैर भी आपको पसंद आएगी। आमतौर पर यहां गर्मी में भी तापमान 25-26 डिग्री तक ही पहुंच पाता है। मौसम सालभर सुहाना बना रहता है। नजदीकी एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन बागडोगरा एयरपोर्ट 70 किमी., न्यू जलपाइगुड़ी 70 किमी. दूर है। यह सिलिगुड़ी, कोलकाता, गुवाहाटी, पटना आदि से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है।

कसौली: गर्मी में एडवेंचर का मजा

मन को सुकून पहुंचाने वाली भरपूर प्राकृतिक सौंदर्य से रूबरू होने की चाहत रखने वाले सैलानियों के लिए हिमालच प्रदेश का कसौली जन्नत से कम नहीं है। यह समुद्र तल से करीब 1927 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। फूलों की खुशबू से महकती हरियाली, बर्फ से लदे पहाड़, खूबसूरत घाटियां, कल-कल बहती नदियां, पहाड़ों से निकलकर झूमते झरने और हॉट वॉटर स्प्रिंग्स सैलानियों को लुभाने का दम रखते हैं। वैसे, तो हिमाचल प्रदेश में एक से बढ़कर एक पर्यटन स्थल है, जैसे- शिमला, कांगड़ा,चंबा, चैल,पालमपुर, कुल्लू, धर्मशाला, डलहौजी आदि, लेकिन कसौली की बात ही कुछ और है। यहां के दिलकश माहौल में ट्रेकिंग, फिशिंग, पैराग्लाइडिंग, आइस स्केटिंग और गोल्फ जैसे एडवेंचर्स स्पो?र्ट्स का मजा ही कुछ और है। कसौली भारतीय सेना के छावनी शहर के रूप में भी मशहूर है। सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट, कसौली क्लब और लॉरेंस स्कूल कसौली के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं। आप मंकी प्वाइंट, कसौली भट्ठी, बाबा बालक नाथ मंदिर, क्राइस्ट चर्च, गोरखा फोर्ट आदि की सैर भी कर सकते हैं। यहां का निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ है, जो करीब 65 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन कालका रेलवे स्टेशन है, जो कसौली से लगभग 37 किलोमीटर की दूरी पर है। अप्रैल से सितंबर के बीच का मौसम काफी खुशगवार होता है।

वायनाड: अछूता सौंदर्य

दक्षिण भारत में गर्मी की छुट्टियों को एंज्वॉय करने के लिहाज से वायनाड परफेक्ट डेस्टिनेशन है। समुद्र तल से करीब 2100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यहां का कुदरती सौंदर्य आज भी अछूता है और सैलानियों के बीच तेजी से लोकप्रिय होता पर्यटन स्थल है। हरी-भरी वनस्पति के साथ धुंध से भरी पहाड़ियां और यहां की ताजी हवा अविस्मरणीय अहसास देती है। खूबसूरत पहाड़ी ढलानों और घने जंगलों के मध्य कई शानदार रिसॉर्ट्स हैं, जहां आयुर्वेदिक मालिश एवं स्पा की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो मन और शरीर को तरोताजा कर सकते हैं। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत समेटे यह इलाका वाइल्डलाइफ से भरपूर है। गहरी घाटियां खूबसूरत लगती हैं। यहां एडक्कल गुफाएं, थिरूनली मंदिर, पाकशिपथलम मकबरा, पजीहस्सी राजा का मकबरा, मीनमुट्टी जलप्रपात, पुकूट झील की सैर आपको पसंद आएगी। नजदीकी एयरपोर्ट और स्टेशन कोझिकोड है, जो करीब 25 किमी.दूर है। यह केरल के तमाम इलाकों से सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा है। नेशनल हाइवे 17 इसे दूसरे इलाकों से जोड़ता है।

भारत के सर्वश्रेष्ठ हिल स्टेशन, जहां हनीमून को बनाए यादगार

गर्मी के मौसम में ज्यादातर हनीमून कपल्स हिल स्टेशन का मजा लेना चाहते हैं। भारत में लोगों के बीच हिल स्टेशन का जबरदस्त क्रेज है। नवविवाहित जोड़ों के लिए हनीमून डिस्टनेशन बहुत मायने रखता है। क्योंकि यह डिस्टनेशन उनके लंबे समय तक यादगार बनाने में मदद करता है। आप पहाड़ियों और प्राकृतिक की गोद में अपना समय बिताना चाहते है तो हिल स्टेशन से बढ़िया कोई और जगह नहीं है। हिल स्टेशन अपनी प्रकृति और शुद्ध हवाओं से हनीमून कपल को जिंदगी को यादगार बना देती हैं। नवविवाहित जोड़े अपनी नई जिदंगी की शुरुआत को खूबसूरत बनाना चाहते हैं तो भारत के सर्वश्रेष्ठ हिल स्टेशन डिस्टनेशन की सैर पर जाएं।

ऊटी: प्राकृतिक सुंदरता का खजाना

नीलगिरि या नीले पर्वतों में बसा ऊटी दक्षिण भारत के सबसे प्रमुख हिल स्टेशनों में से एक है। ऊटी नवविवाहित जोड़े को टॉय ट्रेन के जरिए अपनी ओर आकर्षित करता है। भारत में ऊटी शहर हनीमून मनाने वालों की पसंदीदा जगह रहा है। शहर की भीड़भाड़ से दूर हनीमून कपल के लिए यह एक उम्दा स्पॉट है। खूबसूरत प्राकृतिक नजारे, घने जंगल, झरने, पहाड़ की चोटियां और दूर-दूर तक फैले चाय के बागान हनीमून कपल का मन मोह लेते हैं। ऊटी का नैसर्गिक सौंदर्य, धुंध से ढकी पहाड़ों की चोटियां, ओस से भीगी पेड़ों की पत्तियां और अनेक खूबसूरत नजारों को देखकर मन प्रफुल्लित हो जाता है।

मुन्नार: हरियाली खूबसूरती

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। दूर-दूर तक फैले खूबसूरत चाय के बागान, हरी-भरी घाटियां, वर्ष भर सुहाना मौसम, ऊंची-ऊंची चोटियां, अभयारण्य, प्राकृतिक खुशबू से भरी हवा के अलावा बाकी वह सब कुछ है जो आपकी हनीमून को यादगार बना सकता है। वनों और हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी फूल पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। यह फूल बारह वर्षों में केवल एक बार ही खिलता है। एडवेंचर के शौकीन भी यहां आते हैं। झीलें और घने जंगल यहां की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं।

खंडाला: प्राकृतिक सौंदर्य का पिटारा

खंडाला महाराष्ट्र का बेहतरीन और हनीमून कपल के लिए खास हिल स्टेशन है। पर्वतीय स्थल खंडाला का नाम किसी भी पर्यटक सूची में सबसे पहले होता है। खूबसूरत पहाड़ों और झरनों के बीच बसे इस लोकप्रिय हिल स्टेशन का मनोरम दृश्य किसी को भी मोहित कर देगा। मानसून के दौर यहां का नैसर्गिक सौंदर्य जीवंत हो उठता है। चारों ओर हरियाली छा जाती है और सभी सूखे झरने और तलाब पानी से भर जाते हैं। सहयाद्रि पर्वत श्रृंखला की पहाड़ियों और घाटियों में बसे इस स्थान पर पूरे साल भर आनंददायक मौसम रहता है। कपल्स विभिन्न आकर्षण स्थलों अमृतांजन पॉइंट, ड्यूक्स नोज़, रेवुड पार्क और भुशी बांध आदि पर जाकर आनंद ले सकते हैं।

धनौल्टी: सौंदर्य व शांति का संगम

शहर की भीड़भाड़ से दूर धनौल्टी के घने जंगल में हनीमून कपल को काफी सुकून मिलती है। ऊंचे-ऊंचे देवदार और बलूत वृक्षों के बीच स्थित इस हिल स्टेशन का नजारा बेहद शांत और आकषर्क लगता है। उत्तराखंड की गोद में स्थित धनौल्टी गढ़वाल का मशहूर हिल स्टेशन है जो मसूरी से लगभग तीस किलोमीटर दूर स्थित है। धनौल्टी काफी शांतिपूर्ण स्थल के रूप में भी जाना जाता है। देखने लायक जगहों में बारेहीपानी और जोरांडा फॉल्स, दशावतार मंदिर, ईको-पार्क, सुरकंडा देवी, हिमालयन वीवर्स, जैन मंदिर आदि शामिल हैं। धनौल्टी प्रकृति की गोद में एक अत्यंत खूबसूरत पर्यटक स्थल है।

कसौली: हिमाचल का प्रवेश द्वार

कसौली हिमाचल प्रदेश का छोटा पर्वतीय स्थल है। यहां प्रत्येक ऋतु व मौसम में तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूल इस जगह को और भी आकर्षित बनाते है जो पर्यटकों का मन मोहने के लिए काफी हैं। कसौली शांत, साफ-सुथरा और खूबसूरत पर्यटन स्थल है। फूलों की खुशबू से महकती हरियाली, खूबसूरत घाटियां, कल-कल बहती नदियां, पहाड़ों से निकलकर झूमते झरने पर्यटकों को लुभाने का दम रखते हैं। घाटी के मनोरम दृश्यों के साथ ही लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता प्रदान करता है। कसौली ताजगी और शांति का आदर्श हनीमून डिस्टनेशन है। सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट और लॉरेंस स्कूल कसौली के पर्यटन स्थल है जो विश्व में भी प्रसिद्ध हैं। प्रकृति के बीच स्थित यह शहर क्राईस्ट चर्च, मंकी पॉइंट, कसौली भट्ठी और गोरखा फोर्ट (किला) के लिए भी जाना जाता है।

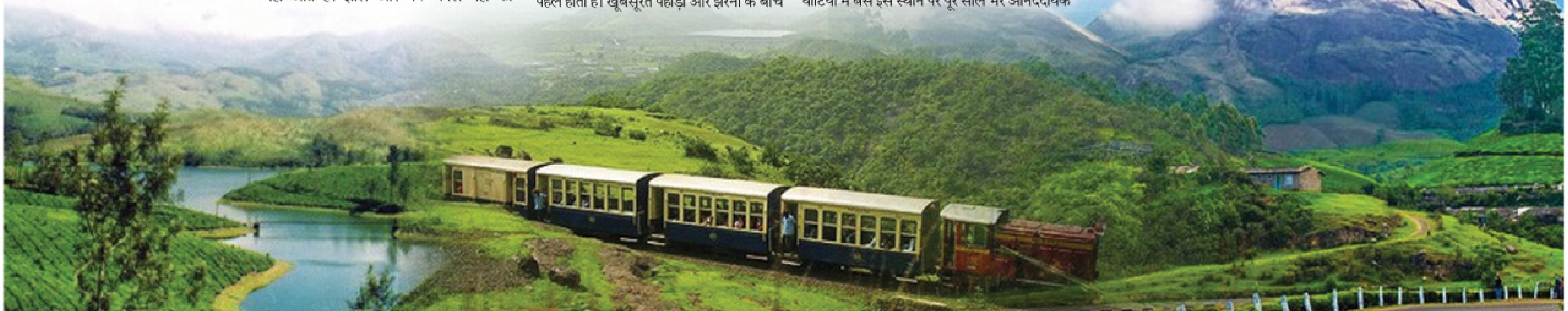

आईएसएसएफ विश्व कप का दूसरा चरण पेरू शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन स्टेज के दूसरे चरण की शुरुआत पेरू की राजधानी लीमा स्थित लास पालमास रेंज में मंगलवार (15 अप्रैल, 2025) से होने जा रही है। पहले दिन पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल होंगे। तीनों श्रेणियों-राइफल, पिस्टल और शॉटगन, में कुल 15 इवेंट्स होंगे, जिनमें 43 देशों के लगभग 400 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारत की 35 सदस्यीय टीम इस चरण में भाग ले रही है और साल के अंत में होने वाली प्रतिष्ठित आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप से पहले अपना दबदबा कायम करने की कोशिश करेगी। पहले चरण का आयोजन पिछले सप्ताह अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुआ था, जहां भारत ने कुल आठ पदक जीते थे, जिनमें चार स्वर्ण पदक शामिल थे। भारत तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। लीमा में भी दोनों देशों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। मंगलवार को भारतीय प्रशंसकों की निगाहें महिलाओं की एयर पिस्टल में मनु भाकर, सुरुचि और सैयम पर होंगी, जबकि पुरुषों की स्पर्धा में सौरभ चौधरी, वरुण तोमर और रविंदर स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करेंगे।

स्पोर्ट्सस्किल अब अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में क़दम रखने को तैयार, कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का ऐलान

पुणे। खेल तकनीक की दुनिया में तेज़ी से उभर रही कंपनी स्पोर्ट्सस्किल ने 2025 के लिए अपने बड़े और महत्वाकांक्षी योजनाओं का ऐलान किया है। कंपनी ने हाल ही में वाइमिया बे इन्वेस्टमेंट्स से शुरुआती पूंजी निवेश (प्री-सीड निवेश) प्राप्त किया है, जिसे कनरथ पी. बलाराज प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस निवेश के जरिए स्पोर्ट्सस्किल अब अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में क़दम रखने की तैयारी कर रही है और खेल प्रशिक्षण के क्षेत्र में नवाचार लाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। कंपनी का लक्ष्य है कि 2025 की दूसरी छमाही तक अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में अपनी पहुंच बनाए। इसके साथ ही स्पोर्ट्सस्किल की उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित खेल प्रशिक्षण ऐप खिलाड़ियों को आँकड़ों के आधार पर विश्लेषण और व्यक्तिगत कोचिंग प्रदान करेगी, जिससे उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का एक नया मानक स्थापित होगा। इसके अतिरिक्त कंपनी ने पुणे में देश का पहला उच्च प्रदर्शन गेम आधारित प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने का ऐलान किया है। इस केंद्र में खिलाड़ियों को फ़िटनेस, तकनीक और प्रतिस्पर्धात्मक जज़्बा बढ़ाने का अवसर मिलेगा। प्रशिक्षण को खेल का रूप देकर इसे रोचक और आकर्षक बनाया गया है, जिससे खिलाड़ी मज़े के साथ-साथ पेशेवर तरीके से अपनी क्षमता को निखार सकें।

आईटीटीएफ विश्व कप 2025: मनिका, श्रीजा ने ग्रुप स्टेज के शुरुआती मैच जीते

नई दिल्ली। ओलंपियन मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला ने चीन के मकाऊ में आईटीटीएफ विश्व कप में अपने ग्रुप चरण के पहले मैच में जीत हासिल की।ग्रुप 16 में शामिल विश्व की 30वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने न्यू कैलेडोनिया की मेलिस गिरेट को 4-0 (11-1, 11-2, 11-6, 11-4) से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय खिलाड़ी का सामना अपने अंतिम ग्रुप चरण के मैच में ब्राजील की विश्व की 23वें नंबर की खिलाड़ी ब्रूना ताकाहाशी से होगा।ग्रुप 9 में विश्व की 34वें नंबर की खिलाड़ी श्रीजा ने ऑस्ट्रेलिया की कॉन्स्टेंटिना साइहोगियोस को 3-1 (11-9, 11-4, 11-8, 6-11) से हराया। विश्व की 13वें नंबर की खिलाड़ी रोमानिया की बर्नडेट स्ज़ोक्स ग्रुप की तीसरी खिलाड़ी हैं। मनिका और श्रीजा टूर्नामेंट में केवल दो भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। कोई भी भारतीय पुरुष पैडलर इस इवेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया। टूर्नामेंट में दो चरण शामिल हैं। स्टेज 1 में, 48 खिलाड़ियों (पुरुष और महिला दोनों एकल में) को तीन के 16 समूहों में विभाजित किया जाता है। स्टेज 1 में मैच चार गेम के होते हैं, जिसमें जीत-हार के अनुपात के आधार पर अंतिम रैंकिंग होती है। प्रत्येक समूह का विजेता स्टेज 2 के लिए क्वालीफाई करेगा, जिसमें नॉकआउट ड्रॉ होगा।

हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 26 सदस्यीय भारतीय महिला टीम घोषित की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की 26 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। यह दौरा 26 अप्रैल से 4 मई 2025 तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा। इस पांच मैचों की सीरीज में भारत पहले दो मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ए टीम से खेलेगा, जबकि इसके बाद तीन मुकाबले सीनियर ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ होंगे। इस दौरे के लिए टीम की कमान अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। यह दौरा भारतीय टीम के लिए आगामी जून में यूरोप में होने वाली एफआईएच प्रो लीग 2024-25 की तैयारियों के तहत महत्वपूर्ण साबित होगा। उल्लेखनीय रूप से पांच खिलाड़ियों ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे को सीनियर टीम में शामिल किया गया है।

म्यूनिख ओपन 2025 : एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहले दौर में एलेक्जेंड्रे मुलर को शिकस्त

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व नंबर-3 एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने म्यूनिख ओपन 2025 की शानदार शुरुआत करते हुए पहले दौर में फ्रांस के एलेक्जेंड्रे मुलर को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से मात दी। पिछले हफ्ते मोंटे कार्लो मास्टर्स में इटली के माटेओ बेरेत्तिनी से हारने के बाद ज्वेरेव के पास वर्ल्ड नंबर-1 बनने का मौका था, लेकिन उस हार ने उनकी रैंकिंग को नुकसान पहुँचाया। इसके साथ ही कार्लोस अल्कराज की खिताबी जीत ने ज्वेरेव को एक स्थान नीचे खिसका दिया। अब म्यूनिख में जीत से उन्होंने फ्रेंच ओपन की तैयारियों को नई दिशा दी है।

दूसरे सेट में दिखाया दम, 1 घंटे 20 मिनट में जीता मुकाबला

पहले गेम में ही ब्रेक करते हुए ज्वेरेव ने बढ़त बनाई, हालांकि मुलर ने 3-3 पर वापसी की। इसके बाद ज्वेरेव ने पहला सेट 47 मिनट में

अपने नाम किया। दूसरे सेट में ज्वेरेव ने अपनी लय पकड़ी और तीन बार ब्रेक करते हुए मुकाबला 1 घंटे 20 मिनट में जीत लिया।

छह टूर्नामेंट से नहीं पहुंचे क्वार्टरफाइनल से आगे

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के फाइनल में यानिक सिनर से हारने के बाद ज्वेरेव ने छह टूर्नामेंट खेले, लेकिन किसी में क्वार्टरफाइनल से आगे नहीं बढ़ सके। म्यूनिख में पिछली बार 2017 और 2018 में खिताब जीतने के बाद से वे अंतिम आठ से आगे नहीं जा पाए हैं। अब वे क्वार्टरफाइनल में डेनियल आल्टमेयर या ताइवान के त्सेंग चुन-हसिन से भिड़ेंगे।

बेन शेल्टन ने तीन मैच प्वाइंट बचाकर दर्ज की जीत

दूसरी ओर, टूर्नामेंट के दूसरे वरीय और विश्व नंबर-15 बेन शेल्टन ने बोर्ना गोयो के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया। एक सेट से पिछड़ने के बाद शेल्टन ने तीन मैच प्वाइंट बचाते हुए 4-6, 7-6 (8/6), 7-6 (7/3) से जीत दर्ज की। मुकाबला 2 घंटे 24 मिनट तक चला।

आईपीएल 2025 : सनराइजर्स हैदराबाद ने एडम जाम्पा की जगह रविचंद्रन स्मरण को टीम में किया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जाम्पा के चोटिल होने के बाद उनकी जगह कर्नाटक के युवा बल्लेबाज़ रविचंद्रन स्मरण को अपनी टीम में शामिल किया है।

30 लाख की बेस प्राइस पर एसआरएच से जुड़े स्मरण

21 वर्षीय रविचंद्रन स्मरण को सनराइजर्स हैदराबाद ने 30 लाख रुपये की बेस प्राइस पर अपनी टीम में जगह दी है। स्मरण एक बाएं हाथ के बल्लेबाज़ हैं, जिन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक सात फर्स्ट क्लास मैचों में 64.50 की औसत से 500 से ज्यादा रन बनाए हैं, जिसमें पंजाब के खिलाफ एक दोहरा शतक भी शामिल है। स्मरण ने 2024 में लिस्ट-ए क्रिकेट में डेब्यू किया था और अब तक 10 मैचों में 72.16 की औसत से 433 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक भी शामिल हैं। वहीं, उन्होंने छह टी20

मैचों में 170 की स्ट्राइक रेट से 170 रन बनाए हैं।

हैदराबाद पॉइंट्स टेबल में निचले पायदान पर

फिलहाल, आईपीएल 2025 की अंक तालिका में सनराइजर्स हैदराबाद अंकतालिका में निचले पायदान पर है और प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए इन्हें हर मैच में जीत हासिल करनी होगी।

ला लीगा 2024-25: एटलेटिको मैड्रिड ने रियल वायडोलिड को 4-2 से हराया

एजेंसी

मैड्रिड। अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज़ के शानदार दो गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने ला लीगा मुकाबले में रियल वायडोलिड को 4-2 से मात देकर खिताबी दौड़ में अपनी उम्मीदें ज़िंदा रखी हैं। सोमवार रात मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में बारिश के बीच खेले गए इस मुकाबले में अल्वारेज़ ने दोनों गोल पेनल्टी से किए।

अल्वारेज़ के दो पेनल्टी गोल से मिली जीत

मैच की शुरुआत में ही रियल वायडोलिड ने 21वें मिनट में ममाडू सिल्ला के पेनल्टी गोल से बढ़त बना ली थी। लेकिन इसके बाद एटलेटिको ने वापसी की और 25वें मिनट में जूलियन अल्वारेज़ ने पेनल्टी से गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। चार मिनट बाद ही जुलियानो सिमियोन ने गोल कर एटलेटिको को 2-1 की बढ़त दिला दी।

वायडोलिड ने दी कड़ी टक्कर: दूसरे हाफ में वायडोलिड ने भी दम दिखाया। 56वें मिनट में जावी सांचेज़ की फ्री किक को कॉनर गैलाघर के डिफलेक्शन ने गोल में तब्दील कर स्कोर 2-2 कर दिया। लेकिन एटलेटिको ने हार नहीं मानी

और 71वें मिनट में फिर से पेनल्टी पर अल्वारेज़ ने गोल कर अपनी टीम को 3-2 से आगे कर दिया।

सॉरलॉथ ने किया मैच का फैसला: मैच के 79वें मिनट में अल्वारेज़ का हैट्रिक गोल करने का मौका भी आया, लेकिन वायडोलिड के गोलकीपर आंद्रे फरेरा ने उसका शॉट रोक लिया। हालांकि, इसके रिबाउंड पर एलेक्जेंडर सॉरलॉथ ने गोल कर स्कोर 4-2 कर दिया और टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

अल्वारेज़ बोले- महत्वपूर्ण तीन अंक

मैच के बाद अल्वारेज़ ने कहा, ये तीन अंक हमारे लिए बहुत अहम हैं। अब हमें अगले मैच पर ध्यान देना है। हैट्रिक का मौका था, लेकिन टीम की जीत ज्यादा ज़रूरी थी। इस जीत के साथ एटलेटिको मैड्रिड के 63 अंक हो गए हैं और वह तीसरे स्थान पर बना हुआ है। वहीं, वायडोलिड की लगातार यह पांचवीं हार है और वह अब भी 16 अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे है।

बार्सिलोना ओपन 2025 : रूब्लेव और रूने ने अंतिम 16 में बनाई जगह

एजेंसी

बार्सिलोना। खेले गए बार्सिलोना ओपन 2025 के मुकाबलों में विश्व नंबर 8 आंद्रे रूब्लेव और डेनमार्क के होल्गर रूने ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम 16 में अपनी जगह बना ली।

रूब्लेव ने डी जोंग को दी करारी शिकस्त

रूसी स्टार आंद्रे रूब्लेव ने पहले दौर में डच खिलाड़ी जैस्पर डी जोंग को 6-1, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट में शानदार आगाज किया। बीते कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे रूब्लेव ने इस मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाया। पहले सेट में 5वें गेम में ब्रेक गंवाने के बाद रूब्लेव ने अगले छह गेम अपने नाम करते हुए सेट आसानी से जीत लिया। दूसरे सेट में रूब्लेव ने 3-2 की बढ़त बनाई और अंत में डी जोंग की एक लंबी शॉट पर मैच अपने नाम कर लिया। बता दें कि रूब्लेव ने हाल ही में पूर्व वर्ल्ड नंबर वन मारात सफिन को अपना कोच नियुक्त किया है।

रूने ने भी किया शानदार प्रदर्शन: दिन के पहले मुकाबले में

डेनमार्क के होल्गर रूने ने स्पेन के अनुभवी खिलाड़ी और संन्यास की घोषणा कर चुके अल्बर्ट रामोस-विनोलस को 7-5, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। पिछले हफ्ते मोंटे कार्लो मास्टर्स से फूड पॉइजनिंग के चलते हटने वाले रूने ने यहां 28 शानदार विनर्स लगाए।

मैच के बाद रूने ने कहा, मोनाको में खराब हफ्ते के बाद यहां अच्छी शुरुआत करना जरूरी था। मैं फिलहाल फिट और स्वस्थ महसूस कर रहा हूं, जो मेरे लिए सबसे बड़ी राहत है।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर: मैग्नस कार्लसन ने पेरिस खिताब किया अपने नाम

एजेंसी

नई दिल्ली। शतरंज की दुनिया के दिग्गज मैग्नस कार्लसन ने फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर के पेरिस चरण का खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल के दूसरे चरण में उन्होंने हिकारु नाकामुरा से ड्रॉ खेला और टूर्नामेंट में पहला स्थान हासिल करते हुए 2,00,000 डॉलर (करीब 1.66 करोड़ रुपये) की इनामी राशि अपने नाम की।

नाकामुरा ने की आक्रामक शुरुआत, कार्लसन ने दिखाई शानदार वापसी

फाइनल के निर्णायक मैच में हिकारु नाकामुरा ने सफेद मोहरों से खेल की शुरुआत की। शुरुआती चरण में नाकामुरा ने आक्रामक रणनीति अपनाई और कार्लसन के

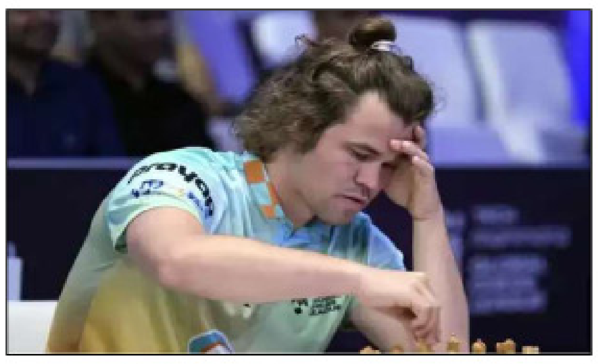

ढ8 घर पर खड़े ऊंट (बिशप) को मात दी। हालांकि, नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी ने तेजी से जवाबी हमला करते हुए अपने घोड़े और हाथी (नाइट और रूख) की मदद से नाकामुरा की रणनीति पर पानी फेर दिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला काफी रोचक रहा। मिडगेम में लगातार मोहरे बदले गए और दोनों खिलाड़ियों ने बराबरी का खेल दिखाया। आखिरकार 41 चालों के बाद दोनों ने ड्रॉ पर सहमति जताई, जिसके साथ ही मैग्नस कार्लसन टूर्नामेंट के विजेता बन गए ।इस टूर्नामेंट में भारत के युवा ग्रैंडमास्टरों ने भी दम दिखाया। आर. प्रज्ञानानंद ने रिचर्ड रैपोर्ट को हराकर नौवां स्थान हासिल किया। वहीं विदित गुजराती और डी. गुकेश ने 11वें स्थान पर टूर्नामेंट समाप्त किया। दूसरी ओर, अर्जुन एरिगैसी पांचवें स्थान की दौड़ में मैक्सिम वाशिए-लाग्रेव से बस एक जीत दूर हैं।

पंजाब एफसी को मिला सर्वश्रेष्ठ एलीट यूथ प्रोग्राम का आईएसएल अवॉर्ड

एजेंसी

मोहाली। पंजाब एफसी को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन के लिए सर्वश्रेष्ठ एलीट यूथ प्रोग्राम अवॉर्ड से नवाजा गया है।

यह सम्मान क्लब के युवा विकास में उत्कृष्ट योगदान और अकादमी से तैयार खिलाड़ियों को सीनियर टीम में सफलतापूर्वक शामिल करने के लिए दिया गया है। इस सीजन में पंजाब एफसी ने लीग की सबसे युवा टीम उतारी, जिसकी औसत उम्र 25 वर्ष और 216 दिन रही। यह क्लब की दीर्घकालिक सोच, स्थिरता और युवा प्रतिभाओं में विश्वास को दर्शाता है। सत्र के दौरान क्लब के नौ अकादमी स्नातकों ने सीनियर टीम में जगह बनाई, जिनमें से छह खिलाड़ियों ने इस मंच पर डेब्यू किया। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि क्लब ने अंडर-23 खिलाड़ियों को कुल 7,522 मिनट का खेल समय दिया, जो इस सीजन में किसी भी क्लब द्वारा सर्वाधिक है। हेड कोच पानागियोटिस डिल्मपेरिस का युवाओं में भरोसा क्लब की सफलता की नींव बना। प्रमवीर सिंह इस सीजन में आईएसएल इतिहास के सबसे युवा स्टार्टर बने, जबकि सिंगमायुम शामी सबसे युवा गोल स्कोरर के रूप में उभरे। विशाल यादव ने तीसरे सबसे युवा डेब्यू करने वाले खिलाड़ी का गौरव पाया, और मुहम्मद सुहैल तीसरे सबसे युवा असिस्ट देने वाले खिलाड़ी बने।

कपिल देव बने एसओजीएफ ग्रैंडमास्टर्स सीरीज के ब्रांड एंबेसडर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के महानायक और 1983 विश्वकप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव को स्किलहब ऑनलाइन गेम्स फेडरेशन (एसओजीएफ) द्वारा आयोजित एसओजीएफ ग्रैंडमास्टर्स सीरीज के उत्तर और पूर्व क्षेत्र फाइनल्स के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। यह फाइनल 29 और 30 अप्रैल को गुरुग्राम के हयात रीजेंसी में आयोजित होगा। यह सीरीज देश के चारों क्षेत्रों- दक्षिण, पश्चिम, उत्तर और पूर्व की प्रतिभाओं को माइंड स्पोर्ट्स में मंच देने का एक अनूठा प्रयास है। बेंगलुरु और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद अब उत्तर और पूर्व भारत की बारी है, जहां खिलाड़ी शतरंज, चेस फॉर ब्लाइंड और रम्मी में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। कपिल देव ने इस मौके पर कहा, माइंड स्पोर्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार का परिणाम है। एसओजीएफ के साथ जुड़कर मैं गर्व महसूस कर रहा हूं। रणनीतिक सोच, अनुशासन और समस्या-समाधान जैसे गुण न केवल माइंड स्पोर्ट्स में बल्कि क्रिकेट जैसे खेलों में भी अहम होते हैं। यह प्रतियोगिता भारत को वैश्विक मंच पर तैयार करने में बड़ी भूमिका निभाएगी।एसओजीएफ सीरीज की मुख्य ब्रांड एंबेसडर पद्मश्री सम्मानित ग्रैंडमास्टर कोनेरु हम्पी हैं, जिन्होंने अपने करियर में दो वर्ल्ड रैपिड चेस खिताब (2019, 2024), विश्व चैंपियनशिप पदक और एशियन गेम्स सहित कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं जीती हैं। मुंबई में हुए आयोजन में हम्पी ने कहा, यह पहल भारत में माइंड स्पोर्ट्स को नई दिशा देगी और इसे राष्ट्रीय खेल कैलेंडर का अहम हिस्सा बनाएगी।अब तक इस सीरीज में 1.5 लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं, जिससे यह भारत की सबसे बड़ी स्किल-बेस्ड माइंड स्पोर्ट्स चैंपियनशिप बन गई है। इंडियन रम्मी ग्रैंडमास्टर्स में 78,000 प्रतिभागियों में से 150 खिलाड़ी फाइनल्स तक पहुंचे। जबकि इंडियन चेस मास्टर्स (आईसीएम) में 3,500 में से 32 फाइनलिस्ट चुने गए, जिसमें 16 पुरुष और 16 महिलाएं शामिल हैं। वहीं इंडियन चेस मास्टर्स फॉर ब्लाइंड (आईसीएमबी) में एआईसीएफबी के साथ मिलकर 16 शीर्ष खिलाड़ियों का चयन किया गया। एसओजीएफ अध्यक्ष शंकर अग्रवाल ने कहा, कपिल देव का हमारे साथ जुड़ना हमारे लिए सम्मान की बात है। उनकी उपस्थिति माइंड स्पोर्ट्स को नई पहचान दिलाएगी और युवाओं में इसकी लोकप्रियता बढ़ाएगी। गुरुग्राम में होने वाले उत्तर और पूर्व क्षेत्र के फाइनल्स फिजिटल (फिजिकल + डिजिटल) अनुभव देंगे, जिसमें तकनीक और परंपरा का समावेश होगा। विजेता खिलाड़ी दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय फाइनल्स में भाग लेंगे, जहां उन्हें इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईईएसएफ), इंटरनेशनल माइंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन (आईएमएसए) और ग्लोबल ई-स्पोर्ट्स फेडरेशन (जीईएफ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

रेंजर्स ने नार्थर्न यूनाइटेड से अंक छीना

दिल्ली। रेंजर्स स्पोर्ट्स क्लब ने नार्थर्न यूनाइटेड एफसी को 1 -1 की बराबरी पर रोक कर डीएसए सीनियर डिवीजन लीग में महत्वपूर्ण अंक झटक लिया।आज यहां खेले गये मुकाबले में रेंजर्स के लिए बढ़त दिलाने वाल हर्षतोमर को उनके श् शानदार गोल के लिए प्लेयर ऑद द मैच से नवाजा गया। इसके बाद नार्थर्न यूनाइटेड के नितेश शर्मा ने गोलकर स्कोर1-1 बराबर कर दिया। वहीं दिन के पहले मुकाबले में बंशनलांग के गोल से एम 2एम फुटबाल क्लब ने अहबाब फुटबाल क्लब को 1-0 से हरा कर डीएसए सीनियर डिवीजन लीग में अपना विजयी अभियान शुरू किया। लीग का पहला मैच बेहद नीरस रहा। बंगाल, मणिपुर, मेघालय और सिक्किम के खिलाड़ियों से सजी दोनों टीमों ने बेहद सुस्त और उबाऊ फुटबाल खेली, लेकिन दिन के दूसरे मैच में अनुभव पर युवा खिलाड़ी भारी पड़े।

आईपीएल 2025: चेन्नई ने लखनऊ को 5 विकेट से हराया

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 30वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) को पांच विकेट से हराकर जीत की पटरी पर वापसी की है। यह सीएसके की सात मैचों में दूसरी जीत है। वहीं, लखनऊ को इस सत्र की तीसरी शिकस्त मिली है। इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 166 रन बनाए। कप्तान ऋषभ पंत ने 63 रन बनाए। इसके अलावा, मिचेश मार्श ने 30, आयुष बडोनी ने 22 और अब्दुल समद ने 20 करन का योगदान दिया। चेन्नई की ओर से रवींद्र जडेजा और मथीषा पाथिराना ने 2-2 विकेट अपने नाम किए जबकि खलील अहमद और

अंशुल कंबोज ने एक-एक विकेट मिला।167 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके ने तेज-तर्रार शुरुआत की। पहले पांच ओवर में ही टीम ने 52 रन जोड़ डाले। इसी स्कोर पर शेख राशिद 27 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद रचिन रविंद्र ने राहुल त्रिपाठी के साथ 24 रन जोड़े। लेकिन फिर दो लगातार विकेट ने चेन्नई को हिला दिया। रविंद्र 37 रन और राहुल 9 रन बना कर आउट हुए। फिर रविंद्र जडेजा और विजय शंकर भी कुछ खास नहीं कर सके और क्रमशः 7 और 9 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

महाप्रबंधक ने किया 34वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे महिला क्रिकेट चैम्पियनशिप का शुभारम्भ

एजेंसी

प्रयागराज। रेलगॉव स्टेडियम में उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के तत्वावधान में 14 से 20 अप्रैल तक आयोजित हो रही 34वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे महिला क्रिकेट चैम्पियनशिप का शुभारम्भ महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी ने महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा चेतना जोशी के साथ किया। उमरे खेल संघ के अध्यक्ष एस पी द्विवेदी ने कहा कि, उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ द्वारा इस क्रिकेट प्रतियोगिता का प्रयागराज में आयोजन हमारे लिए गौरव की बात है। इस प्रतियोगिता में भारतीय रेल के 09 जोनों से टीमें प्रतिभाग कर रही हैं, जिनको 5 एवं 4 टीमों के दो ग्रुपों में बांटा गया है। महाप्रबंधक ने सभी टीमों और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि, इस चैम्पियनशिप के आयोजन से रेलवे में खेलों को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट में टीमों की बढ़ती हुई संख्या देश में महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस तरह की प्रतियोगिता नई खिलाड़ियों के प्रोत्साहन का माध्यम बनेंगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि, यह आयोजन टीम भावना बढ़ाने मे सहायक होगा। उत्तर मध्य रेलवे की वरिष्ठ खिलाड़ी पूनम यादव ने सभी खिलाड़ियों की ओर से शुचितापूर्ण और खेल भावना से खेलने की शपथ ली और उत्तर मध्य रेलवे की कोच हेमलता काला ने रेफरी, अम्पायर, स्कोरर आदि को शपथ दिलाई। ज्ञात हो कि, इस प्रतियोगिता में उत्तर रेलवे, पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और पहली बार प्रतिभाग कर रही दक्षिण पश्चिम रेलवे के साथ-साथ उत्तर मध्य रेलवे हिस्सा ले रही हैं। इस समागम में भारतीय रेल के 9 जोनों की टीमों के साथ लगभग 150 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मित मालवीय ने बताया कि प्रतियोगिता का पहला मैच उत्तर मध्य

रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे के बीच हुआ।, इसमें उत्तर मध्य रेलवे 09 रनों से जीती। उत्तर मध्य रेलवे ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेटों के नुकसान पर 113 रन बनाए जवाब में दक्षिण मध्य रेलवे 9 विकेट खोकर 104 रन ही बना सकी। दूसरा मैच उत्तर रेलवे और पूर्व रेलवे के मध्य हुआ। इसमें उत्तर रेलवे ने पहले बैटिंग कर 103 रन बनाए और जवाब में पूर्व रेलवे ने 101 रन बनाए। उत्तर रेलवे ने मात्र दो रन से जीत दर्ज की। उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष एस पी द्विवेदी, उपाध्यक्ष बीपी सिंह, कोषाध्यक्ष रवि पटेल, महासचिव सर्वेश चंद द्विवेदी, सचिव-महाप्रबंधक अजय सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ डॉ अमित मालवीय ने किया। पीआरओ ने बताया कि यहां पर दिन का एकमात्र मैच पश्चिम रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेल के मध्य हुआ। मैच के पहले खेलगॉव पब्लिक स्कूल के वाइस चेयरमैन अनिल मिश्रा ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया और उन्होंने विद्यालय के चेयरमैन डॉ यू के मिश्रा की ओर से सभी को आयोजन की शुभकामनाएं दी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पश्चिम रेलवे ने 20 ओवरों में 3 विकेटों के नुकसान पर 151 रन बनाए जवाब में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे 8 विकेट खोकर 105 रन ही बना सकी।

मैं अब टोनी और नेहा कक्कड़ की बहन नहीं हूं..सोनू कक्कड़ ने तोड़ा भाई-बहन से नाता, कहा- मेरा यह फैसला गहरे दर्द से उपजा है

बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ और उन्हें बहन-भाई सोनू व टोनी कक्कड़ का रिश्ता बेहद प्यारा है। तीनों भाई-बहनों ने काफी संघर्ष कर आज म्यूजिक इंडस्ट्री में जबरदस्त पहचान बनाई है, लेकिन अब हाल ही में इन्हें लेकर एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। सिंगर सोनू कक्कड़ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर घोषणा की कि वह अब अपने छोटे भाई-बहन नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ से अलग हो रही हैं। जैसे ही यह पोस्ट लोगों ने देखा तो सब हैरान रह गए। हालांकि, कुछ समय बाद ही सोनू ने यह पोस्ट अपने अकाउंट से डिलीट कर दिया, लेकिन तब तक यह काफी वायरल हो चुका था।

सोनू कक्कड़ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया जिसमें उन्होंने लिखा-,आप सभी को यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मैं अब दो सुपर टेलेंटेड सुपरस्टार्स टोनी कक्कड़ और नेहा कक्कड़ की बहन नहीं हूं। मेरा यह निर्णय गहरे भावनात्मक दर्द से उपजा है और मैं आज वास्तव में बहुत निराश हूं।

सोनू कक्कड़ ने यह खुलासा 9 अप्रैल को टोनी के जन्मदिन पर न आने के कुछ ही दिनों बाद किया है, जिसने पहले ही सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया था।

जहां सोनू के इस पोस्ट को कई फैंस गंभीरता से ले रहे हैं तो वहीं कई लोग इसे पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं।

संघर्ष करके कमाया नाम

बता दें, नेहा कक्कड़ का परिवार काफी गरीबी में रहा है और उनके घर में सिर्फ एक इंसान ही कमाता था और वो थीं उनकी बड़ी बहन सोनू कक्कड़। सोनू कक्कड़ माता रानी के जागरण किया करती थीं और नेहा उनके साथ गाया करती थीं। दोनों भाई बहनों को सिंगिंग का टैलेंट वहीं से मिला। आज कक्कड़ सिब्लिंग्स टॉप सिंगर्स की लिस्ट में शुमार हैं।

प्रीति जिंटा ने ठुकराई सलमान खान की फिल्म, रिलीज होते ही FLOP हुई, 3 करोड़ भी नहीं कमा पाई थी ये पिक्चर

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान का बॉक्स ऑफिस पर जादू कई बार देखने को मिला है. सलमान खान अपने करियर में कई शानदार फिल्मों के जरिए फैंस का दिल जीत चुके हैं. हालांकि हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'सिकंदर' की हालत लगातार बहुत खस्ता होती जा रही है. फिल्म के लिए सिनेमाघरों में टिके रहना अब बेहद मुश्किल हो गया है. 26 करोड़ की ओपनिंग लेने वाली फिल्म की कमाई 12वें दिन ही लाखों में पहुंच गई थी.वैसे आपको बता दें कि सिकंदर से पहले सलमान खान की और भी कई फिल्में औंधे मुंह गिरी हैं. उनकी एक फिल्म तो ऐसी भी रही, जिसने टिकट खिड़की पर सिर्फ अपने बजट की 12 फीसदी कमाई की थी. इसे सलमान के करियर की सबसे महाफ्लॉप फिल्म कहना भी गलत नहीं होगा. ध्यान देने वाली बात ये है कि ये पिक्चर पहले मशहूर एक्ट्रेस प्रीति जिंटा को ऑफर की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया था. बाद में उनका फैसला सही भी साबित हुआ. फिर उनकी जगह एक विदेशी एक्ट्रेस को लिया गया. लेकिन फिर भी फिल्म पिट गई थी. आपको ये जानकर हैरानी होगी कि इसके बाद डायरेक्टर ने फिल्ममेकिंग छोड़ दी थी.

प्रीति ने ठुकरा दी थी 'मैरीगोल्ड'

जिस फिल्म की हम आपसे बात कर रहे हैं उसका नाम है 'मैरीगोल्ड'. शायद ही सलमान के फैंस को उनकी इस फिल्म के बारे में पता होगा और अगर पता होगा भी तो वो इस फिल्म को भूलना चाहेंगे. सलमान की इस पिक्चर के लिए प्रीति जिंटा को अप्रोच किया गया था, लेकिन उन्होंने फिल्म को रिजेक्ट कर दिया था.

डायरेक्टर ने छोड़ दी फिल्ममेकिंग

मैरीगोल्ड एक रोमांटिक म्यूजिकल कॉमेडी फिल्म थी, जिसका डायरेक्शन किया था हॉलीवुड डायरेक्टर विलार्ड कैरल ने. वहीं फिल्म में सलमान के अपोजिट नजर आई थीं हॉलीवुड एक्ट्रेस एली लॉर्टर. लेकिन दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने नकार दिया था. 19 करोड़ के बजट में बनी पिक्चर आते ही सिनेमाघरों में धड़ाम से गिर गई थी.मैरीगोल्ड पहले ही दिन अपना जलवा नहीं बिखेर सकी.

कैमरा ऑन होते ही माता आ जाती है...सनी देओल का खूंखार रूप देखकर JAAT का विलेन भी थर-थर कांपा

सनी देओल की फिल्म 'जाट' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है. 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली जाट में सनी देओल के सामने रणदीप हुड्डा खूंखार विलेन राणातुंगा के किरदार में नजर आ रहे हैं. रणदीप ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सनी देओल संग काम करने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया.

जाट को साउथ डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी ने डायरेक्ट किया है. ये बॉलीवुड में उनकी डेब्यू फिल्म है. फिल्म जबरदस्त एक्शन सीन्स से भरी हुई है. फिल्म में सनी के सामने विलेन बनकर चुनौती पेश करने वाले रणदीप ने अब एक्टर को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है. उन्होंने बताया कि कैमरा ऑफ होते ही सनी देओल एक अलग मूड में दिखाई देते हैं, जबकि कैमरा ऑन होते ही वो अपने किरदार में पूरी तरह उतर जाते हैं.

कैमरा ऑन होते ही माता आ जाती है...

रणदीप हुड्डा हाल ही में शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट पर पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर बात की. वहीं सनी देओल को लेकर भी उन्होंने दिलचस्प खुलासा किया. उनसे शुभांकर ने कहा था कि, सनी देओल रियल लाइफ में इतने शांत हैं, बेहद विनम्रता के साथ बात करते हैं. वो स्क्रीन पर आकर इतने एग्रेसिव कैसे हो जाते हैं ?

रणदीप ने इसके जवाब में कहा, पता नहीं मैं तो ये ही बोलता हूं पाजी कैमरा ऑन होते ही माता आ जाती है आपमें. उनकी बॉडी लैंग्वेज, उनकी आंखें सब अलग दिखाई देती हैं. उन्होंने काफी सालों से इस चीज की प्रैक्टिस की है. फिर उनसे सवाल हुआ, मैंने सुना था डर (1993 फिल्म) के दौरान सनी देओल ने गुस्से में अपनी पैंट फाड़ दी थी. इस पर रणदीप ने कहा, हमने भी सुना था पर वो मेरे ख्याल से अपनी बात को बोलकर नहीं रख पाए तो गुस्से में उनकी जींस फट गई होगी.

जाट का अब तक का कलेक्शन

10 अप्रैल को रिलीज हुई जाट में सनी और रणदीप के साथ 'छावा' फिल्म के एक्टर विनीत कुमार सिंह भी हैं. 100 करोड़ के बजट में बनी जाट ने पहले दिन 9.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. दूसरे दिन फिल्म ने 7 करोड़ और तीसरे दिन 9.75 करोड़ बटोरे. तीन दिनों में जाट ने 26 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है.

रणदीप हुड्डा ने किताब में छिपाकर चार्ल्स शोभराज को वो चीज भेज दी, जिससे 'बिकिनी किलर' उनका दोस्त ही बन गया

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा फिलहाल अपनी फिल्म जाट को लेकर लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे हैं. इस फिल्म में उन्होंने विलेन का किरदार निभाया है, जिसका नाम राणातुंगा है. इस किरदार के लिए उन्हें लोगों से काफी सराहना मिल रही है. हालांकि, उन्होंने और भी कई सारे कमाल के रोल किए हैं, इन्हीं में से एक किरदार इंटरनेशनल क्रिमिनल चार्ल्स शोभराज का भी है, जिसे लोग बिकिनी किलर के नाम से भी जाने जाते हैं. फिल्म का नाम मैं और चार्ल्स है, जो कि साल 2015 में रिलीज हुई थी.

हाल ही में रणदीप हुड्डा एक पॉडकास्ट में नजर आए थे, जहां उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर खुलकर बात की. इस दौरान एक्टर ने अपनी फिल्म मैं और चार्ल्स के वक्त के भी कुछ किस्से शेयर किए. इसके साथ ही साथ उन्होंने ये भी बताया कि फिल्म के बाद से उनके और चार्ल्स शोभराज के बीच दोस्ती का रिश्ता भी बन गया था. पॉडकास्ट के दौरान जब उनसे पूछा गया कि दोनों में बिना मिले दोस्ती कैसे हुई, तो उन्होंने किस्सा सुनाया.

कभी भी नहीं हुई है मुलाकात

रणदीप हुड्डा शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में शामिल हुए, इस दौरान उन्होंने बताया कि वो फिल्म की टीम के साथ चार्ल्स से मिलने के लिए नेपाल गए थे. एक्टर ने बताया कि उससे मिलने के लिए उन लोगों को कई सारी बड़े अधिकारियों से बातचीत करनी पड़ी. हालांकि, उसके बाद भी चार्ल्स से उनकी मुलाकात नहीं कराई गई, लेकिन उन्हें दूर से उन्हें देखने की परमिशन मिल गई थी. एक्टर ने बताया कि उन्होंने चार्ल्स को एक बुक भेजवाई थी, जिसमें उन्होंने अपना नंबर दिया हुआ था.

वीडियो कॉल पर होती थी बात

रणदीप ने बताया कि फोन नंबर मिलने के बाद चार्ल्स ने उन्हें कॉल किया और दोनों में काफी बातें भी हुई. साथ ही उन्होंने बताया कि वो जब तक जेल से छूटे नहीं थे तब तक दोनों की काफी बातें होती थी, चार्ल्स ने उन्हें वीडियो कॉल के जरिए जेल में अपने सेल के बारे में बताया था. एक्टर ने बताया कि एक बार जब वो अमेरिका गए थे तो चार्ल्स ने उनकी अमेरिकी एजेंट से बात करवाई थी ताकि वो हॉलीवुड में काम करें. इसके साथ ही रणदीप ने बताया कि वो चार्ल्स पर दूसरा पार्ट भी बनाने के बारे में सोच रहे हैं.